संसार भर के लाखों विश्वासियों के लिए, मसीह में विश्वास करने और बाईबल की शिक्षाओं में विश्वास करने को केवल हतोत्साहित ही नहीं किया गया बल्कि खतरनाक माना गया है।

उसके सताव को जानना।

उसके वचन को जानना।

मियादी तौर पर,गुप्त कलीसियाओं में तेजी से छः धण्टों को बाइबल अध्ययन किया जाता है जिसमें हम सम्पूर्ण भूमण्ड में सताए गये सभी भाई और बहनों के बारे में चर्चा करते और उनके लिए प्रार्थना करते हैं।

गुप्त कलीसिया का उददेश्य यह है कि जो कुछ आप यहां पर जमा होकर सीखते हैं उसे दूसरों तक पहुंचा सकें ताकि आप मसीह की महिमा के लिए सारे देशों में शिष्य बना सकें।

secretchurch.org

गुप्त कलीसिया क्या है?

गुप्त कलीसिया की शुरूआत चर्च ब्रूक हिल्स में उस समय के आधार पर हुई जो डा.प्लैट ने भाईयों और बहनों के साथ में भूमिगत एशियन धरेलू कलिसियाओं में बिताया था। इस सन्दर्भ में, वे अपनी जान का जोखिम उठाकर 8 से 12 घण्टे तक केवल प्रार्थना,अराधना और परमेश्वर के वचनों का अध्ययन करने के लिए मिला करते थे। यह साधारणतः सख्त,खतरनाक और सन्तुष्ट करने वाला..... सब कुछ एक ही समय में है।

ब्रूक हिल्स के अगुवे पूछने लगे कि क्या वे भी वही काम कर सकते हैं और उन्होने प्रयास करने को निर्णय लिया। उन्होने शुक्रवार की एक शाम को नियुक्त किया जहां पर वे सायं 6बजे से मध्यरात्रि तक दो मुख्य उददेश्यों के लिए जमा हो सकेंः परमेश्वर के वचन के गहन अध्ययन के द्वारा अराधना के लिए, सताए गये भाई बहनों की बातों को सुन सकें व उनके लिए विशेष रूप से प्रार्थना कर सकें। यह छः घण्टे सीधे सीधे प्रार्थना और अराधना के लिए थे।

उनकी पहली सभा में करीब 1000 लोग थे, और उसके पश्चात वह संख्या बढ़ने लगी। गुप्त कलीसिया'' आज वर्ष में बहुत सी बार लगती है जिसमें ज्यादातर लोग खडें रहते हैं। एक पासबान होने के नाते डा.प्लैट को एक दृश्य सर्वाधिक देखना पसन्द करते हैं जब पूरा कमरा लोगों से भरा होता है और सभी लोग मध्य रात्रि को अपनी बाइबल को खोले परमेश्वर के वचनों में डूबे हुए होते हैं।

इन दिवारों के पार

हम बहुत ही खुश हैं कि आपने गुप्त कलीसियाओं में हिस्सा लेने का निर्णय किया है। लेकिन अगर यहां कोई नहीं भी आया होता, तो भी यह कार्य प्रयास करने योग्य है। असल में यह आशा की जाती है कि यह बाइबल अध्ययन यहां पर उपस्थित लोगों से कहीं ज्यादा लोगों को फायदा पहुंचायेगा।

देखें यह कैसे होगा।

जब भी कभी हम अध्ययन के लिए जमा होते हैं तो हम सत्र को पूरा रिकोर्ड कर लेते हैं। उसके पश्चात उन रिकोर्डिगों को अलग अलग भाषाओं में जैसे स्पैनिश,मन्दारिन, हिन्दी,अरबी, इत्यादि में नकल किया जाता या अनुवादित किया जाता है। जैसे ही इसके अनुवाद का कार्य पूरा हो जाता है तुरन्त ही गुप्त कलीसिया के विदेशी भाषा के संस्करण को औन लाइन पर उपलब्द करा दिया जाता है। लेकिन यह तो मात्र शुरूआत है।

संसार भर के ज्यादातर मसीहियों का सेमिनरी या बाईबल कालेज तक जाना नहीं हो पाता। बल्कि,संसार के अनेकों हिस्सों में मसीहियों को कोई प्रारम्भिक औपचारिक शिक्षा प्राप्त ही नहीं होती। पास्टर डेविड गुप्त कलीसियाओं के अतिरिक्त अध्ययनों में, विभिन्न बाइबल और ईश्वर आधारित विषयों पर धण्टों की शिक्षा में अगुवाई करेगें। उसके पश्चात हमें उन साधनों को सार्वजनिक तौर पर वितरित कर पाएंगे। यह सत्र मिलकर एक लधु सेमिनरी का निर्माण करेगें, जिससे आप लघु कोर्सो की सहायता से सभी के लिए उपलब्द बाइबल परिक्षण पर बात कर सकें।

हर एक जमा होने वाली गुप्त कलीसिया में हम लोग भेंट उठाते हैं। सम्पूर्ण जमा राशि संसार भर में सताए गये मसीहियों हेते कार्यरत सेवकाई की पहल अथवा गुप्त कलीसिया की बाइबल शिक्षा सामग्री को विभिन्न भाषाओं में मुहैय्या करवाने के माध्यम से सहायता करने में खर्च की जाती है। कल्पना करके देखिये कि एशिया या मध्य पूर्वी क्षेत्र में रहने वाला एक धरेलू कलीसिया का अगुवा घण्टों की बाइबल शिक्षाओं केा गुप्त कलीसिया को अपनी भाषा में सुनने के जरिये प्राप्त कर सकता है। यदि आप गुप्त कलीसिया को अपने दान भेजना या किसी अन्य भाषा में गुप्त कलीसिया के संसाधनों में प्राप्त करना चाहते हैं तो हमारी वैबसाइट radical.net. पर जाएं

स्वर्गदूत,दुष्टात्माऐं और आत्मिक युद्ध

हम कौन है....

- ⊡ एक मुख्य प्रश्न....
- ★ एक कलीसिया के नाते क्या हम मंडली वाहक हैं?
- ★ या फिर हम एक आरामफरामोश हैं?
- ⊡ महत्वपूण फरक....
- ★ हमारा व्यवहार फरक होगा।
- ★ हमारे साधनो का इस्तेमाल फरक होगा।
- ★ हमारा चाल चलन फरक होगा।
- ⊡ –एक महत्वपूर्ण निर्णय...
- ★ क्या हम अपने आपको संसार के शान्तिमय आराम में डुबा देगें?
- ★ या फिर हम अपने आप को संसार भर के लोगों के लिए युद्ध में झोंक देगें?

हम कहां जा रहे है.....

- ⊡ –बुनियादी सच्चाईयां
- ⊡ स्वर्गदूत
- ★ वे कौन है?
- ★ वे किस प्रकार से सुनियोजित हैं?
- ★ वे क्या करते हैं?
- ★ वे हमसे कैसे सम्पर्क स्थापित करते हैं?
- ⊡ –दुष्टआत्माएं
- ★ दुष्टआत्माएं क्या हैं?
- ★ शैतान कौन है?
- ★ किस प्रकार शैतान और दुष्टात्माएं परमेश्वर से संबन्धित है?
- ★ किस प्रकार शैतान और दुष्टात्माएं हमसे सम्बन्ध रखती है?
- ⊡ आत्मिक युद्ध
- ★ पुराना नियम और आत्मिक युद्ध
- ★ मसीह और आत्मिक युद्ध
- ★ कलीसिया और आत्मिक युद्ध

⊡ मतभेद पूर्ण प्रश्न

★ छुटकारे की सेवकाई से क्या समझते हैं?

★ क्या एक मसीही दुष्टात्मा–ग्रसित हो सकता है?

★ क्या हमें दुष्टात्माओं से बात करना चाहिए(वार्तालाप,नाम लेना,दुष्टात्माओं को बांधना)?

★ क्या दूसरी जगहों या लोगों से दुष्टात्माएं हम पर सवार हो सकती हैं?

⊡ निष्कर्षीय चुनौतियां

बुनियादी सच्चाईयां

एक <u>आत्मिक</u> संसार है।

भोर को परमेश्वर के भक्त का टहलुआ उठा और निकलकर क्या देखता है कि घोड़ों और रथों समेत एक दल नगर को घेरे हुए पड़ा है। और उसके सेवक ने उस से कहा, हाय ! मेरे स्वामी, हम क्या करें? उस ने कहा, मत डर; क्योंकि जो हमारी ओर हैं, वह उन से अधिक हैं, जो उनकी ओर हैं। तब एलीशा ने यह प्रार्थना की, हे यहोवा, इसकी आंखें खोल दे कि यह देख सके। तब यहोवा ने सेवक की आंखें खोल दीं, और जब वह देख सका, तब क्या देखा, कि एलीशा के चारों ओर का पहाड़ अग्निमय घोड़ों और रथों से भरा हुआ है। जब अरामी उसके पास आए, तब एलीशा ने यहोवा से प्रार्थना की कि इस दल को अन्धा कर डाल। एलीशा के इस वचन के अनुसार उस ने उन्हें अन्धा कर दिया।

2राजा 6:15–18

⊡ ध्यान देने योग्य तीन आपत्तियां

★ .आत्मिक वर्णन ––––––– होता हैं

★ आत्मिक सच्चाई व्यापक नहीं होती हैं।

★ आत्मिक शक्तियां वचन में ––––––––– नहीं है।

यहोवा परमेश्वर ने जितने बनैले पशु बनाए थे, उन सब में सर्प धूर्त था, और उस ने स्त्री से कहा, क्या सच है, कि परमेश्वर ने कहा, कि तुम इस बाटिका के किसी वृक्ष का फल न खाना ?

उत्पत्ति 3:1

तब उस समय आत्मा यीशु को जंगल में ले गया ताकि इब्लीस से उस की परीक्षा हो।

मत्ती 4:1

और जब हजार वर्ष पूरे हो चुकेंगे; तो शैतान कैद से छोड़ दिया जाएगा। और उन जातियों को जो पृथ्वी के चारों ओर होंगी, अर्थात् याजूज और माजूज को जिन की गिनती समुद्र की बालू के बराबर होगी, भरमाकर लड़ाई के लिये इकट्ठे करने को निकलेगा। प्रकाशितवाक्य 20:7–8

नज़र अन्दाज करने के लिए दो गलतियां.....

दो ऐसी बराबर और विपरीत गलतियां हैं जिसके तहत हमारी दौड़ शैतान के चंगुल में पड़ सकती है। पहला उनके अस्तित्व पर विश्वास न करना। दूसरा है उनमें विश्वास और अत्यधिक व अस्वस्थ रूची महसूस करना। वे खुद ही बराबरी से दोनो गलतियों से प्रसन्न होते हैं, और भौतिकवाद और जादूई चीजों का हर्ष के साथ अभिवादन करते हैं।''

सी.एस लुईस

⊡ खोखला बुद्धिवाद

⊡ अत्याधिक कट्टर पन्थ

हम आत्मिक <u>युद्ध</u> में शामिल हैं।

12 क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध, लोहू और मांस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं।

इफिसियों 6:12

- झगड़ने वाले दो राज्य....

और उन अविश्वासियों के लिये, जिन की बुद्धि को इस संसार के ईश्वर ने अन्धी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके।क्योंकि हम अपने को नहीं, परन्तु मसीह यीशु को प्रचार करते हैं, कि वह प्रभु है; और उसके विषय में यह कहते हैं, कि हम यीशु के कारण तुम्हारे सेवक हैं। इसलिये कि परमेश्वर ही है, जिस ने कहा, कि अन्धकार में से ज्योति चमके; और वही हमारे हृदयों में चमका, कि परमेश्वर की महिमा की पहिचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो।

2कुरिन्थियों 4:4–6

- परमेश्वर का राज्य
- शैतान का राज्य

6 इसलिये कि परमेश्वर ही है, जिस ने कहा, कि अन्धकार में से ज्योति चमके; और वही हमारे हृदयों में चमका, कि परमेश्वर की महिमा की पहिचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो।

यूहन्ना 18:36

और उस ने तुम्हें भी जिलाया, जो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे।जिन में तुम पहिले इस संसार की रीति पर, और आकाश के अधिकार के हाकिम अर्थात् उस आत्मा के अनुसार चलते थे, जो अब भी आज्ञा न माननेवालों में कार्य करता है।

इफिसियों 2:1–2

और जब सातवें दूत ने तुरही फूंकी, तो स्वर्ग में इस विषय के बड़े बड़े शब्द होने लगे कि जगत का राज्य हमारे प्रभु का, और उसके मसीह का हो गया।

प्रकाशितवाक्य 11:15

- ⊡ एक नियमित संघर्ष
- ✱ पाप के खिलाफ लड़ाई

तुम ने पाप से लड़ते हुए उस से ऐसी मुठभेड़ नहीं की, कि तुम्हारा लोहू बहा हो।

इब्रानियो 12:4

- ✱ हमारे प्राण के भीतर युद्ध

हे प्रियों मैं तुम से बिनती करता हूं, कि तुम अपने आप को परदेशी और यात्री जानकर उस सांसारिक अभिलाषाओं से जो आत्मा से युद्ध करती हैं, बचे रहो।

1पतरस 2:11

- ✱ हम अपने विश्वास के लिए संघर्ष करते हैं।

हे प्रियो, जब मैं तुम्हें उस उद्धार के विषय में लिखने में अत्यन्त परिश्रम से प्रयत्न कर रहा था, जिस में हम सब सहभागी हैं; तो मैं ने तुम्हें यह समझाना आवश्यक जाना कि उस विश्वास के लिये पूरा यत्न करो जो पवित्रा लोगों को एक ही बार सौंपा गया था।

यहूदा 3

★ हम सुसमाचार के लिए संधर्ष करते हैं।

केवल इतना करो कि तुम्हारा चाल–चलन मसीह के सुसमाचार के योग्य हो कि चाहे मैं आकर तुम्हें देखूं, चाहे न भी आऊं, तुम्हारे विषय में यह सुनूं, कि तुम एक ही आत्मा में स्थिर हो, और एक चित्त होकर सुसमाचार के विश्वास के लिये परिश्रम करते रहते हो।--------और तुम्हें वैसा ही परिश्रम करना है, जैसा तुम ने मुझे करते देखा है, और अब भी सुनते हो, कि मैं वैसा ही करता हूं।

फिलिप्पियों 1:27–30

★ हम अच्छी लड़ाई को लड़ते है।

विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़; और उस अनन्त जीवन को धर ले, जिस के लिये तू बुलाया, गया, और बहुत गवाहों के साम्हने अच्छा अंगीकार किया था।

1तिमुथीयुस 6:12

मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूं मैं ने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैं ने विश्वास की रखवाली की है।

2तीमुथियुस 4:7

★ हम योद्धा हैं।

मसीह यीशु के अच्छे योद्धा की नाई मेरे साथ दुख उठा। जब कोई योद्धा लड़ाई पर जाता है, तो इसलिये कि अपने भरती करनेवाले को प्रसन्न करे, अपने आप को संसार के कामों में नहीं फंसाता।

2तीमुथीयुस 2:3–4

★ हमारे पास हथियार हैं।

क्योकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं। 2कुरिन्थ 10:4

परन्तु हर बात में परमेश्वर के सेवकों की नाई अपने सद्‌गुणों को प्रगट करते हैं, बड़े धैर्य से, क्लेशों से, दरिद्रता से, संकटो से।कोड़े खाने से, कैद होने से, हुल्लड़ों से, परिश्रम से, जागते रहने से, उपवास करने से।पवित्राता से, ज्ञान से, धीरज से, कृपालुता से, पवित्रा आत्मा से।सच्चे प्रेम से, सत्य के वचन से, परमेश्वर की सामर्थ से; धार्मिकता के हथियारों से जो दहिने, बाएं हैं।आदर और निरादर से, दुरनाम और सुनाम से, यद्यपि भरमानेवालों के ऐसे मालूम होते हैं तौभी सच्चे हैं।अनजानों के सदृश्य हैं; तौभी प्रसिद्ध हैं; मरते हुओं के ऐसे हैं और देखों जीवित हैं; मारखानेवालों के सदृश हैं परन्तु प्राण से मारे नहीं जाते। शोक करनेवाले के समान हैं, परन्तु सर्वदा आनन्द करते हैं, कंगालों के ऐसे हैं, परन्तु बहुतों को धनवान बना देते हैं; ऐसे हैं जैसे हमारे पास कुछ नहीं तौभी सब कुछ रखते हैं।

2कुरिन्थ 6:4–10

★ लड़ाई स्वर्गीय स्थानों में छिड़ गयी है।

12 फिर उस ने मुझ से कहा, हे दानिय्येल, मत डर, क्योंकि पहिले ही दिन को जब तू ने समझने–बूझने के लिये मन लगाया और अपने परमेश्वर के साम्हने अपने को दीन किया, उसी दिन तेरे वचन सुने गए, और मैं तेरे वचनों के कारण आ गया हूं।13 फारस के राज्य का प्रधान इक्कीस दिन तक मेरा साम्हना किए रहा; परन्तु मीकाएल जो मुख्य प्रधानों में से है, वह मेरी सहायता के लिये आया, इसलिये मैं फारस के राजाओं के पास रहा, 14 और जब मैं तुझे समझाने आया हूं, कि अन्त के दिनों में तेरे लोगों की क्या दशा होगी। क्योंकि जो दर्शन तू ने देखा है, वह कुछ दिनों के बाद पूरा होगा।5 जब वह पुरूष मुझ से ऐसी बातें कह चुका, तब मैं ने भूमि की ओर मुंह किया और चुपका रह गया।

दानिय्येल 10:12–15

हम युद्ध के समय में हैं, शान्ति के समय में नहीं।

इस आत्मिक युद्ध को समझने के लिए हमारा आधार ————है।

- ⊡ हमारा अधिकार क्या होगा?
- ★ कल्पनाए ... और ————?
- ★ अनुभव .....या व्याख्या?
- ★ अर्न्तज्ञान .....या ———— ————?

⊡ हम इन जवाबों को कहां पाएंगे?

★ याद रखें ....हमारे हर सवाल का जवाब बाईबल हमें नहीं देती है।

★ आराम करे...बाइबल हर एक उस सवाल का जवाब देती है जो हमें परमेश्वर की महिमा के लिए जीने हेतू आवश्यक होते है।

⊡ हम मूलपाठ तक कैसे पहुंच पाएंगे?

★ ध्यान देना –हम मूल पाठ की ————करते हैं।

- पाठ को ————..
- उसे ध्यानपूर्वक सुने।
- उसे बार बार सुने।
- धीरज के साथ सुने।
- कल्पना करते हुए सुने।
- मनन करते हुए सुने।
- उददेश्य के तहत सुने।
- मूल पाठ को ————.....
- खोजें कि मूल पाठ किस बात पर अधिक जोर दे रहा है।
- देखें कि किस बात को बार बार दोहराया जा रहा है।
- देखें कि किन बातो को वचन जोड़ रहा है।
- देखे कि वचन क्या बताता है।

★ समझाना – हम संन्दर्भ की जाँच करते हैं।

- ———— संदर्भ पर ध्यान दें।
- ऐतिहासिक संस्कृतियों पर ध्यान दें।
- ———— परिपेक्ष पर ध्यान दें।
- स्मरण रखने के लिए सिद्धान्त...

- हम लेखक के मूल विचारों की जाँच कर रहे हैं।
- एक बाइबल के अनुच्छेद का मतलब कभी भी वह नहीं हो सकता जो ——— रखा न गया हो।
- सन्दर्भ अर्थ को आकार प्रदान करता है।
- सन्दर्भ के नियमः ———।
- नजरअन्दाज करना खतरनाक.....
- विभाजन– मूल विषय को सन्दर्भ से ——— किया जाता रहा है।
- बराबर करना–एक सन्दर्भ के मूलपाठ को दूसरे मूलपाठ के सन्दर्भ में ——— किया जा रहा है।
- ★ इस्तेमाल– हम मूल पाठ का ——— करते हैं।
- अनन्त सच्चाई को पहिचानना।
- अनन्त सच्चाईयों को आज से ——— दें।
- अनन्त सच्चाईयों का अभ्यास करें।

इस आत्मिक युद्ध में शत्रु ———है।

⊡ शत्रु के बारे में सोचते ही क्यों हैं?

क्योंकि कहते हें, कि उस की पत्रियां तो गम्भीर और प्रभावशाली हैं; परन्तु जब देखते हैं, तो वह देह का निर्बल और वक्तव्य में हल्का जान पड़ता है। सो जो ऐसा कहता है, वह यह समझ रखे, कि जैसे पीठ पीछे पत्रियों में हमारे वचन हैं, वैसे ही तुम्हारे साम्हने हमारे काम भी होंगे।

2कुरिन्थ 2:10–11

- ★ हमें अपनी आंखें खोलने की जरूरत है।
- ★ हमें अपने घुटनों पर आने की जरूरत है।
- ★ हमें जानने की जरूरत है कि वह कौन है।
- ★ हमें अवश्य जानना चाहिए कि वह कैसे कार्य करता है।

⊡ शैतान के दो प्रमुख कार्य.....

- ★ परमेश्वर के लोगों को नाश करना।
- ★ परमेश्वर की महिमा को धूमिल करना।

यहोवा के लिये एक नया गीत गाओ, हे सारी पृथ्वी के लोगों यहोवा के लिये गाओ! यहोवा के लिये गाओ, उसके नाम को धन्य कहो; दिन दिन उसके किए हुए उद्धार का शुभसमाचार सुनाते रहो। अन्य जातियों में उसकी महिमा का, और देश देश के लोगों में उसके आश्चर्यकर्मों का वर्णन करो। क्योंकि यहोवा महान और अति स्तुति के योग्य है; वह तो सब देवताओं से अधिक भययोग्य है।

भजन संहिता 96:1–4

इस आत्मिक युद्ध की गुजांईश ——— है।

⊡ प्रत्येक ———।

⊡ प्रत्येक जाति।

⊡ प्रत्येक देश ।

⊡ प्रत्येक गोत्र ।

⊡ प्रत्येक ———।

इस आत्मिक युद्ध में शामिल होना ———————— है।

⊡ यह युद्ध लगातार चलता है।

⊡ यह युद्ध खुँखार होता है।

⊡ आत्मिक आश्रय केवल आत्मिक ————की ओर अगुवाई करता है।

इस आत्मिक युद्ध का ईनाम ———————— है।

⊡ इस संसार का परमेश्वर चाहता है कि ————————————।

प्रभु अपनी प्रतिज्ञा के विषय में देर नहीं करता, जैसी देर कितने लोग समझते हैं; पर तुम्हारे विषय में धीरज धरता है, और नहीं चाहता, कि कोई नाश हो; बरन यह कि सब को मन फिराव का अवसर मिले। 2पतरस 3:9

⊡ परन्तु इस संसार का ईश्वर चाहता है कि सारे लोग ————————।

और मृत्यु और अधोलोक भी आग की झील में डाले गए; यह आग की झील तो दूसरी मृत्यु है। और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग की झील में डाला गया।। प्रकाशितवाक्य 20:14–15

इस युद्ध का परिणाम ———————— है।

⊡ शैतान को हरा दिया गया है।

और मै तेरे और इस स्त्री के बीच में, और तेरे वंश और इसके वंश के बीच में बैर उत्पन्न करुंगा, वह तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू ——————————को डसेगा।

——————— 3:15

और उस ने प्रधानताओं और अधिकारों को अपने ऊपर से उतार कर उन का खुल्लमखुल्ला तमाशा बनाया और क्रूस के कारण उन पर जय–जय–कार की ध्वनि सुनाई ।।

कुलुस्सियों 2:15

शैतान नाश किया ————————।

और उन का भरमानेवाला शैतान आग और गन्धक की उस झील में, जिस में वह पशु और झूठा भविष्यद्वक्ता भी होगा, डाल दिया जाएगा, और वे रात दिन युगानुयुग पीड़ा में तड़पते रहेंगे।।

प्रकाशितवाक्य 20:10

⊡ अत हम इस लड़ाई को जीतने के लिए नहीं लड़ते ;बल्कि हम विजय में होकर लड़ते है।

हे बालको, तुम परमेश्वर के हो: और तुम ने उन पर जय पाई है; क्योंकि जो तुम में है, वह उस से जो संसार में है, बड़ा है। 1यूहन्ना 4:4

क्योंकि जो कुछ परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, वह संसार पर जय प्राप्त करता है, और वह विजय जिस से संसार पर जय प्राप्त होती है हमारा विश्वास है। संसार पर जय पानेवाला कौन है?केवल वह जिस का विश्वास है, कि यीशु, परमेश्वर का पुत्रा है।

1यूहन्ना 5:4–5

स्वर्गदूत

- स्वर्गदूत क्या है?
- स्वर्गदूत बिना देह के आत्मिक सृष्टि हैं।
- स्वर्गदूतों का जिर्क अनेको बार किया गया है।
- पुराने नियम में इनका जिर्क 108 बार है।
- नये नियम में इनका जिर्क 165 बार हुआ हैं
- स्वर्गदूतों के अनेकों नाम है।

जो पवनों को अपने **दूत,** और धधकती आग को अपने टहलुए बनाता है।

भजन 104:4

एक दिन यहोवा परमेश्वर के पुत्र उसके साम्हने उपस्थित हुए, और उनके बीच शैतान भी आया।

अय्यूब 1:6

हे यहोवा, स्वर्ग में तेरे अद्भुत काम की, और पवित्राों की सभा में तेरी सच्चाई की प्रशंसा होगी। क्योंकि आकाशमण्डल में यहोवा के तुल्य कौन ठहरेगा? बलवन्तों के पुत्रों में से कौन है जिसके साथ यहोवा की उपमा दी जाएगी? ईश्वर पवित्राों की गोष्ठी में अत्यन्त प्रतिष्ठा के योग्य, और अपने चारों ओर सब रहनेवालों से अधिक भययोग्य है।

भजन 89:5–7

मैं ने पलंग पर दर्शन पाते समय क्या देखा, कि एक पवित्र पहरूआ स्वर्ग से उतर आया।

दानिय्येल 4:13

यह आज्ञा पहरूओं के निर्णय से, और यह बात पवित्रा लोगों के वचन से निकली, कि जो जीवित हैं वे जान लें कि परमप्रधान परमेश्वर मनुष्यों के राज्य में प्रभुता करता है, और उसको जिसे चाहे उसे दे देता है, और वह छोटे से छोटे मनुष्य को भी उस पर नियुक्त कर देता है।

दानिय्येल 4:17

और हे राजा, तू ने जो एक पवित्रा पहिरूए को स्वर्ग से उतरते और यह कहते देखा कि वृक्ष को काट डालो और उसका नाश करो, तौभी उसके ठूंठ को जड़ समेत भूमि में छोड़ो, और उसको लोहे और पीतल के बन्धन से बान्धकर मैदान की हरी घास के बीच में रहने दो; वह आकाश की ओस से भीगा करे, और उसको मैदान के पशुओं के संग ही भाग मिले; और जब तक सात युग उस पर बीत न चुकें, तब तक उसकी ऐसी ही दशा रहे।

दानिय्येल 4:23

⊡ स्वर्गदूत आत्मिक सृष्टि है

क्या वे सब सेवा टहल करनेवाली आत्माएं नहीं; जो उद्धार पानेवालों के लिये सेवा करने को भेजी जाती हैं? इब्रानियों 1:1

⊡ स्वर्गदूत ––––– गये हैं।

याह की स्तुति करो! यहोवा की स्तुति स्वर्ग में से करो, उसकी स्तुति ऊंचे स्थानों में करो! हे उसके सब दूतों, उसकी स्तुति करोः हे उसकी सब सेना उसकी स्तुति कर! हे सूर्य और चन्द्रमा उसकी स्तुति करो, हे सब ज्योतिमय तारागण उसकी स्तुति करो! हे सब से ऊंचे आकाश, और हे आकाश के ऊपरवाले जल, तुम दोनों उसकी स्तुति करो। वे यहोवा के नाम की स्तुति करें, क्योंकि उसी ने आज्ञा दी और ये सिरजे गए।

भजन संहिता 148:1–5

⊡ स्वर्गदूत नीजि आत्मिक सृष्टि हैं।

★ उनके पास नैतिक क्षमताएं हैं।

क्योंकि जब परमेश्वर ने उन स्वर्गदूतों को जिन्हों ने पाप किया नहीं छोड़ा, पर नरक में भेजकर अन्धेरे कुंडों में डाल दिया, ताकि न्याय के दिन तक बन्दी रहें।

2 पतरस 2:4

★ उनके पास बुद्धि है

उन पर यह प्रगट किया गया, कि वे अपनी नहीं बरन तुम्हारी सेवा के लिये ये बातें कहा करते थे, जिन का समाचार अब तुम्हें उन के द्वारा मिला जिन्हों ने पवित्रा आत्मा के द्वारा जो स्वर्ग से भेजा गयाः तुम्हें सुसमाचार सुनाया, और इन बातों को स्वर्गदूत भी ध्यान से देखने की लालसा रखते हैं।। 1पतरस 1:12

★ उनके पास ––––– है।

वह दुष्टों को जिलाए नहीं रखता, और दीनों को उनका हक देता है।7 वह धर्मियों से अपनी आंखें नहीं फेरता, वरन उनको राजाओं के संग सदा के लिये सिंहासन पर बैठाता है, और वे ऊंचे पद को प्राप्त करते हैं। अय्यूब 38:6–7

मैं तुम से कहता हूं; कि इसी रीति से एक मन फिरानेवाले पापी के विषय में परमेश्वर के स्वर्गदूतों के साम्हने आनन्द होता है।। लूका 15:10

★ स्वर्गदूत ––––– आत्मिक सृष्टि है।

हे यहोवा के दूतों, तुम जो बड़े वीर हो, और उसके वचन के मानने से उसको पूरा करते हो उसको धन्य कहो! भजन संहिता 103:20

⊡ स्वर्गदूत सीमित आत्मिक सृष्टि हैं।

★ वे ––––– में सीमित है।

छठवें महीने में परमेश्वर की ओर से जिब्राईल स्वर्गदूत गलील के नासरत नगर में एक कुंवारी के पास भेजा गया। जिस की मंगनी यूसुफ नाम दाऊद के घराने के एक पुरूष से हुई थीः उस कुंवारी का नाम मरियम था।

लूका 1:26–27

⊡ वे ————————सीमित हैं।

उस दिन या उस घड़ी के विषय में कोई नहीं जानता, न स्वर्ग के दूत और न पुत्रा; परन्तु केवल पिता। मरकुस 13:32

⊡ स्वर्गदूत ——— होते हैं।

यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, कि तुम पवित्र शास्त्र और परमेश्वर की सामर्थ नहीं जानते; इस कारण भूल में पड़ गए हो। क्योंकि जी उठने पर ब्याह शादी न होगी; परन्तु वे स्वर्ग में परमेश्वर के दूतों की नाई होंगे। परन्तु मरे हुओं के जी उठने के विषय में क्या तुम ने यह वचन नहीं पढ़ा जो परमेश्वर ने तुम से कहा। कि मैं इब्राहीम का परमेश्वर, और इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर हूं? वह तो मरे हुओं का नहीं, परन्तु जीवतों का परमेश्वर है।

मत्ती 22:29—32

⊡ स्वर्गदूत अनश्वर आत्मिक सृष्टि होते हैं।

यीशु ने उन से कहा; कि इस युग के सन्तानों में तो ब्याह शादी होती है। पर जो लोग इस योग्य ठहरेंगे, कि उस युग को और मरे हुओं में से जी उठना प्राप्त करें, उन में ब्याह शादी न होगी। वे फिर मरने के भी नहीं; क्योंकि वे स्वर्गदूतों के समान होंगे, और जी उठने के सन्तान होने से परमेश्वर के भी सन्तान होंगे।

लूका 20:34—36

⊡ स्वर्गदूत प्रतिभाशाली होते हैं।

⊡ वे ——— रूप में प्रगट हो सकते हैं।

कि प्रभु का एक स्वर्गदूत धूप की वेदी की दहिनी ओर खड़ा हुआ उस को दिखाई दिया। और जकरयाह देखकर घबराया और उस पर बड़ा भय छा गया। परन्तु स्वर्गदूत ने उस से कहा, हे जकरयाह, भयभीत न हो क्योंकि तेरी प्रार्थना सुन ली गई है और तेरी पत्नी इलीशिबा से तेरे लिये एक पुत्रा उत्पन्न होगा, और तू उसका नाम यूहन्ना रखना।

लूका 1:11—13

⊡ वे ——— और दर्शनों में प्रगट हो सकते हैं।

जब वह इन बातों के सोच ही में था तो प्रभु का स्वर्गदूत उसे स्वप्न में दिखाई देकर कहने लगा; हे यूसुफ दाऊद की सन्तान, तू अपनी पत्नी मरियम को अपने यहां ले आने से मत डर; क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्रा आत्मा की ओर से है।

मत्ती 1:20

⊡ वे अन्य रूपों में भी प्रकट हो सकते हैं।

तब मैं ने आंखें उठाकर देखा, कि सन का वस्त्रा पहिने हुए, और ऊफाज देश के कुन्दन से कमर बान्धे हुए एक पुरूष खड़ा है। उसका शरीर फीरोजा के समान, उसका मुख बिजली की नाईं, उसकी आंखें जलते हुए दीपक की सी, उसकी बाहें और पांव चमकाए हुए पीतल के से, और उसके वचनों के शब्द भीड़ों के शब्द का सा था।

दानिय्येल 10:5—6

और देखो एक बड़ा भुईंडोल हुआ, क्योंकि प्रभु का एक दूत स्वर्ग से उतरा, और पास आकर उसने पत्थर को लुढ़का दिया, और उस पर बैठ गया। उसका रूप बिजली का सा और उसका वस्त्रा पाले की नाई उज्ज्वल था। उसके भय से पहरूए कांप उठे, और मृतक समान हो गए।

मत्ती 28:2–4

और उस सिंहासन के साम्हने मानो बिल्लौर के समान कांच का सा समुद्र है, और सिंहासन के बीच में और सिंहासन के चारों ओर चार प्राणी है, जिन के आगे पीछे आंखे ही आंखे हैं। पहिला प्राणी सिंह के समान है, और दूसरा प्राणी बछड़े के समान है, तीसरे प्राणी का मुंह मनुष्य का सा है, और चौथा प्राणी उड़ते हुए उकाब के समान है। और चारों प्राणियों के छः छः पंख हैं, और चारों ओर, और भीतर आंखे ही आंखे हैं; और वे रात दिन बिना विश्राम लिए यह कहते रहते हैं, कि पवित्रा, पवित्रा, पवित्रा प्रभु परमेश्वर, सर्वशक्तिमान, जो था, और जो है, और जो आनेवाला है।

प्रकाशितवाक्य 4:6–8

स्वर्गदूतों को कब बनाया गया था?

⊡ निश्चय ही उन्हे सृष्टि रचना के ––––दिन से पहले बनाया गया था।

यों आकाश और पृथ्वी और उनकी सारी सेना का बनाना समाप्त हो गया।

उत्पत्ति 2:1

क्योंकि छः दिन में यहोवा ने आकाश, और पृथ्वी, और समुद्र, और जो कुछ उन में है, सब को बनाया, और सातवें दिन विश्राम किया; इस कारण यहोवा ने विश्रामदिन को आशीष दी और उसको पवित्रा ठहराया।। निर्गमन 20:11

⊡ शायद सृष्टि रचना के पहले दिन ।

आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की। और पृथ्वी बेडौल और सुनसान पड़ी थी; और गहरे जल के ऊपर अन्धियारा थाः तथा परमेश्वर का आत्मा जल के ऊपर मंडलाता था।

उत्पत्ति 1:1–2

उसकी नेव कौन सी वस्तु पर रखी गई, वा किस ने उसके कोने का पत्थर लिठाया, जब कि भोर के तारे एक संग आनन्द से गाते थे और परमेश्वर के सब पुत्रा जयजयकार करते थे?

अय्यूब 38:6–7

कितने स्वर्गदूत है?

⊡ अनगिनत ....

तब एकाएक उस स्वर्गदूत के साथ स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते दिखाई दिया। कि आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है शान्ति हो।। जब स्वर्गदूत उन के पास से स्वर्ग को चले गए, तो गड़ेरियों ने आपस में कहा, आओ, हम बैतलहम जाकर यह बात जो हुई है, और जिसे प्रभु ने हमें बताया है, देखें।

लूका 2:13–15

सेना.....

क्या तू नहीं समझता, कि मैं अपने पिता से बिनती कर सकता हूं, और वह स्वर्गदूतों की बारह पलटन से अधिक मेरे पास अभी उपस्थित कर देगा?

मत्ती 26:53

⊡ असंख्य....

और जब मै ने देखा, तो उस सिंहासन और उन प्राणियों और उन प्राचीनों की चारों ओर बहुत से स्वर्गदूतों का शब्द सुना, जिन की गिनती लाखों और करोड़ों की थी।

प्रकाशितवाक्य 5:11

⊡ अत्यधिक मात्रा

उस प्राचीन के सम्मुख से आग की धारा निकलकर बह रही थी; फिर हजारों हजार लोग उसकी सेवा टहल कर रहे थे, और लाखों लाख लोग उसके साम्हने हाजिर थे; फिर न्यायी बैठ गए, और पुस्तकें खोली गईं।

दानिय्येल 7:10

आकाशगण के तारों के समान?

★ सम्भवतः

और एक और चिन्ह स्वर्ग पर दिखाई दिया, और देखो; एक बड़ा लाल अजगर था जिस के सात सिर और दस सींग थे, और उसके सिरों पर सात राजमुकुट थे।और उस की पूंछ ने आकाश के तारों की एक तिहाई को खींचकर पृथ्वी पर डाल दिया, और वह अजगर उस स्त्री से साम्हने जो जच्चा थी, खड़ा हुआ, कि जब वह बच्चा जने तो उसके बच्चे को निगल जाए।

प्रकाशितवाक्य 12:3–4

⊡ हम में से प्रत्येक जन की ––––– करने के लिए स्वर्गदूत?

★ यह जरूरी नहीं है.....

काना होकर जीवन में प्रवेश करना तेरे लिये इस से भला है, कि दो आंख रहते हुए तू नरक की आग में डाला जाए। देखो, तुम इन छोटों में से किसी को तुच्छ न जानना; क्योंकि मैं तुम से कहता हूं, कि स्वर्ग में उन के दूत मेरे स्वर्गीय पिता का मुंह सदा देखते हैं।

मत्ती 18:10–11

स्वगदूतों को किस प्रकार से नियोजित किया जाता है?

⊡ करूब...

★ स्वर्गदूतों का सर्वोच्च पद या उपाधि

★ परमेश्वर की महिमा की उदधोषणा और सुरक्षा कर रहे हैं।

इसलिये आदम को उस ने निकाल दिया और जीवन के वृक्ष के मार्ग का पहरा देने के लिये अदन की बाटिका के पूर्व की ओर करुबों को, और चारों ओर घूमनेवाली ज्वालामय तलवार को भी नियुक्त कर दिया।।

उत्पत्ति 3:24

और प्रायश्चित्त के ढकने को सन्दूक के ऊपर लगवाना; और जो साक्षीपत्रा मैं तुझे दूंगा उसे सन्दूक के भीतर रखना।और मैं उसके ऊपर रहकर तुझ से मिला करूंगा; और इस्त्राएलियों के लिये जितनी आज्ञाएं मुझ को तुझे देनी होंगी, उन सभों के विषय मैं प्रायश्चित्त के ढकने के ऊपर से और उन करूबों के बीच में से, जो साक्षीपत्रा के सन्दूक पर होंगे, तुझ से वार्तालाप किया करूंगा।।

निर्गमन 25:21–22

और वह करूब पर सवार होकर उड़ा, वरन पवन के पंखों पर सवारी करके वेग से उड़ा।

भजन संहिता 18:10

- साराप...
- ★ वास्तव में परमेश्वर की महिमा से ––––– ।
- ★ लगातार परमेश्वर की अराधना करते रहते हैं।

उस से ऊंचे पर साराप दिखाई दिए; उनके छः छः पंख थे; दो पंखों से वे अपने मुंह को ढांपे थे और दो से अपने पांवों को, और दो से उड़ रहे थे। उस से ऊंचे पर साराप दिखाई दिए; उनके छः छः पंख थे; दो पंखों से वे अपने मुंह को ढांपे थे और दो से अपने पांवों को, और दो से उड़ रहे थे। और पुकारनेवाले के शब्द से डेवढ़ियों की नेवें डोल उठीं, और भवन धूंए से भर गया।

यशायाह 6:2–4

- सजीव सृष्टि
- ★ परमेश्वर की सृष्टि का सामर्थी प्रतिनिधित्व।

और उस सिंहासन के साम्हने मानो बिल्लौर के समान कांच का सा समुद्र है, और सिंहासन के बीच में और सिंहासन के चारों ओर चार प्राणी है, जिन के आगे पीछे आंखे ही आंखे हैं। पहिला प्राणी सिंह के समान है, और दूसरा प्राणी बछड़े के समान है, तीसरे प्राणी का मुंह मनुष्य का सा है, और चौथा प्राणी उड़ते हुए उकाब के समान है। और चारों प्राणियों के छः छः पंख हैं, और चारों ओर, और भीतर आंखे ही आंखे हैं; और वे रात दिन बिना विश्राम लिए यह कहते रहते हैं, कि पवित्रा, पवित्रा, पवित्रा प्रभु परमेश्वर, सर्वशक्तिमान, जो था, और जो है, और जो आनेवाला है।

प्रकाशितवाक्य 4:6–8

- प्रधान दूत ––––––

फारस के राज्य का प्रधान इक्कीस दिन तक मेरा साम्हना किए रहा; परन्तु मीकाएल जो मुख्य प्रधानों में से है, वह मेरी सहायता के लिये आया, इसलिये मैं फारस के राजाओं के पास रहा,

दानिय्येल 10:13

परन्तु प्रधान स्वर्गदूत मीकाईल ने, जब शैतान से मूसा की लोथ के विषय में वाद–विवाद करता था, तो उस को बुरा भला कहके दोष लगाने का साहस न किया; पर यह कहा, कि प्रभु तुझे डांटे।

यहूदा 9

- –––––– परमेश्वर का संदेशवाहक

तब मुझे ऊलै नदी के बीच से एक मनुष्य का शब्द सुन पड़ा, जो पुकारकर कहता था, हे जिब्राएल, उस जन को उसकी देखी हुई बातें समझा दे।

दानिय्येल 8:16

छठवें महीने में परमेश्वर की ओर से जिब्राईल स्वर्गदूत गलील के नासरत नगर में एक कुंवारी के पास भेजा गया।जिस की मंगनी यूसुफ नाम दाऊद के घराने के एक पुरूष से हुई थीः उस कुंवारी का नाम मरियम था।

लूका 1:26–27

पवित्र स्वर्गदूत....

जो कोई इस व्यभिचारी और पापी जाति के बीच मुझ से और मेरी बातों से लजाएगा, मनुष्य का पुत्रा भी जब वह पवित्रा दूतों के साथ अपने पिता की महिमा सहित आएगा, तब उस से भी लजाएगा। मरकुस 8:38

परमेश्वर, और मसीह यीशु, और चुने हुए स्वर्गदूतों को उपस्थित जानकर मैं तुझे चितौनी देता हूं कि तू मन खोलकर इन बातों को माना कर, और कोई काम पक्षपात से न कर।

1तीमुथियुस 5:21

बुरे स्वर्गदूत.....

इस के बाद वह नगर नगर और गांव गांव प्रचार करता हुआ, और परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार सुनाता हुआ, फिरने लगा। और वे बारह उसके साथ थेः और कितनी स्त्रियां भी जो दुष्टात्माओं से और बीमारियों से छुड़ाई गई थीं, और वे यह हैं, मरियम जो मगदलीनी कहलाती थी, जिस में से सात दुष्टात्माएं निकली थीं।

लूका 8:1–2

⊡ परमेश्वर के स्वर्गदूत के बारे में क्या ?

यहोवा के दूत ने उस से कहा, अपनी स्वामिनी के पास लौट जा और उसके वश में रह। और यहोवा के दूत ने उस से कहा, मैं तेरे वंश को बहुत बढ़ाऊंगा, यहां तक कि बहुतायत के कारण उसकी गणना न हो सकेगी। और यहोवा के दूत ने उस से कहा, देख तू गर्भवती है, और पुत्रा जनेगी, सो उसका नाम इश्माएल रखना; क्योंकि यहोवा ने तेरे दुःख का हाल सुन लिया है। और वह मनुष्य बनैले गदहे के समान होगा उसका हाथ सबके विरूद्ध उठेगा, और सब के हाथ उसके विरूद्ध उठेंगे; और वह अपने सब भाई बन्धुओं के मध्य में बसा रहेगा। तब उस ने यहोवा का नाम जिस ने उस से बातें की थीं, अत्ताएलरोई रखकर कहा कि, कया मैं यहां भी उसको जाते हुए देखने पाई जो मेरा देखनेहारा है ? इस कारण उस कुएं का नाम लहैरोई कुआं पड़ा; वह तो कादेश और बेरेद के बीच में है।

उत्पत्ति 16:9–14

★ कई बार उसे परमेश्वर करके ———— किया गया।

भेड़–बकरियों के गाभिन होने के समय मैं ने स्वप्न में क्या देखा, कि जो बकरे बकरियों पर चढ़ रहे हैं, सो धारीवाले, चित्तीवाले, और धब्बेवाले है। और परमेश्वर के दूत ने स्वप्न में मुझ से कहा, हे याकूब : मैं ने कहा, क्या आज्ञा। उस ने कहा, आंखे उठाकर उन सब बकरों को, जो बकरियों पर चढ़ रहे हैं, देख, कि वे धारीवाले, चित्तीवाले, और धब्बेवाले हैं; क्योंकि जो कुछ लाबान तुझ से करता है, सो मैं ने देखा है। मैं उस बेतेल का ईश्वर हूं, जहां तू ने एक खम्भे पर तेल डाल दिया, और मेरी मन्नत मानी थी : अब चल, इस देश से निकलकर अपनी जन्मभूमि को लौट जा।

उत्पत्ति 31:10–13

⊡ कई बार परमेश्वर से फरक नजर आता है

तब यहोवा इस्राएलियों में बिहान से ले ठहराए हुए समय तक मरी फैलाए रहा; और दान से लेकर बेरशेबा तक रहनेवाली प्रजा में से सत्तर हज़ार पुरुष मर गए। परन्तु जब दूत ने यरूशलेम का नाश करने को उस पर अपना हाथ बढ़ाया, तब यहोवा वह विपत्ति डालकर शोकित हुआ, और प्रजा के नाश करनेवाले दूत से कहा, बस कर; अब अपना हाथ खींच। और यहोवा का दूत उस समय अरौना नाम एक यबूसी के खलिहान के पास था।

2शमूएल 24:15–16

स्वर्गदूत क्या करते हैं?

⊡ स्वर्गदूत परमेश्वर के नाम की ––––– करते हैं?

हे उसके सब दूतों, उसकी स्तुति करोः हे उसकी सब सेना उसकी स्तुति कर!

भजन 148:2

★ वे परमेश्वर की महानता के लिए उसकी महिमा करते है।

उस से ऊंचे पर सारप दिखाई दिए; उनके छः छः पंख थे; दो पंखों से वे अपने मुंह को ढांपे थे और दो से अपने पांवों को, और दो से उड़ रहे थे।और वे एक दूसरे से पुकार पुकारकर कह रहे थेः सेनाओं का यहोवा पवित्र, पवित्र, पवित्र है; सारी पृथ्वी उसके तेज से भरपूर है।

यशायाह 6:2–3

⊡ वे परमेश्वर की भलाई के लिए उसकी महिमा करते है।

तब एकाएक उस स्वर्गदूत के साथ स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते दिखाई दिया। कि आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है शान्ति हो।।

लूका 2:13–14

⊡ स्वर्गदूत परमेश्वर की इच्छा का आज्ञापालन करते हैं।

यहोवा ने तो अपना सिंहासन स्वर्ग में स्थिर किया है, और उसका राज्य पूरी सृष्टि पर है।हे यहोवा के दूतों, तुम जो बड़े वीर हो, और उसके वचन के मानने से उसको पूरा करते हो उसको धन्य कहो!हे यहोवा की सारी सेनाओं, हे उसके टहलुओं, तुम जो उसकी इच्छा पूरी करते हो, उसको धन्य कहो! हे यहोवा की सारी सृष्टि, उसके राज्य के सब स्थानों में उसको धन्य कहो। हे मेरे मन, तू यहोवा को धन्य कह!

भजन संहिता 103:19–22

⊡ स्वर्गदूत परमेश्वर की योजना को लेकर चलते हैं।

★ वे परमेश्वर के ––––– को प्रत्यक्ष में लाते हैं।

तब यहोवा इस्राएलियों में बिहान से ले ठहराए हुए समय तक मरी फैलाए रहा; और दान से लेकर बेश बा तक रहनेवाली प्रजा में से सत्तर हज़ार पुरुष मर गए। परन्तु जब दूत ने यरूशलेम का नाश करने को उस पर अपना हाथ बढ़ाया, तब यहोवा वह विपत्ति डालकर शोकित हुआ, और प्रजा के नाश करनेवाले दूत से कहा, बस कर; अब अपना हाथ खींच। और यहोवा का दूत उस समय अरौना नाम एक यबूसी के खलिहान के पास था।

2शमूएल 14:15–16

उसी रात में क्या हुआ, कि यहोवा के दूत ने निकलकर अश्शूरियों की छावनी में एक लाख पचासी हजार पुरुषों को मारा, और भोर को जब लोग सबेरे उठे, तब देखा, कि लोथ ही लोथ पड़ी है। तब अश्शूर का राजा सन्हेरीब चल दिया, और लौटकर नीनवे में रहने लगा।

2राजा 19:35–36

★ वे परमेश्वर के प्रतिनिधी के रूप में सेवा करते हैं।

तब मैं ने कहा, हे मेरे प्रभु ये कौन हैं? तब जो दूत मुझ से बातें करता था, उस ने मुझ से कहा, मैं तुझे बताऊंगा कि ये कौन हैं। फिर जो पुरूष मेंहदियों के बीच खड़ा था, उस ने कहा, यह वे हैं जिन को यहोवा ने पृथ्वी पर सैर अर्थात् धूमने के लिये भेजा है।तब उन्हों ने यहोवा के उस दूत से जो मेंहदियों के बीच खड़ा था, कहा, हम ने पृथ्वी पर सैर किया है, और क्या देखा कि सारी पृथ्वी में शान्ति और चैन है।

जर्कयाह 1:9–11

★ वे परमेश्वर के कामों को पूरा करते हैं।

और देखो एक बड़ा भुईंडोल हुआ, क्योंकि प्रभु का एक दूत स्वर्ग से उतरा, और पास आकर उसने पत्थर को लुढ़का दिया, और उस पर बैठ गया।

मत्ती 28:2

★ वे परमेश्वर की सृष्टि को प्रभावित करते हैं।

फिर मैं ने एक और स्वर्गदूत को जीवते परमेश्वर की मुहर लिए हुए पूरब से ऊपर की ओर आते देखा; उस ने उन चारों स्वर्गदूतों से जिन्हें पृथ्वी और समुद्र की हानि करने का अधिकार दिया गया था, ऊंचे शब्द से पुकारकर कहा। जब तक हम अपने परमेश्वर के दासों के माथे पर मुहर न लगा दें, तब तक पृथ्वी और समुद्र और पेड़ों को हानि न पहुंचाना।

प्रकाशितवाक्य 7:2–3

★ वे मसीह के दूसरे आगमन की घोषणा करेगें।

क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा, और परमेश्वर की तुरही फूंकी जाएगी, और जो मसीह में मरे हैं, वे पहिले जी उठेंगे। तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उन के साथ बादलों पर उठा लिए जाएंगे, कि हवा में प्रभु से मिलें, और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे।सो इन बातों से एक दूसरे को शान्ति दिया करो।।

1थिस्लुनिकियों 4:16–18

⊡ स्वर्गदूत हमसे किस प्रकार सम्बन्ध रखते है?

★ वे हमसे अलग हैं। ?

★ हम परमेश्वर के स्वरूप को प्रकट करते हैं।

फिर परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं; और वे समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और घरेलू पशुओं, और सारी पृथ्वी पर, और सब रेंगनेवाले जन्तुओं पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, अधिकार रखें।तब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया, अपने ही स्वरूप के अनुसार परमेश्वर ने उसको उत्पन्न किया, नर और नारी करके उस ने मनुष्यों की सृष्टि की।

उत्पत्ति 1:26–27

जो कोई मनुष्य का लोहू बहाएगा उसका लोहू मनुष्य ही से बहाया जाएगा क्योंकि परमेश्वर ने मनुष्य को अपने ही स्वरूप के अनुसार बनाया है। उत्पत्ति 9:6

★ हम पुनःउत्पादित कर सकते है।

जब आदम एक सौ तीस वर्ष का हुआ, तब उसके द्वारा उसकी समानता में उस ही के स्वरूप के अनुसार एक पुत्रा उत्पन्न हुआ उसका नाम शेत रखा।
उत्पत्ती 5:3

★ हम ———–प्राप्त कर सकते हैं।

इसलिये जब कि लड़के मांस और लोहू के भागी हैं, तो वह आप भी उन के समान उन का सहभागी हो गया; ताकि मृत्यु के द्वारा उसे जिसे मृत्यु पर शक्ति मिली थी, अर्थात् शैतान को निकम्मा कर दे। और जितने मृत्यु के भय के मारे जीवन भर दासत्व में फंसे थे, उन्हें छुड़ा ले। क्योंकि वह तो स्वर्गदूतों को नहीं बरन इब्राहीम के वंश को संभालता है।

इब्रानियों 2:14–16

क्योंकि जब परमेश्वर ने उन स्वर्गदूतों को जिन्हों ने पाप किया नहीं छोड़ा, पर नरक में भेजकर अन्धेरे कुंडों में डाल दिया, ताकि न्याय के दिन तक बन्दी रहें।

2पतरस 2:4

फिर जो स्र्वगदूतों ने अपने पद को स्थिर न रखा वरन अपने निज निवास को छोड़ दिया, उस ने उन को भी उस भीषण दिन के न्याय के लिये अन्धकार में जो सदा काल के लिये है बन्धनों में रखा है। यहूदा 6

★ हम एक दिन राज्य करेंगे।

क्या तुम नहीं जानते, कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे? तो क्या सांसारिक बातों का निर्णय न करें? 1कुरिन्थ 6:3

क्या वे सब सेवा टहल करनेवाली आत्माएं नहीं; जो उद्धार पानेवालों के लिये सेवा करने को भेजी जाती हैं?इब्रानियों 1:14

★ वे सब हमें घेरे हुए है।

★ वे ———–— में हमारे साथ मिल जाते हैं।

पर तुम सिय्योन के पहाड़ के पास, और जीवते परमेश्वर के नगर स्वर्गीय यरूशलेम के पास। और लाखों स्वर्गदूतों और उन पहिलौठों की साधारण सभा और कलीसिया जिन के नाम स्वर्ग में लिखे हुए हैंः और सब के न्यायी परमेश्वर के पास, और सिद्ध किए हुए धर्मियों की आत्माओं। और नई वाचा के मध्यस्थ यीशु, और छिड़काव के उस लोहू के पास आए हो, जो हाबिल के लोहू से उत्तम बातें कहता है।

इब्रानियों 12:22–24

- वे हमारी आज्ञाकारिता को देखते हैं

परमेश्वर, और मसीह यीशु, और चुने हुए स्वर्गदूतों को उपस्थित जानकर मैं तुझे चितौनी देता हूं कि तू मन खोलकर इन बातों को माना कर, और कोई काम पक्षपात से न कर।

1 तीमुथियुस 5:21

मेरी समझ में परमेश्वर ने हम प्रेरितों को सब के बाद उन लोगों की नाई ठहराया है, जिन की मृत्यु की आज्ञा हो चुकी हो; क्योंकि हम जगत और स्वर्गदूतों और मनुष्यों के लिये तमाशा ठहरे हैं। हम मसीह के लिये मूर्ख है; परन्तु तुम मसीह में बुद्धिमान होः हम निर्बल हैं परन्तु तुम बलवान होः तुम आदर पाते हो, परन्तु हम निरादर होते हैं।

1 कुरिन्थ 4:9—10

- वे परमेश्वर की ———— को कार्यान्वित करते हैं

तब दानिय्येल ने राजा से कहा, हे राजा, तू युगयुग जीवित रहे! मेरे परमेश्वर ने अपना दूत भेजकर सिंहों के मुंह को ऐसा बन्द कर रखा कि उन्हों ने मेरी कुछ भी हानि नहीं की; इसका कारण यह है, कि मैं उसके साम्हने निर्दोष पाया गया; और हे राजा, तेरे सम्मुख भी मैं ने कोई भूल नहीं की। तब राजा ने बहुत आनन्दित होकर, दानिय्येल को गड़हे में से निकालने की आज्ञा दी। सो दानिय्येल गड़हे में से निकाला गया, और उस पर हानि का कोई चिन्ह न पाया गया, क्योंकि वह अपने परमेश्वर पर विश्वास रखता था।

दानिय्येल 6:21—23

क्योंकि वह अपने दूतों को तेरे निमित्त आज्ञा देगा, कि जहां कहीं तू जाए वे तेरी रक्षा करें। वे तुझ को हाथों हाथ उठा लेंगे, ऐसा न हो कि तेरे पांवों में पत्थर से ठेस लगे।

भजन संहिता 91:11—12

- वे परमेश्वर की योजनाओं को प्रदान करते हैं

उस ने दिन के तीसरे पहर के निकट दर्शन में स्पष्ट रूप से देखा, कि परमेश्वर का एक स्वर्गदूत मेरे पास भीतर आकर कहता है; कि हे कुरनेलियुस। उस ने उसे ध्यान से देखा; और डरकर कहा; हे प्रभु क्या है? उस ने उस से कहा, तेरी प्रार्थनाएं और तेरे दान स्मरण के लिये परमेश्वर के साम्हने पहुंचे हैं।और अब याफा में मनुष्य भेजकर शमौन को, जो पतरस कहलाता है, बुलवा ले। वह शमौन चमड़े के धन्धा करनेवाले के यहां पाहुन है, जिस का घर समुद्र के किनारे हैं।

प्रेरितो के काम 10:3—6

क्योंकि परमेश्वर जिस का मैं हूं, और जिस की सेवा करता हूं, उसके स्वर्गदूत ने आज रात मेरे पास आकर कहा। हे पौलुस, मत डर; तुझे कैसर के साम्हने खड़ा होना अवश्य हैः और देख, परमेश्वर ने सब को जो तेरे साथ यात्राा करते हैं, तुझे दिया है। इसलिये, हे सज्जनों ढाढ़स बान्धों; क्योंकि मैं परमेश्वर की प्रतीति करता हूं, कि जैसा मुझ से कहा गया है, वैसा ही होगा। परन्तु हमें किसी टापू पर जा टिकना होगा।।

प्रेरितों के काम 27:23—26

- वे परमेश्वर को ——————— देते हैं

5 वह झाऊ के पेड़ तले लेटकर सो गया और देखो एक दूत ने उसे छूकर कहा, उठकर खा।6 उस ने दृष्टि करके क्या देखा कि मेरे सिरहाने पत्थरों पर पकी हुई एक रोटी, और एक सुराही पानी धरा है; तब उस ने खाया और पिया और फिर लेट गया।7 दूसरी बार यहोवा का दूत आया और उसे छूकर कहा, उठकर खा, क्योंकि तुझे बहुत भारी यात्राा करनी है।8 तब उस ने उठकर खाया पिया; और उसी भोजन से बल पाकर चालीस दिन रात चलते चलते परमेश्वर के पर्वत होरेब को पहुंचा।

1राजा 19:5—8

वे परमेश्वर के लोगों की सेवा करते हैं।

तब शैतान उसके पास से चला गया, और देखो, स्वर्गदूत आकर उस की सेवा करने लगे।। मत्ती 4:11

- वे परमेश्वर के ——————— को लाते हैं।

तब महायाजक और उसके सब साथी जो सदूकियों के पंथ के थे, डाह से भर कर उठे। और प्रेरितों को पकड़कर बन्दीगृह में बन्द कर दिया।परन्तु रात को प्रभु के एक स्वर्गदूत ने बन्दीगृह के द्वार खोलकर उन्हें बाहर लाकर कहा। कि जाओ, मन्दिर में खड़े होकर, इस जीवन की सब बातें लोगों को सुनाओ।

प्रेरितों के काम 5:17—20

और जब हेरोदेस उसे उन के साम्हने लाने को था, तो उसी रात पतरस दो जंजीरों से बन्धा हुआ, दो सिपाहियों के बीच में सो रहा थाः और पहरूए द्वार पर बन्दीगृह की रखवाली कर रहे थे। तो देखो, प्रभु का एक स्वर्गदूत आ खड़ा हुआः और उस कोठरी में ज्योति चमकीः और उस ने पतरस की पसली पर हाथ मार के उसे जगाया, और कहा; उठ, फुरती कर, और उसके हाथ से जंजीरें खुलकर गिर पड़ीं।तब स्वर्गदूत ने उस से कहा; कमर बान्ध, और अपने जूते पहिन लेः उस ने वैसा ही किया, फिर उस ने उस से कहा; अपना वस्त्रा पहिनकर मेरे पीछे हो ले।9 वह निकलकर उसके पीछे हो लिया; परन्तु यह न जानता था, कि जो कुछ स्वर्गदूत कर रहा है, वह सचमुच है, बरन यह समझा, कि मैं दर्शन देख रहा हूं। तब वे पहिल और दूसरे पहरे से निकलकर उस लोहे के फाटक पर पहुंचे, जो नगर की ओर है; वह उन के लिये आप से आप खुल गयाः और वे निकलकर एक ही गली होकर गए, इतने में स्वगदूत उसे छोड़कर चला गया। तब पतरस ने सचेत होकर कहा; अब मैं ने सच जान लिया कि प्रभु ने अपना स्वर्गदूत भेजकर मुझे हेरोदेस के हाथ से छुड़ा लिया, और यहूदियों की सारी आशा तोड़ दी।

प्रेरितों के काम 121:6—11

- वे परमेश्वर का मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

भेड़–बकरियों के गाभिन होने के समय मैं ने स्वप्न में क्या देखा, कि जो बकरे बकरियों पर चढ़ रहे हैं, सो धारीवाले, चित्तीवाले, और धब्बेवाले है। और परमेश्वर के दूत ने स्वप्न में मुझ से कहा, हे याकूब : मैं ने कहा, क्या आज्ञा।उस ने कहा, आंखे उठाकर उन सब बकरों को, जो बकरियों पर चढ़ रहे हैं, देख, कि वे धारीवाले, चित्तीवाले, और धब्बेवाले हैं; क्योंकि जो कुछ लाबान तुझ से करता है, सो मैं ने देखा है। मैं उस बेतेल का ईश्वर हूं, जहां तू ने एक खम्भे पर तेल डाल दिया, और मेरी मन्नत मानी थी : अब चल, इस देश से निकलकर अपनी जन्मभूमि को लौट जा।

उत्पत्ति 31:10–13

★ वे परमेश्वर के लोगों को ————————— करेगें।

30 तब मनुष्य के पुत्रा का चिन्ह आकाश में दिखाई देगा, और तब पृथ्वी के सब कुलों के लोग छाती पीटेंगे; और मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ और ऐश्वर्य के साथ आकाश के बादलों पर आते देखेंगे।31 और वह तुरही के बड़े शब्द के साथ, अपने दूतों को भेजेगा, और वे आकाश के इस छोर से उस छोर तक, चारों दिशा से उसके चुने हुओं को इकट्ठे करेंगे।

मत्ती 24:30–31

- वे हमारे लिए एक ——— हैं।
- ★ वे हमें अराधना की शक्ति स्मरण कराते हैं।

इस के बाद मैं ने स्वर्ग में मानो बड़ी भीड़ को ऊंचे शब्द से यह कहते सुना, कि हल्लिलूय्याह उद्धार, और महिमा, और सामर्थ हमारे परमेश्वर ही की है। क्योंकि उसके निर्णय सच्चे और ठीक हैं, इसलिये कि उस ने उस बड़ी वेश्या का जो अपने व्यभिचार से पृथ्वी को भ्रष्ट करती थी, न्याय किया, और उस से अपने दासों के लोहू का पलटा लिया है। फिर दूसरी बार उन्हों ने हल्लिलूय्याह कहाः और उसके जलने का धुआं युगानुयुग उठता रहेगा। और चौबीसों प्राचीनों और चारों प्राणियों ने गिरकर परमेश्वर को दंडवत् किया; जो सिंहासन पर बैठा था, और कहा, आमीन, हल्लिलूय्याह। और सिंहासन में से एक शब्द निकला, कि हे हमारे परमेश्वर से सब डरनेवाले दासों, क्या छोटे, क्या बड़े; तुम सब उस की स्तुति करो। फिर मैं ने बड़ी भीड़ का सा, और बहुत जल का सा शब्द, और गर्जनों का सा बड़ा शब्द सुना, कि हल्लिलूय्याह, इसलिये कि प्रभु हमारा परमेश्वर, सर्वशक्तिमान राज्य करता है।आओ, हम आनन्दित और मगन हों, और उस की स्तुति करें; क्योंकि मेम्ने का ब्याह आ पहुंचाः और उस की पत्नी ने अपने आप को तैयार कर लिया है। और उस को शुद्ध और चमकदार महीन मलमल पहिनने का अधिकार दिया गया, क्योंकि उस महीन मलमल का अर्थ पवित्रा लोगों के धर्म के काम है।

प्रकाशितवाक्य 19:1–8

★ वे हमें आज्ञाकारिता के महत्व को याद दिलाते है।

सो तुम इस रीति से प्रार्थना किया करो; "हे हमारे पिता, तू जो स्वर्ग में हैं; तेरा नाम पवित्रा माना जाए। तेरा राज्य आए; तेरी इच्छा जैसी स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे पृथ्वी पर भी हो।

मत्ती 6:9–10

- **स्वर्गदूतों के साथ तीन सावधानियां....**

⊡ हमें स्वर्गदूतों की ——— करने की परीक्षा से बचना चाहिए।

कोई मनुष्य दीनता और स्वर्गदूतों की पूजा करके तुम्हें दोड़ के प्रतिफल से वंचित न करे। ऐसा मनुष्य देखी हुई बातों में लगा रहता है और अपनी शारीरिक समझ पर व्यर्थ फूलता है। और उस शिरोमणि को पकड़े नहीं रहता जिस से सारी देह जोड़ों और पट्ठों के द्वारा पालन–पोषण पाकर और एक साथ गठकर, परमेश्वर की ओर से बढ़ती जाती है।।

कुलुस्सियों 2:18–19

और मैं उस को दंडवत करने के लिये उसके पांवों पर गिरा; उस ने मुझ से कहा; देख, ऐसा मत कर, मैं तेरा और तेरे भाइयों का संगी दास हूं, जो यीशु की गवाही देने पर स्थिर हैं, परमेश्वर ही को दंडवत् कर; क्योंकि यीशु की गवाही भविष्यद्वाणी की आत्मा है।।

प्रकाशितवाक्य 19:10

- हम स्वर्गदूतों से प्रार्थना करने की परीक्षा से बचेंगे।

5 क्योंकि परमेश्वर एक ही है: और परमेश्वर और मनुष्यों के बीच में भी एक ही बिचवई है, अर्थात् मसीह यीशु जो मनुष्य है।

1तीमुथियुस 2:5

- हमें स्वर्गदूतों के द्वारा ————–पाने से बचना चाहिए।

और यह कुछ अचम्भे की बात नहीं क्योंकि शैतान आप भी ज्योतिमर्य स्वर्गदूत का रूप धारण करता है। सो यदि उसके सेवक भी धर्म के सेवकों का सा रूप धरें, तो कुछ बड़ी बात नहीं परन्तु उन का अन्त उन के कामों के अनुसार होगा।

2कुरिन्थियों 11:14–15

दुष्टात्माएं

दुष्टात्माएं क्या हैं ?

- दुष्टात्माएं वे ———— स्वर्गदूत हैं जिन्होने परमेश्वर के विरूद्ध पाप किया और जो लगातार संसार में बुरे काम कर रहे हैं।
- उत्पत्ति 1:31 के अनुसार उन्हे अच्छा बनाया गया था।

तब परमेश्वर ने जो कुछ बनाया था, सब को देखा, तो क्या देखा, कि वह बहुत ही अच्छा है। तथा सांझ हुई फिर भोर हुआ। इस प्रकार छठवां दिन हो गया।।

उत्पत्ति 1:31

- ⊡ वे उत्पत्ति 3:1 तक आते आते बुरे हो गये।

यहोवा परमेश्वर ने जितने बनैले पशु बनाए थे, उन सब में सर्प धूर्त था, और उस ने स्त्री से कहा, क्या सच है, कि परमेश्वर ने कहा, कि तुम इस बाटिका के किसी वृक्ष का फल न खाना ?

उत्पत्ति 3:1

क्योंकि जब परमेश्वर ने उन स्वर्गदूतों को जिन्हों ने पाप किया नहीं छोड़ा, पर नरक में भेजकर अन्धेरे कुंडों में डाल दिया, ताकि न्याय के दिन तक बन्दी रहें।

2पतरस 2:4

फिर जो स्वर्गदूतों ने अपने पद को स्थिर न रखा वरन अपने निज निवास को छोड़ दिया, उस ने उन को भी उस भीषण दिन के न्याय के लिये अन्धकार में जो सदा काल के लिये है बन्धनों में रखा है।

यहूदा 6

शैतान कौन है?

- एक स्वर्गदूत जो परमेश्वर के द्वारा सृजा गया था और जिसने तब एक करूब के समान परमेश्वर की सेवा की जब तक उसने परमेश्वर के खिलाफ बलवा न किया और वर्तमान में वह परमेश्वर का हर बात में विरोध करता है।

★ एक स्वर्गदूत.....

तब वह बाईं ओर वालों से कहेगा, हे शापित लोगो, मेरे साम्हने से उस अनन्त आग में चले जाओ, जो शैतान और उसके दूतों के लिये तैयार की गई है।

मत्ती 25:41

★ परमेश्वर के द्वारा ————————

15 वह तो अदृश्य परमेश्वर का प्रतिरूप और सारी सृष्टि में पहिलौठा है। क्योंकि उसी में सारी वस्तुओं की सृष्टि हुई, स्वर्ग की हो अथवा पृथ्वी की, देखी या अनदेखी, क्या सिंहासन, क्या प्रभुतांए, क्या प्रधानताएं, क्या अधिकार, सारी वस्तुएं उसी के द्वारा और उसी के लिये सृजी गई हैं।

कुलुस्सियों 1:15–16

★ जिसने करूब के समान सेवा की.....

तू छानेवाला अभिषिक्त करूब था, मैं ने तुझे ऐसा ठहराया कि तू परमेश्वर के पवित्रा पर्वत पर रहता था; तू आग सरीखे चमकनेवाले मणियों के बीच चलता फिरता था। जिस दिन से तू सिरजा गया, और जिस दिन तक तुझ में कुटिलता न पाई गई, उस समय तक तू अपनी सारी चालचलन में निर्दोष रहा। परन्तु लेन–देन की बहुतायत के कारण तू उपद्रव से भरकर पापी हो गया; इसी से मैं ने तुझे अपवित्रा जानकर परमेश्वर के पर्वत पर से उतारा, और हे छानेवाले करूब मैं ने तुझे आग सरीखे चमकनेवाले मण्यिों के बीच से नाश किया है।

यहजेकेल 28:14:16

★ परमेश्वर के खिलाफ ————————करने तक....

हे भोर के चमकनेवाले तारे तू क्योंकर आकाश से गिर पड़ा है? तू जो जाति जाति को हरा देता था, तू अब कैसे काटकर भूमि पर गिराया गया है? तू मन में कहता तो था कि मैं स्वर्ग पर चढ़ूंगा; मैं अपने सिंहासन को ईश्वर के तारागण से अधिक ऊंचा करूंगा; और उत्तर दिशा की छोर पर

सभा के पर्वत पर बिराजूंगा;मैं मेघों से भी ऊंचे ऊंचे स्थानों के ऊपर चढ़ूंगा, मैं परमप्रधान के तुल्य हो जाऊंगा। परन्तु तू अधोलोक में उस गड़हे की तह तक उतारा जाएगा। परन्तु तू अधोलोक में उस गड़हे की तह तक उतारा जाएगा।

यशायाह 14:12–15

- उसके पाप करने की वजह सामर्थ्य थी।
- उसके पाप का स्वभाव ———————— था।
- ★ और अब वह हर बात में परमेश्वर को विरोध करता है।

फिर उस ने यहोशू महायाजक को यहोवा के दूत के साम्हने खड़ा हुआ मुझे दिखाया, और शैतान उसकी दहिनी ओर उसका विरोध करने को खड़ा था। तब यहोवा ने शैतान से कहा, हे शैतान यहोवा तुझ को घुड़के! यहोवा जो यरूशलेम को अपना लेता है, वही तुझे घुड़के! क्या यह आग से निकाली हुई लुकटी सी नहीं है?

जर्कयाह 3:1–2

- उसके नाम उसकी चालों को दर्शाते हैं।
- ★ वह शैतान हैं – ————————

एक दिन यहोवा परमेश्वर के पुत्र उसके साम्हने उपस्थित हुए, और उनके बीच शैतान भी आया। यहोवा ने शैतान से पूछा, तू कहां से आता है? शैतान ने यहोवा को उत्तर दिया, कि पृथ्वी पर इधर–उधर घूमते–फिरते और डोलते–डालते आया हूँ।

अय्यूब 1:6–7

इसलिये हम ने (अर्थात् मुझ पौलुस ने) एक बार नहीं, बरन दो बार तुम्हारे पास आना चाहा, परन्तु शैतान हमें रोके रहा।

1 थिस्लुनिकियों 2:18

- ★ वह दुष्ट है–निन्दक है

सचेत हो, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह की नाई इस खोज में रहता है, कि किस को फाड़ खाए।

1पतरस 5:8

- ★ वह लुसिफर हैं –वह सुबह का पुत्र है।

हे भोर के चमकनेवाले तारे तू क्योंकर आकाश से गिर पड़ा है? तू जो जाति जाति को हरा देता था, तू अब कैसे काटकर भूमि पर गिराया गया है?

यशायाह 14:12

- ★ वह बालजबूब है– दुष्टात्माओं का सरदार ।

परन्तु फरीसियों ने यह सुनकर कहा, यह तो दुष्टात्माओं के सरदार शैतान की सहायता के बिना दुष्टात्माओं को नहीं निकालता।

मत्ती 12:24

★ वह बलियाल है– एक झूठा ईश्वर।

और मसीह का बलियाल के साथ क्या लगाव? या विश्वासी के साथ अविश्वासी का क्या नाता?

2कुरिन्थियों 6:15

★ वह ———— है

हम जानते हैं, कि हम परमेश्वर से हैं, और सारा संसार उस दुष्ट के वश में पड़ा है।

1यूहन्ना 5:19

★ वह ————— वाला है

इस कारण जब मुझ से और न रहा गया, तो तुम्हारे विश्वास का हाल जानने के लिये भेजा, कि कहीं ऐसा न हो, कि परीक्षा करनेवाले ने तुम्हारी परीक्षा की हो, और हमारा परिश्रम व्यर्थ हो गया हो।

1 थिस्लुनिकियों 3:5

वह इस संसार का राजकुमार है।

अब इस जगत का न्याय होता है, अब इस जगत का सरदार निकाल दिया जाएगा।

यूहन्ना 12:31

★ वह ———————— है।

फिर मैं ने स्वर्ग पर से यह बड़ा शब्द आते हुए सुना, कि अब हमारे परमेश्वर का उद्धार, और सामर्थ, और राज्य, और उसके मसीह का अधिकार प्रगट हुआ है; क्योंकि हमारे भाइयों पर दोष लगानेवाला, जो रात दिन हमारे परमेश्वर के साम्हने उन पर दोष लगाया करता था, गिरा दिया गया।

प्रकाशितवाक्य 12:10

★ वह निम्न रूपों में दर्शाया गया है.....

- एक सर्प के रूप में।

यहोवा परमेश्वर ने जितने बनैले पशु बनाए थे, उन सब में सर्प धूर्त था, और उस ने स्त्री से कहा, क्या सच है, कि परमेश्वर ने कहा, कि तुम इस बाटिका के किसी वृक्ष का फल न खाना ?

उत्पत्ति 3:1

- एक ————— के रूप में

फिर स्वर्ग पर लड़ाई हुई, मीकाईल और उसके स्वर्गदूत अजगर से लड़ने को निकले, और अजगर ओर उनके दूत उस से लड़े। परन्तु प्रबल न हुए, और स्वर्ग में उन के लिये फिर जगह न रही। और वह बड़ा अजगर अर्थात् वही पुराना सांप, जो इब्लीस और शैतान कहलाता है, और सारे संसार का भरमानेवाला है, पृथ्वी पर गिरा दिया गया; और उसके दूत उसके साथ गिरा दिए गए।

प्रकाशितवाक्य 12:7–9

- एक ज्योर्तिमय स्वर्गदूत

और यह कुछ अचम्भे की बात नहीं क्योंकि शैतान आप भी ज्योतिमर्य स्वर्गदूत का रूप धारण करता है। 2कुरिन्थियों 11:14

किस प्रकार से शैतान और दुष्टात्माएं परमेश्वर से सम्बन्ध रखती है?

⊡ परमेश्वर बनाने वाला है और शैतान ———————— है।

आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की।
उत्पत्ति 1:1

और उन की पूंछ बिच्छुओं की सी थीं, और उन में डंक थे, और उन्हें पांच महीने तक मनुष्यों को दुख पहुंचाने की जो सामर्थ थी, वह उन की पूंछों में थी। अथाह कुण्ड का दूत उन पर राजा था, उसका नाम इब्रानी में अबद्दोन, और यूनानी में अपुल्लयोन है।।
प्रकाशितवाक्य 9:10–11

⊡ परमेश्वर सर्वशक्तिमान है, शैतान परमेश्वर के द्वारा ——— किया गया है।

जब अब्राम निन्नानवे वर्ष का हो गया, तब यहोवा ने उसको दर्शन देकर कहा मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर हूं; मेरी उपस्थिति में चल और सिद्ध होता जा।
उत्पत्ति 17:1

यहोवा ने शैतान से कहा, सुन, जो कुछ उसका है, वह सब तेरे हाथ में है; केवल उसके शरीर पर हाथ न लगाना। तब शैतान यहोवा के साम्हने से चला गया।
अय्यूब 1:12

⊡ परमेश्वर सच्चा हैं,शैतान <u>झूठ</u> का पिता है।

मैं अपनी आत्मा को तेरे ही हाथ में सौंप देता हूं; हे यहोवा, हे सत्यवादी ईश्वर, तू ने मुझे मोल लेकर मुक्त किया है।। भजन 31:5

तुम अपने पिता शैतान से हो, और अपने पिता की लालसाओं को पूरा करना चाहते हो। वह तो आरम्भ से हत्यारा है, और सत्य पर स्थिर न रहा, क्योंकि सत्य उस में है ही नहीं: जब वह झूठ बोलता, तो अपने स्वभाव ही से बोलता है; क्योंकि वह झूठा है, बरन झूठ का पिता है।
यूहन्ना 8:44

⊡ परमेश्वर प्रेम है ; शैतान नफरत/कत्ल है।

जो प्रेम नहीं रखता, वह परमेश्वर को नहीं जानता है, क्योंकि परमेश्वर प्रेम है।
1यूहन्ना 4:8

तुम अपने पिता शैतान से हो, और अपने पिता की लालसाओं को पूरा करना चाहते हो। वह तो आरम्भ से हत्यारा है, और सत्य पर स्थिर न रहा, क्योंकि सत्य उस में है ही नहीं: जब वह झूठ बोलता, तो अपने स्वभाव ही से बोलता है; क्योंकि वह झूठा है, बरन झूठ का पिता है।

यूहन्ना 8:44

⊡ परमेश्वर धार्मिकता है;शैतान बुराई है।

उसके दिनों में यहूदी लोग बचे रहेंगे, और इस्राएली लोग निडर बसे रहेंगै और यहोवा उसका नाम यहोवा "हमारी धार्मिकता" रखेगा।

यिर्मयाह 23:6

और हमें परीक्षा में न ला, परन्तु बुराई से बचा; क्योंकि राज्य और पराक्रम और महिमा सदा तेरे ही है।" आमीन।

मत्ती 6:13

⊡ परमेश्वर हमारा वकील है;शैतान हम पर दोष लगाने वाला है।

हे मेरे बालको, मैं ये बातें तुम्हें इसलिये लिखता हूँ कि तुम पाप न करो; और यदि कोई पाप करे, तो पिता के पास हमारा एक सहायक है, अर्थात् धार्मिक यीशु मसीह।

1यूहन्ना 2:1

फिर उस ने यहोशू महायाजक को यहोवा के दूत के साम्हने खड़ा हुआ मुझे दिखाया, और शैतान उसकी दहिनी ओर उसका विरोध करने को खड़ा था।

जर्कयाह 3:1

⊡ परीक्षा के समय में परमेश्वर हमारी सुरक्षा है;शैतान उकसाने वाला है।

तुम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने से बाहर हैः और परमेश्वर सच्चा हैः वह तुम्हें सामर्थ से बाहर परीक्षा में न पड़ने देगा, बरन परीक्षा के साथ निकास भी करेगा; कि तुम सह सको।।

1कुरिन्थियों 10:13

तब परखनेवाले ने पास आकर उस से कहा, यदि तू परमेश्वर का पुत्रा है, तो कह दे, कि ये पत्थर रोटियां बन जाएं।

मत्ती 4:3

⊡ परमेश्वर हमारा निर्णायक न्यायी है; शैतान का अन्त में परमेश्वर द्वारा ———— किया जाएगा।

फिर मैं ने एक बड़ा श्वेत सिंहासन और उस को जो उस पर बैठा हुआ है, देखा, जिस के साम्हने से पृथ्वी और आकाश भाग गए, और उन के लिये जगह न मिली। फिर मैं ने छोटे बड़े सब मरे हुओं को सिंहासन के साम्हने खड़े हुए देखा, और पुस्तकें खोली गई; और फिर एक और पुस्तक खोली गईं; अर्थात् जीवन की पुस्तक; और जैसे उन पुस्तकों में लिखा हुआ था, उन के कामों के अनुसार मरे हुओं का न्याय किया गया। और समुद्र ने उन मरे हुओं को जो उस में थे दे दिया, और मृत्यु और अधोलोक ने उन मरे हुओं को जो उन में थे दे दिया; और उन में से हर एक के

कामों के अनुसार उन का न्याय किया गया। और मृत्यु और अधोलोक भी आग की झील में डाले गए; यह आग की झील तो दूसरी मृत्यु है। और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग की झील में डाला गया।।

प्रकाशितवाक्य 20:11–15

फिर मै ने एक स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देखा; जिस के हाथ में अथाह कुंड की कुंजी, और एक बड़ी जंजीर थी। और उस ने उस अजगर, अर्थात् पुराने सांप को, जो इब्लीस और शैतान है; पकड़ के हजार वर्ष के लिये बान्ध दिया। और उसे अथाह कुंड में डालकर बन्द कर दिया और उस पर मुहर कर दी, कि वह हजार वर्ष के पूरे होने तक जाति जाति के लोगों को फिर न भरमाए; इस के बाद अवश्य है, कि थोड़ी देर के लिये फिर खोला जाए।।

प्रकाशितवाक्य 20:1–3

किस प्रकार से शैतान और दुष्टात्माएं हमसे सम्बन्ध रखती है?

सचेत हो, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह की नाई इस खोज में रहता है, कि किस को फाड़ खाए।

1पतरस 5:8

जिस का तुम कुछ क्षमा करते हो उसे मैं भी क्षमा करता हूं, क्योंकि मैं ने भी जो कुछ क्षमा किया है, यदि किया हो, तो तुम्हारे कारण मसीह की जगह में होकर क्षमा किया है। कि शैतान का हम पर दांव न चले, क्योंकि हम उस की युक्तियों से अनजान नहीं।

2कुरिन्थियों 2:10–11

⊡ शैतान धोखा देता है...

★ झूठी शिक्षाओं के द्वारा

चौकस रहो कि कोई तुम्हें उस तत्व–ज्ञान और व्यर्थ धोखे के द्वारा अहेर न कर ले, जो मनुष्यों के परम्पराई मत और संसार की आदि शिक्षा के अनुसार है, पर मसीह के अनुसार नहीं।

कुलुस्सियों 2:8

★ झूठे धर्मों के द्वारा

नहीं, बरन यह, कि अन्यजाति जो बलिदान करते हैं, वे परमेश्वर के लिये नहीं, परन्तु दुष्टात्माओं के लिये बलिदान करते हैं: और मैं नहीं चाहता, कि तुम दुष्टात्माओं के सहभागी हो।

1कुरिन्थियों 10:20

★ झूठी सेवकाईयों के द्वारा

और यह कुछ अचम्भे की बात नहीं क्योंकि शैतान आप भी ज्योतिमर्य स्वर्गदूत का रूप धारण करता है।सो यदि उसके सेवक भी धर्म के सेवकों का सा रूप धरें, तो कुछ बड़ी बात नहीं परन्तु उन का अन्त उन के कामों के अनुसार होगा।

2कुरिन्थियों 11:14–15

★ झूठे सिद्धान्तों के द्वारा

हे लड़कों, यह अन्तिम समय है, और जैसा तुम ने सुना है, कि मसीह का विरोधी आनेवाला है, उसके अनुसार अब भी बहुत से मसीह के विरोधी उठे हैं; इस से हम जानते हैं, कि यह अन्तिम समय है।

1यूहन्ना 2:18

★ झूठे शिष्यों के द्वारा

उस ने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया कि स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है जिस ने अपने खेत में अच्छा बीज बोया।पर जब लोग सो रहे थे तो उसका बैरी आकर गेहूं के बीच जंगली बीज बोकर चला गया।जब अंकुर निकले और बालें लगी, तो जंगली दाने भी दिखाई दिए। इस पर गृहस्थ के दासों ने आकर उस से कहा, हे स्वामी, क्या तू ने अपने खेत में अच्छा बीज न बोया था? फिर जंगली दाने के पौधे उस में कहां से आए? उस ने उन से कहा, यह किसी बैरी का काम है। दासों ने उस से कहा क्या तेरी इच्छा है, कि हम जाकर उन को बटोर लें?उस ने कहा, ऐसा नहीं, न हो कि जंगती दाने के पौधे बटोरते हुए उन के साथ गेहूं भी उखाड़ लो।कटनी तक दोनों को एक साथ बढ़ने दो, और कटनी के समय मैं काटनेवालों से कहूंगा; पहिले जंगली दाने के पौधे बटोरकर जलाने के लिये उन के गट्ठे बान्ध लो, और गेहूं को मेरे खत्ते में इकट्ठा करो।।

मत्ती 13:24–30

★ झूठे आचरण के द्वारा

क्योंकि अधर्म का भेद अब भी कार्य करता जाता है, पर अभी एक रोकनेवाला है, और जब तक वह दूर न हो जाए, वह रोके रहेगा।तब वह अधर्मी प्रगट होगा, जिसे प्रभु यीशु अपने मुंह की फूंक से मार डालेगा, और अपने आगमन के तेज से भस्म करेगा।उस अधर्मी का आना शैतान के कार्य के अनुसार सब प्रकार की झूठी सामर्थ, और चिन्ह, और अद्‌भुत काम के साथ।और नाश होनेवालों के लिये अधर्म के सब प्रकार के धोखे के साथ होगा; क्योंकि उन्होंने सत्य के प्रेम को ग्रहण नहीं किया जिस से उन का उद्धार होता। और इसी कारण परमेश्वर उन में एक भटका देनेवाली सामर्थ को भेजेगा ताकि वे झूठ की प्रतीति करें।और जितने लोग सत्य की प्रतीति नहीं करते, वरन अधर्म से प्रसन्न होते हैं, सब दंड पाएं।।

2थिस्लुनिकियों 2:7–12

⊡ शैतान आक्रमण करता है....

★ शासन करने के द्वारा.....

फारस के राज्य का प्रधान इक्कीस दिन तक मेरा साम्हना किए रहा; परन्तु मीकाएल जो मुख्य प्रधानों में से है, वह मेरी सहायता के लिये आया, इसलिये मैं फारस के राजाओं के पास रहा,

दानिय्येल 10:13

★ बीमारियां लाने के द्वारा.....

शैतान ने यहोवा को उत्तर दिया, खाल के बदले खाल, परन्तु प्राण के बदले मनुष्य अपना सब कुछ दे देता है।सो केवल अपना हाथ बढ़ाकर उसकी हड्डियां और मांस छू, तब वह तेरे मुंह पर तेरी निन्दा करेगा।यहोवा ने शैतान से कहा, सुन, वह तेरे हाथ में है, केवल उसका प्राण छोड़ देना।

अय्यूब 2:4–6

और क्या उचित न था, कि यह स्त्री जो इब्राहीम की बेटी है जिसे शैतान ने अठारह वर्ष से बान्ध रखा था, सब्त के दिन इस बन्धन से छुड़ाई जाती?

लूका 13:16

★ जीवनों को नाश कर रहा है

इसलिये जब कि लड़के मांस और लोहू के भागी हैं, तो वह आप भी उन के समान उन का सहभागी हो गया; ताकि मृत्यु के द्वारा उसे जिसे मृत्यु पर शक्ति मिली थी, अर्थात् शैतान को निकम्मा कर दे।

इब्रानियों 2:14

★ सन्तो को सता रहा है

10 जो दुःख तुझ को झेलने होंगे, उन से मत डरः क्योंकि देखो, शैतान तुम में से कितनों को जेलखाने में डालने पर है ताकि तुम परखे जाओ; और तुम्हें दस दिन तक क्लेश उठाना होगाः प्राण देने तक विश्वासी रह; तो मैं तुझे जीवन का मुकुट दूंगा।

प्रकाशितवाक्य 2:10

★ सभाओं को रोक रहा है

इसलिये हम ने (अर्थात् मुझ पौलुस ने) एक बार नहीं, बरन दो बार तुम्हारे पास आना चाहा, परन्तु शैतान हमें रोके रहा।

1 थिस्लुनिकियों 2:18

★ वह मतभेदों को उकसाता है

अब हे भाइयो, मैं तुम से बिनती करता हूं, कि जो लोग उस शिक्षा के विपरीत जो तुम ने पाई है, फूट पड़ने, और ठोकर खाने के कारण होते हैं, उन्हें ताड़ लिया करो; और उन से दूर रहो।क्योंकि ऐसे लोग हमारे प्रभु मसीह की नहीं, परन्तु अपने पेट की सेवा करते है; और चिकनी चुमड़ी बातों से सीधे सादे मन के लोगों को बहका देते हैं।तुम्हारे आज्ञा मानने की चर्चा सब लोगों में फैल गई है; इसलिये मैं तुम्हारे विषय में आनन्द करता हूं; परन्तु मैं यह चाहता हूं, कि तुम भलाई के लिये बुद्धिमान, परन्तु बुराई के लिये भोले बने रहो।शान्ति का परमेश्वर शैतान को तुम्हारे पांवों से शीघ्र कुचलवा देगा।। हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम पर होता रहे।

रोमियों 16:17–20

★ शक को बोता है।

यहोवा परमेश्वर ने जितने बनैले पशु बनाए थे, उन सब में सर्प धूर्त था, और उस ने स्त्री से कहा, क्या सच है, कि परमेश्वर ने कहा, कि तुम इस बाटिका के किसी वृक्ष का फल न खाना ?पर जो वृक्ष बाटिका के बीच में है, उसके फल के विषय में परमेश्वर ने कहा है कि न तो तुम उसको खाना और न उसको छूना, नहीं तो मर जाओगे।तब सर्प ने स्त्री से कहा, तुम निश्चय न मरोगे, वरन परमेश्वर आप जानता है, कि जिस दिन तुम उसका फल खाओगे उसी दिन तुम्हारी आंखे खुल जाएंगी, और तुम भले बुरे का ज्ञान पाकर परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे।

उत्पत्ति 3:1–5

★ पथं और ——————— को पैदा करता है।

परन्तु आत्मा स्पष्टता से कहता है, कि आनेवाले समयों में कितने लोग भरमानेवाली आत्माओं, और दुष्टात्माओं की शिक्षाओं पर मन लगाकर विश्वास से बहक जाएंगे।

1तीमुथियुस 4:1

⊡ शैतान उकसाता है.....

★ गुस्सा करने के लिए

क्रोध तो करो, पर पाप मत करोः सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे।और न शैतान को अवसर दो।

इफिसियों 4:26–27

★ धमण्ड करने के लिए ..

फिर यह कि नया चेला न हो, ऐसा न हो, कि अभिमान करके शैतान का सा दंड पाए।

1तिमुथियुस 3:6

★ चिन्ता करने के लिए

जो कोई राज्य का वचन सुनकर नहीं समझता, उसके मन में जो कुछ बोया गया था, उसे वह दुष्ट आकर छीन ले जाता है; यह वही है, जो मार्ग के किनारे बोया गया था।और जो पत्थरीली भूमि पर बोया गया, यह वह है, जो वचन सुनकर तुरन्त आनन्द के साथ मान लेता है।पर अपने में जड़ न रखने के कारण वह थोड़े ही दिन का है, और जब वचन के कारण क्लेश या उपद्रव होता है, तो तुरन्त ठोकर खाता है।जो झाड़ियों में बोया गया, यह वह है, जो वचन को सुनता है, पर इस संसार की चिन्ता और धन का धोखा वचन को दबाता है, और वह फल नहीं लाता।

मत्ती 13:19–22

★ सांसारिकता के लिए

क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा, और आंखों की अभिलाषा और जीविका का घमंड, वह पिता की ओर से नहीं, परन्तु संसार ही की ओर से है।

1यूहन्ना 2:16

★ झूठ बोलने के लिए

परन्तु पतरस ने कहा; हे हनन्याह! शैतान ने तेरे मन में यह बात क्यों डाली है कि तू पवित्रा आत्मा से झूठ बोले, और भूमि के दाम में से कुछ रख छोड़े?

प्रेरितों के काम 55:3

★ अनैतिकता के लिए

तुम एक दूसरे से अलग न रहो; परन्तु केवल कुछ समय तक आपस की सम्मति से कि प्रार्थना के लिये अवकाश मिले, और फिर एक साथ रहो, ऐसा न हो, कि तुम्हारे असंयम के कारण शैतान तुम्हें परखे।

1कुरिन्थियों 7:5

★ शैतान अविश्वासियों को अन्धा करता हैकृ

और उन अविश्वासियों के लिये, जिन की बुद्धि को इस संसार के ईश्वर ने अन्धी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके।

2कुरिन्थियों 4:4

★ शैतान लोगों को गुलाम बनाता है....

और विरोधियों को नम्रता से समझाए, क्या जाने परमेश्वर उन्हें मन फिराव का मन दे, कि वे भी सत्य को पहिचानें।और इस के द्वारा उस की इच्छा पूरी करने के लिये सचेत होकर शैतान के फंदे से छूट जाए।।

2तीमुथियुस 2:25:26

★ शैतान वचन का गलत इस्तेमाल करता है

और उस से कहा यदि तू परमेश्वर का पुत्रा है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है, कि वह तेरे विषय में अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा; और वे तुझे हाथों हाथ उठा लेंगे; कहीं ऐसा न हो कि तेरे पांवों में पत्थर से ठेस लगे।

मत्ती 4:6

★ शैतान विश्वास पर आक्रमण करता है।

परन्तु मैं डरता हूं कि जैसे सांप ने अपनी चतुराई से हव्वा को बहकाया, वैसे ही तुम्हारे मन उस सीधाई और पवित्राता से जो मसीह के साथ होनी चाहिए कहीं भ्रष्ट न किए जाएं।

2कुरिन्थियों 11:3

इस कारण जब मुझ से और न रहा गया, तो तुम्हारे विश्वास का हाल जानने के लिये भेजा, कि कहीं ऐसा न हो, कि परीक्षा करनेवाले ने तुम्हारी परीक्षा की हो, और हमारा परिश्रम व्यर्थ हो गया हो। 1थिस्लुनिकियों 3:5

★ शैतान मिशन कार्य में विध्न डालता है।

और उस सारे टापू में होते हुए, पाफुस तक पहुंचेः वहां उन्हें बार–यीशु नाम एक यहूदी टोन्हा और झूठा भविष्यद्वक्ता मिला। वह सिरगियुस पौलुस सूबे के साथ था, जो बुद्धिमान पुरूष थाः उस ने बरनबास और शाऊल को अपने पास बुलाकर परमेश्वर का वचन सुनना चाहा।परन्तु इलीमास टोन्हे ने, क्योंकि यही उसके नाम का अर्थ है उन का साम्हना करके, सूबे को विश्वास करने से रोकना चाहा।तब शाऊल ने जिस का नाम पौलुस भी है, पवित्रा आत्मा से परिपूर्ण हो उस की ओर टकटकी लगाकर कहा।हे सारे कपट और सब चतुराई से भरे हुए शैतान की सन्तान, सकल धर्म के बैरी, क्या तू प्रभु के सीधे मार्गों को टेढ़ा करना न छोड़ेगा?

प्रेरितों के काम 13:6–10

- आत्मिक युद्ध
- पुराना नियम और आत्मिक युद्ध
- इस्राएल के चारों ओर की दुनिया.....
- कनानियों,मिस्रियों और बेबिलोनियों का जन जीवन पूरी तरह से जादू टोना और उनके अभ्यास से भरा हुआ था।
- पिशाचवाद और आत्मावाद।
- पिशाचिक अभिकर्ता
- पिशाचिक गतिविधिया।
- ग्रसित करना और झाड़ फूंक।
- पिशाचिक गाथाएं प्रचलित थी।
- ——————— को प्रकटिकरण व्यापक था।

उन्हों ने पराए देवताओं को मानकर उस में जलन उपजाई; और घृणित कर्म करके उसको रिस दिलाई ।।उन्हों ने पिशाचों के लिये जो ईश्वर न थे बलि चढ़ाए, और उनके लिये वे अनजाने देवता थे, वे तो नये नये देवता थे जो थोड़े ही दिन से प्रकट हुए थे, और जिन से उनके पुरखा कभी डरे नहीं।

व्यवस्थाविवरण 32:16–17

★ परिणाम

⊡ ––––––– बदनामी

इस्राएली स्त्रियों में से कोई देवदासी न हो, और न इस्राएलियों में से कोई पुरूष ऐसा बुरा काम करनेवाला हो।तू वेश्यापन की कमाई वा कुत्ते की कमाई किसी मन्नत को पूरी करने के लिये अपने परमेश्वर यहोवा के घर में न लाना; क्योंकि तेरे परमेश्वर यहोवा के समीप ये दोनों की दोनों कमाई घृणित कर्म है।।

व्यवस्थाविवरण 23:17–18

जिन लोगों के विषय यहोवा ने उन्हें आज्ञा दी थी, उनको उन्हों ने सत्यानाश न किया, वरन उन्हीं जातियों से हिलमिल गए और उनके व्यवहारों को सीख लिया;और उनकी मूर्त्तियों की पूजा करने लगे, और वे उनके लिये फन्दा बन गई। वरन उन्हों ने अपने बेटे–बेटियों को पिशाचों के लिये बलिदान किया;और अपने निर्दोष बेटे–बेटियों का लोहू बहाया जिन्हें उन्हों ने कनान की मूर्त्तियों पर बलि किया, इसलिये देश खून से अपवित्रा हो गया।और वे आप अपने कामों के द्वारा अशुद्ध हो गए, और अपने कार्यों के द्वारा व्यभिचारी भी बन गए।।

भजन संहिता 106:34–39

⊡ ––––––– उजाड़

और उन्हों ने बड़े शब्द से पुकार पुकार के अपनी रीति के अनुसार छुरियों और बर्छियों से अपने अपने को यहां तक घायल किया कि लोहू लुहान हो गए।

1राजा 18:28

एलिय्याह ने उन से कहा, बाल के नबियों को पकड़ लो, उन में से एक भी छूटने न पाए; तब उन्हों ने उनको पकड़ लिया, और एलिय्याह ने उन्हें नीचे किशोन के नाले में ले जाकर मार डाला।
1राजा 18:40

- व्यक्तिगत विषय
- ★ उत्पत्ति 3:1–15
- हमारे शत्रु का स्वभाव
- परमेश्वर सृष्टिकर्ता है ; शैतान ––––– है।
- परमेश्वर सर्वश्रेष्ठ है; शैतान –––––– है।
- यह दोहरी बात नहीं; –––––– हैं।
- ★ शैतान परमेश्वर के प्रति उत्तर दायी है।

* शैतान परमेश्वर के द्वारा श्रापित है।
* शैतान की विशेषताएं
* वह बोल सकता है।
* वह ––––––है
* वह परमेश्वर के –––––– को भ्रष्ट करता है।
* वह परमेश्वर के वचनों पर सवाल करता है।
* शैतान विद्वेषपूर्ण झूठा और कातिल है
* हमारे युद्ध का स्वभाव.....
* कौन हमारे –––––– पर राज्य करेगा?
* हम किसकी आवाज को सुनेगें?
* हम किस पर भरोसा करेगें और किसकी ––––––––––
* हमारी पराजय का अभिप्राय........
* पाप का परिणाम ––––––– कष्ट है।
* पाप का दण्ड ––––––– मृत्यु है।
* जो लोग सर्प की आवाज को सुनते हैं वे सर्प के विष दन्तों को महसूस करेगें।
* 1शमूएल 16:13–23
* दो महत्वूर्ण उददेश्य....
* परमेश्वर शाऊल का –––––– कर रहे थे।
* परमेश्वर दाऊद को ––––––– रहे थे।
* दो महत्वपूर्ण सिद्धान्त
* शैतान की शक्तियों का परमेश्वर के सामने कोई –––––– नहीं है।
* शाऊल का एक बुरी आत्मा के द्वारा सताया जाना उसके –––––पापों का परिणाम है।
* 1शमूएल 28:3–25
* परमेश्वर के –––––– सारी आत्मिक बुराईयों पर राज्य करती है।
* परमेश्वर का –––– मनुष्य के सारे विरोध व बलवे पर भड़कता है।
  तुम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने से बाहर है: और परमेश्वर सच्चा है: वह तुम्हें सामर्थ से बाहर परीक्षा में न पड़ने देगा, बरन परीक्षा के साथ निकास भी करेगा; कि तुम सह सको।। 1कुरिन्थियों 1013–14

* 1राजा 22:6–28
* पवित्र परमेश्वर एक बुरी आत्मा का इस्तेमाल अपने न्याय के निमित्त एक प्रतिनिधी के रूप में करते हैं।
* पवित्र परमेश्वर अपने मकसद को पूरा करने के लिए एक बुरी आत्मा का इस्तेमाल करते हैं।
* अय्यूब 1:6–2:10

- प्राथमिक सच्चाई परमेश्वर की सर्वश्रेष्ठता है।
- शैतान बोले जाने पर बोलता है।
- शैतान परमेश्वर की ———— के दायरे में होकर कार्य करता है।
- शैतान परमेश्वर के ———— को पूरा करने के लिए कार्य करता है।
- प्राथमिक विजय अय्यूब की नैतिकता है।
- अय्यूब ने परमेश्वर को महिमा प्रदान की।
- अय्यूब ने शैतान को ———— किया।

★ जकर्याह 3

- ———— सीमित है
- ———— समस्या है।
- एक ———— आ रहा है।

⊡ ध्यान देन योग्य रूचिकर बातें.....

★ पुराना नियम शैतान और दुष्टात्माओं को ———— बनाता है।

- वह चारो तरफ बसे देशो के झाड़फूक के तरीको का समर्थन नहीं करता।
- वह उनकी पिशाची गतिविधियों को अपने धर में जगह प्रदान नहीं करता ।

★ पुराना नियम मानवीय जिम्मेदारियों को ———— देता है।

- दुष्टात्मा द्वारा ग्रसित होना समस्या नहीं है।
- समस्या मनुष्य के ———— में है।

और यहोवा ने देखा, कि मनुष्यों की बुराई पृथ्वी पर बढ़ गई है, और उनके मन के विचार में जो कुछ उत्पन्न होता है सो निरन्तर बुरा ही होता है।

उत्पत्ति 6:5

जो कुछ सूर्य के नीचे किया जाता है उस में यह एक दोष है कि सब लोगों की एक सी दशा होती है; और मनुष्यों के मनों में बुराई भरी हुई है, और जब तक वे जीवित रहते हैं उनके मन में बावलापन रहता है, और उसके बाद वे मरे हुओं में जा मिलते हैं।

सभोपदेशक 9:3

मन तो सब वस्तुओं से अधिक धोख देनेवाला होता है, उस में असाध्य रोग लगा है; उसका भेद कौन समझ सकता है? यिर्मयाह 17:9

⊡ पुराने नियम का निष्कर्ष

★ परमेश्वर शैतान से सर्वश्रेष्ठ है।

- शैतान में असीमित ———— पाए जाते हैं।
- शैतान के पास सीमित ———— है।

★ पाप मानव की सबसे पहली समस्या है ।

- हम अपने पापों के लिए ———— है ।
- हमें अपने पापों के प्रकाश में परमेश्वर को प्रतिउत्तर देना चाहिये।
- या तो हम अपने पापों से पश्चाताप करते हैं
- या फिर हम पाप में ———— जाते हैं।

★ आत्मिक युद्ध का केन्द्र परमेश्वर है –शैतान नहीं ।

⊡ पुराने नियम का प्रश्न.....परमेश्वर का हमारे पापों से क्या सम्बन्ध है?

★ परमेश्वर पापों से अनेको तरीको से जुड़ा है।

- वह पाप को ———— है।

परमेश्वर ने उस से स्वप्न में कहा, हां, मैं भी जानता हूं कि अपने मन की खराई से तू ने यह काम किया है और मैं ने तुझे रोक भी रखा कि तू मेरे विरूद्ध पाप न करे : इसी कारण मैं ने तुझ को उसे छूने नहीं दिया। उत्पत्ति 20:6

तू अपने दास को ढिठाई के पापों से भी बचाए रख; वह मुझ पर प्रभुता करने न पाएं! तब मैं सिद्ध हो जाऊंगा, और बड़े अपराधों से बचा रहूंगा।।

भजन संहिता 19:13

- वह पाप को ————— प्रदान करता है।

परन्तु मेरी प्रजा ने मेरी न सुनी; इस्राएल ने मुझ को न चाहा। इसलिये मैं ने उसको उसके मन के हठ पर छोड़ दिया, कि वह अपनी ही युक्तियों के अनुसार चले।

भजन संहिता 81:11–12

- वह पाप को ———— प्रदान करता है।

यूसुफ ने उन से कहा, मत डरो, क्या मैं परमेश्वर की जगह पर हूं ? यद्यपि तुम लोगों ने मेरे लिये बुराई का विचार किया था; परन्तु परमेश्वर ने उसी बात में भलाई का विचार किया, जिस से वह ऐसा करे, जैसा आज के दिन प्रगट है, कि बहुत से लोगों के प्राण बचे हैं।

उत्पत्ति 50:19–20

- वह पापों को ————— करता है।

यहोवा ने शैतान से कहा, सुन, जो कुछ उसका है, वह सब तेरे हाथ में है; केवल उसके शरीर पर हाथ न लगाना। तब शैतान यहोवा के साम्हने से चला गया।

अय्यूब 1:12

- परमेश्वर ने कभी सीधे पाप का ————— नहीं बना।
- वचन में परमेश्वर ने कभी पाप नहीं किया।
- वचनो में परमेश्वर पर कभी भी पाप के सन्दर्भ में कोई ——————— नहीं लगा।

★ परमेश्वर अच्छाई और बुराई से विषम तरीकों (————— तरीको) से जुड़े हुए हैं।

- परमेश्वर और अच्छाई....
- जो भी कुछ अच्छा है वह परमेश्वर की अधीनता में है।

यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है; और उसकी करूणा सदा की है!

भजन संहिता 107:1

सो तू ने उन से यह कह, परमेश्वर यहोवा की यह वाणी है, मेरे जीवन की सौगन्ध, मैं दुष्ट के मरने से कुछ भी प्रसन्न नहीं होता, परन्तु इस से कि दुष्ट अपने मार्ग से फिरकर जीवित रहे; हे इस्राएल के घराने, तुम अपने अपने बुरे मार्ग से फिर जाओ; तुम क्यों मरो?

यजेहकेल 33:11

क्योंकि प्रभु मन से सर्वदा उतारे नहीं रहता, चाहे वह दुख भी दे, तौभी अपनी करुणा की बहुतायत के कारण वह दया भी करता है;क्योंकि वह मनुष्यों को अपने मन से न तो दबाता है और न दुःख देता है।

विलाप गीत 3:31–33
हर भली बात उसमें अर्थात परमेश्वर में शुरू होती है।
वह चट्टान है, उसका काम खरा है; और उसकी सारी गति न्याय की है। वह सच्चा ईश्वर है, उस में कुटिलता नहीं, वह धर्मी और सीधा है।।
व्यवस्थाविवरण 32:4
परमेश्वर और बुराई .....
हर एक बुराई उसकी प्रधानता के अधीनता में है।
पृथ्वी भर के बंधुओं को पांव के तले दलित करना, किसी पुरुष का हक़ परमप्रधान के साम्हने मारना, और किसी मनुष्य का मुक़द्दमा बिगाड़ना, इन तीन कामों को यहोवा देख नहीं सकता। यदि यहोवा ने आज्ञा न दी हो, तब कौन है कि वचन कहे और वह पूरा हो जाए? विपत्ति और कल्याण, क्या दोनों परमप्रधान की आज्ञा से नहीं होते?

विलापगीत 3:34–38
और यहोवा ने मूसा से कहा, जब तू मि में पहुंचे तब सावधान हो जाना, और जो चमत्कार मैं ने तेरे वश में किए हैं उन सभों को फिरौन को दिखलाना; परन्तु मै उसके मन को हठीला करूंगा, और वह मेरी प्रजा को जाने न देगा। और तू फिरौन से कहना, कि यहोवा यों कहता है, कि इस्राएल मेरा पुत्रा वरन मेरा जेठा है, और मैं जो तुझ से कह चुका हूं, कि मेरे पुत्रा को जाने दे कि वह मेरी सेवा करे; और तू ने अब तक उसे जाने नहीं दिया, इस कारण मैं अब तेरे पुत्रा वरन तेरे जेठे को घात करूंगा।

निर्गमन 4:21–23
क्योंकि यहोवा की जो मनसा थी, कि अपनी उस आज्ञा के अनुसार जो उस ने मूसा को दी थी उन पर कुछ भी दया न करे; वरन सत्यानाश कर डाले, इस कारण उस ने उनके मन ऐसे कठोर कर दिए, कि उन्हों ने इस्राएलियों का साम्हना करके उन से युद्ध किया।।

येशुआ 11:20
यदि एक मनुष्य दूसरे मनुष्य का अपराध करे, तब तो परमेश्वर उसका न्याय करेगा; परन्तु यदि कोई मनुष्य यहोवा के विरूद्ध पाप करे, तो उसके लिये कौन बिनती करेगा? तौभी उन्हों ने अपने पिता की बात न मानी; क्योंकि यहोवा की इच्छा उन्हें मार डालने की थी।

1शमुएल 2:25

तब अय्यूब उठा, और बागा फाड़, सिर मुंड़ाकर भूमि पर गिरा और दणडवत् करके कहा, मैं अपनी मां के पेट से नंगा निकला और वहीं नंगा लौट जाऊंगा; यहोवा ने दिया और यहोवा ही ने लिया; यहोवा का नाम धन्य है। इन सब बातों में भी अय्यूब ने न तो पाप किया, और न परमेश्वर पर मूर्खता से दोष लगाया।
अय्यूब 1:20–22

मैं उजियाले का बनानेवाला और अन्धियारे का सृजनहार हूं, मैं शान्ति का दाता और विपत्ति को रचता हूं, मैं यहोवा ही इन सभों का कर्त्ता हूं।
यशायाह 45:7

जितनी बातें बुरी हैं वे नैतिक रूप में परमेश्वर से प्रारम्भ ––––– होती हैं।
बैल का बलि करनेवाला मनुष्य के मार डालनेवाले के समान है; जो भेड़ के चढ़ानेवाला है वह उसके समान है जो कुत्ते का गला काटता है; जो अन्नबलि चढ़ाता है वह मानो सूअर का लोहू चढ़ानेवाले के समान है; और, जो लोबान जलाता है, वह उसके समान है जो मूरत को धन्य कहता है। इन सभों ने अपना अपना मार्ग चुन लिया है, और घिनौनी वस्तुओं से उनके मन प्रसन्न हाते हैं। इसलिये मैं भी उनके लिये दुःख की बातें निकालूंगा, और जिन बातों से वे डरते हैं उन्हीं को उन पर लाऊंगा; क्योंकि जब मैं ने उन्हें बुलाया, तब कोई न बोला, और जब मैं ने उन से बातें की, तब उन्हों ने मेरी न सुनी; परन्तु जो मेरी दृष्टि में बुरा था वही वे करते रहे, और जिस से मैं अप्रसन्न होता था उसी को उन्हों ने अपनाया।। तुम जो यहोवा का वचन सुनकर थरथराते हो यहोवा का यह वचन सुनोः
यशायाह 66:3–4

परमेश्वर की ––––––– योजना को स्मरण करें.....
परमेश्वर ––––––– में है।
हम चुनाव करते हैं।
यूसुफ ने उन से कहा, मत डरो, क्या मैं परमेश्वर की जगह पर हूं ? यद्यपि तुम लोगों ने मेरे लिये बुराई का विचार किया था; परन्तु परमेश्वर ने उसी बात में भलाई का विचार किया, जिस से वह ऐसा करे, जैसा आज के दिन प्रगट है, कि बहुत से लोगों के प्राण बचे हैं।
उत्पत्ति 50:19–20
हे इस्त्राएलियों, ये बातें सुनोः कि यीशु नासरी एक मनुष्य था जिस का परमेश्वर की ओर से होने का प्रमाण उन सामर्थ के कामों और आश्चर्य के कामों और चिन्हों से प्रगट है, जो परमेश्वर ने तुम्हारे बीच उसके द्वारा कर दिखलाए जिसे तुम आप ही जानते हो। उसी को, जब वह परमेश्वर की ठहराई हुई मनसा और होनहार के ज्ञान के अनुसार पकड़वाया गया, तो तुम ने अधर्मियों के हाथ से उसे क्रूस पर चढ़वाकर मार डाला। परन्तु उसी को परमेश्वर ने मृत्यु के बन्धनों से छुड़ाकर जिलायाः क्योंकि यह अनहोना था कि वह उसके वश में रहता।

प्रेरितों 2:22–24
मसीह और आत्मिक युद्ध
एक नियमित युद्ध
उसके जीवन की शुरूआत में
जब हेरोदेस ने यह देखा, कि ज्योतिषियों ने मेरे साथ ठट्ठा किया है, तब वह क्रोध से भर गया; और लोगों को भेजकर ज्योतिषियों से ठीक ठीक पूछे हुए समय के अनुसार बैतलहम और उसके आस पास के सब लड़कों को जो दो वर्ष के, वा उस से छोटे थे, मरवा डाला।तब जो वचन यिर्मयाह

भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हुआ, कि रामाह में एक करूण–नाद सुनाई दिया, रोना और बड़ा विलाप, राहेल अपने बालकों के लिये रो रही थी, और शान्त होना न चाहती थी, क्योंकि वे हैं नहीं।।
मत्ती 2:16–18

★ उसकी ––––– की शुरूआत में

तब उस समय आत्मा यीशु को जंगल में ले गया ताकि इब्लीस से उस की परीक्षा हो। वह चालीस दिन, और चालीस रात, निराहार रहा, अन्त में उसे भूख लगी।तब परखनेवाले ने पास आकर उस से कहा, यदि तू परमेश्वर का पुत्रा है, तो कह दे, कि ये पत्थर रोटियां बन जाएं।उस ने उत्तर दिया; कि लिखा है कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।तब इब्लीस उसे पवित्रा नगर में ले गया और मन्दिर के कंगूरे पर खड़ा किया।और उस से कहा यदि तू परमेश्वर का पुत्रा है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है, कि वह तेरे विषय में अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा; और वे तुझे हाथों हाथ उठा लेंगे; कहीं ऐसा न हो कि तेरे पांवों में पत्थर से ठेस लगे। यीशु ने उस से कहा; यह भी लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न कर।फिर शैतान उसे एक बहुत ऊंचे पहाड़ पर ले गया और सारे जगत के राज्य और उसका विभव दिखाकरउस से कहा, कि यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूंगा।तब यीशु ने उस से कहा; हे शैतान दूर हो जा, क्योंकि लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।तब शैतान उसके पास से चला गया, और देखो, स्वर्गदूत आकर उस की सेवा करने लगे।।

मत्ती 4:1–11

★ उसके जीवन और उसकी सेवकाई के मध्य में

⬥ ––––––– को निकालना

और दूसरे दिन जब वे पहाड़ से उतरे, तो एक बड़ी भीड़ उस से आ मिली। और देखो, भीड़ में से एक मनुष्य ने चिल्ला कर कहा, हे गुरू, मैं तुझ से बिनती करता हूं, कि मेरे पुत्रा पर कृपादृष्टि कर; क्योंकि वह मेरा एकलौता है। और देख, एक दुष्टात्मा उसे पकड़ता है, और वह एकाएक चिल्ला उठता है; और वह उसे ऐसा मरोड़ता है, कि वह मुंह में फेन भर लाता है; और उसे कुचलकर कठिनाई से छोड़ता है।और मै ने तेरे चेलों से बिनती की, कि उसे निकालें; परन्तु वे न निकाल सके। यीशु न उत्तर दिया, हे अविश्वासी और हठिले लोगो, मैं कब तक तुम्हारे साथ रहूंगा, और तुम्हारी सहूंगा? अपने पुत्रा को यहां ले आ। वह आ ही रहा था कि दुष्टात्मा ने उसे पटककर मरोड़ा, परन्तु यीशु ने अशुद्ध आत्मा को डांटा और लकड़े को अच्छा करके उसके पिता को सौंप दिया।तब सब लोग परमेश्वर के महासामर्थ से चकित हुए।।

लूका 9:37–43

★ उसकी ––––– का दावा कारना

तब लोग एक अन्धे–गूंगे को जिस में दुष्टात्मा थी, उसके पास लाए; और उस ने उसे अच्छा किया; और वह गूंगा बोलने और देखने लगा। इस पर सब लोग चकित होकर कहने लगे, यह क्या दाऊद की सन्तान का है?परन्तु फरीसियों ने यह सुनकर कहा, यह तो दुष्टात्माओं के सरदार शैतान की सहायता के बिना दुष्टात्माओं को नहीं निकालता। उस ने उन के मन की बात जानकर उन से

कहा; जिस किसी राज्य में फूट होती है, वह उजड़ जाता है, और कोई नगर या घराना जिस में फूट होती है, बना न रहेगा। और यदि शैतान ही शैतान को निकाले, तो वह अपना ही विरोधी हो गया है; फिर उसका राज्य क्योंकर बना रहेगा? पर यदि मैं परमेश्वर के आत्मा की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता हूं, तो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे पास आ पहुंचा है। पर यदि मैं परमेश्वर के आत्मा की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता हूं, तो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे पास आ पहुंचा है। या क्योंकर कोई मनुष्य किसी बलवन्त के घर में घुसकर उसका माल लूट सकता है जब तक कि पहिले उस बलवन्त को न बान्ध ले? और तब वह उसका घर लूट लेगा।

मत्ती 12:22–29

- धरती पर यीशु मसीह की सेवकाई :शैतान को ———— लिया गया है।
- यीशु ने अनन्तता का वायदा किया है:शैतान नाश होगा।

तब वह बाईं ओर वालों से कहेगा, हे शापित लोगो, मेरे साम्हने से उस अनन्त आग में चले जाओ, जो शैतान और उसके दूतों के लिये तैयार की गई है।

मत्ती 25:41

★ उसके जीवन के अन्त में

- ——— ही एक अन्तिम उपाय है।

31 अब इस जगत का न्याय होता है, अब इस जगत का सरदार निकाल दिया जाएगा।32 और मैं यदि पृथ्वी पर से ऊंचे पर चढ़ाया जाऊंगा, तो सब को अपने पास खीचूंगा।

यूहन्ना 12:31–32

——————— निर्णायक विजय है।

इसी कारण मैं ने सब से पहिले तुम्हें वही बात पहुंचा दी, जो मुझे पहुंची थी, कि पवित्रा शास्त्रा के वचन के अनुसार यीशु मसीह हमारे पापों के लिये मर गया।ओर गाड़ा गया; और पवित्रा शास्त्रा के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा। और कैफा को तब बारहों को दिखाई दिया।फिर पांच सौ से अधिक भाइयों को एक साथ दिखाई दिया, जिन में से बहुतेरे अब तक वर्तमान हैं पर कितने सो गए।फिर याकूब को दिखाई दिया तक सब प्रेरितों को दिखाई दिया।और सब के बाद मुझ को भी दिखाई दिया, जो मानो अधूरे दिनों का जन्मा हूं।

1कुरिन्थियों 15:3–8

और जब यह नाशमान अविनाश को पहिन लेगा, और यह मरनहार अमरता को पहिन लेगा, तब वह वचन जो लिखा है, पूरा हो जाएगा, कि जय ने मृत्यु को निगल लिया।हे मृत्यु तेरी जय कहां रहीं?हे मृत्यु तेरा डंक कहां रहा? मृत्यु का डंक पाप है; और पाप का बल ब्यवस्था है।परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है।

1कुरिन्थियों 15:54–57

★ उसकी सेवकाई के अन्त में

यीशु ने उन के पास आकर कहा, कि स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।

मत्ती 28:18

मैं ने रात में स्वप्न में देखा, और देखो, मनुष्य के सन्तान सा कोई आकाश के बादलों समेत आ रहा था, और वह उस अति प्राचीन के पास पहुंचा, और उसको वे उसके समीप लाए।तब उसको ऐसी प्रभुता, महिमा और राज्य दिया गया, कि देश–देश और जाति–जाति के लोग और भिन्न–भिन्न भाषा बालनेवाले सब उसके अधीन हों; उसकी प्रभुता सदा तक अटल, और उसका राज्य अविनाशी ठहरा।।

दानिय्येल 7:13–14

- ⊡ दो तरफा रणभूमि.....
- ✱ यीशु मसीह ——— और ——— दोनो ही प्रकार की बुराई के विरूद्ध थे।
- ⬥ नैतिक बुराई में पाप आते शामिल हैं।
- ⬥ प्राकृतिक बुराई में कष्ट शामिल हैं।
- ⬥ नैतिक बुराई ही असल में प्राकृतिक बुराई की जड़ होती है।
- ✱ शैतान .....
- ⬥ एक झूठा है जो प्राकृतिक बुराई (कष्टों) का इस्तेमाल करता है

तब उस समय आत्मा यीशु को जंगल में ले गया ताकि इब्लीस से उस की परीक्षा हो। वह चालीस दिन, और चालीस रात, निराहार रहा, अन्त में उसे भूख लगी।तब परखनेवाले ने पास आकर उस से कहा, यदि तू परमेश्वर का पुत्रा है, तो कह दे, कि ये पत्थर रोटियां बन जाएं।उस ने उत्तर दिया; कि लिखा है कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।तब इब्लीस उसे पवित्रा नगर में ले गया और मन्दिर के कंगूरे पर खड़ा किया।और उस से कहा यदि तू परमेश्वर का पुत्रा है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है, कि वह तेरे विषय में अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा; और वे तुझे हाथों हाथ उठा लेंगे; कहीं ऐसा न हो कि तेरे पांवों में पत्थर से ठेस लगे। यीशु ने उस से कहा; यह भी लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न कर।फिर शैतान उसे एक बहुत ऊंचे पहाड़ पर ले गया और सारे जगत के राज्य और उसका विभव दिखाकरउस से कहा, कि यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूंगा।तब यीशु ने उस से कहा; हे शैतान दूर हो जा, क्योंकि लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।तब शैतान उसके पास से चला गया, और देखो, स्वर्गदूत आकर उस की सेवा करने लगे।।

मत्ती 4:1–11

जब उस ने यह सुना कि यूहन्ना पकड़वा दिया गया, तो वह गलील को चला गया।और नासरत को छोड़कर कफरनहूम में जो झील के किनारे जबूलून और नपताली के देश में है जाकर रहने लगा।ताकि जो यशायाह भविष्द्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो। कि जबूलून और नपताली के देश, झील के मार्ग से यरदन के पास अन्यजातियों का गलील। जो लोग अन्धकार में बैठे थे उन्हों ने बड़ी ज्योंति देखी; और जो मृत्यु के देश और छाया में बैठे थे, उन पर ज्योति चमकी।। उस समय से यीशु प्रचार करना और यह कहना आरम्भ किया, कि मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है।

मत्ती 4:12–17

- यीशु ने पाप को प्रगट किया।
- यीशु ने पापों से पश्चाताप करने के लिए आवाह्न किया।
- यीशु ने प्राकृतिक बुराई से लड़ने के लिए सच्चाई की उदधोष्णा तथा शक्ति का प्रदर्शन किया।

क्योंकि उस ने बहुतों को चंगा किया था; इसलिये जितने लोगे रोग से ग्रसित थे, उसे छूने के लिये उस पर गिरे पड़ते थे। और अशुद्ध आत्मांए भी, जब उसे देखती थीं, तो उसके आगे गिर पड़ती थीं, और चिल्लाकर कहती थीं कि तू परमेश्वर का पुत्रा है। और उस ने उन्हें बहुत चिताया, कि मुझे प्रगट न करना।।

मरकुस 3:10–12

और यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उन की सभाओं में उपदेश करता और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और लोगों की हर प्रकार की बीमारी और दुर्बलता को दूर करता रहा। और सारे सूरिया में उसका यश फैल गया; और लोग सब बीमारों को, जो नाना प्रकार की बीमारियों और दुखों में जकड़े हुए थे, और जिन में दुष्टात्माएं थीं और मिर्गीवालों और झोले के मारे हुओं को उसके पास लाए और उस ने उन्हें चंगा किया। और गलील और दिकापुलिस और यरूशलेम और यहूदिया से और यरदन के पार से भीड़ की भीड़ उसके पीछे हो ली।।

मत्ती 4:23–25

तब वह उन के साथ उतरकर चौरस जगह में खड़ा हुआ, और उसके चेलों की बड़ी भीड़, और सारे यहूदिया और यरूशलेम और सूर और सैदा के समुद्र के किनारे से बहुतेरे लोग, जो उस की सुनने और अपनी बीमारियों से चंगा होने के लिये उसके पास आए थे, वहां थे।और अशुद्ध आत्माओं के सताए हुए लोग भी अच्छे किए जाते थे।और सब उसे छूना चाहते थे, क्योंकि उस में से सामर्थ निकलकर सब को चंगा करती थी।।

लूका 6:17–19

उसी घड़ी उस ने बहुतों को बीमारियों; और पीड़ाओं, और दुष्टात्माओं से छुड़ाया; और बहुत से अन्धों को आंखे दी।

लूका 7:21

सब्त के दिन वह एक आराधनालय में उपदेश कर रहा था। और देखो, एक स्त्राी थी, जिसे अठारह वर्ष से एक दुर्बल करनेवाली दुष्टात्मा लगी थी, और वह कुबड़ी हो गई थी, और किसी रीति से सीधी नहीं हो सकती थी। यीशु ने उसे देखकर बुलाया, और कहा हे नारी, तू अपनी दुर्बलता से छूट गई।तब उस ने उस पर हाथ रखे, और वह तुरन्त सीधी हो गई, और परमेश्वर की बड़ाई करने लगी।इसलिये कि यीशु ने सब्त के दिन उसे अच्छा किया था, आराधनालय का सरदार रिसियाकर लोगों से कहने लगा, छः दिन हैं, जिन में काम करना चाहिए, सो उन ही दिनों में आकर चंगे होओ; परन्तु सब्त के दिन में नहीं।यह सुन कर प्रभु ने उत्तर देकर कहा; हे कपटियों, क्या सब्त के दिन तुम में से हर एक अपने बैल या गदहे को थान से खोलकर पानी पिलाने नहीं ले जाता? और क्या उचित न था, कि यह स्त्राी जो इब्राहीम की बेटी है जिसे शैतान ने अठारह वर्ष

से बान्ध रखा था, सब्त के दिन इस बन्धन से छुड़ाई जाती?जब उस ने ये बातें कहीं, तो उसके सब विरोधी लज्जित हो गए, और सारी भीड़ उन महिमा के कामों से जो वह करता था, आनन्दित हुई।। लूका 13:10–17

- यीशु ने नैतिक बुराईयों के मामलों में दुष्टात्माओं को नहीं निकालता(जिनका सम्बन्ध पाप के साथ में हो)
- यीशु प्राकृतिक बुराई के क्षेत्र में दुष्टात्माओं को निकालते है(जिनका सम्बन्ध मुख्यतःकष्टों के साथ में होता है)
- यीशु किसी भी दुष्टात्मा ग्रसित व्यक्ति के पास इस नजरिये से जाते हैं जैसे उसे कष्टों से छुटकारा चाहिये, ऐसा नही की किसी पापी को पश्चाताप की जरूरत हो।

कलीसिया और आत्मिक युद्ध

- ⊡ क्या हम आत्मिक युद्ध को वास्तव में उसी प्रकार से लड़ते हैं जिस प्रकार से मसीह ने लड़ा था ?
- ★ हम एक समान मुद्दों पर गौर करते हैं।
- ★ हम इन मुद्दों को फरक नजरियों से देखते है।
- ★ कर चुकाने के बारे में सोचे.....

जब वे कफरनहूम में पहुंचे, तो मन्दिर के लिये कर लेनेवालों ने पतरस के पास आकर पूछा, कि क्या तुम्हारा गुरू मन्दिर का कर नहीं देता? उस ने कहा, हां देता तो है।जब वह घर में आया, तो यीशु ने उसके पूछने से पहिले उस से कहा, हे शमौन तू क्या समझता है? पृथ्वी के राजा महसूल या कर किन से लेते हैं? अपने पुत्राों से या परायों से? पतरस ने उन से कहा, परायों से। यीशु ने उस से कहा, तो पुत्रा बच गए।तौभी इसलिये कि हम उन्हें ठोकर न खिलाएं, तू झील के किनारे जाकर बंसी डाल, और जो मछली पहिले निकले, उसे ले; तो तुझे उसका मुंह खोलने पर एक सिक्का मिलेगा, उसी को लेकर मेरे और अपने बदले उन्हें दे देना।।
मत्ती 17:24–27

- ⊡ यीशुः ––––––पकड़कर कर चुकाओ।
- ⊡ हमः ––––––– करो और कर चुकाओ।
- ★ मछली पकड़ने के बारे में विचार करें.....
- ★ भूखों को भोजन कराने के बारे में विचार करें

10 यीशु ने कहा, कि लोगों को बैठा दो। उस जगह बहुत घास थीः तब वे लोग जो गिनती में लगभग पांच हजार के थे, बैठ गएः तब यीशु ने रोटियां लीं, और धन्यवाद करके बैठनेवालों को बांट दीः और वैसे ही मछलियों में से जितनी वे चाहते थे बांट दिया।जब वे खाकर तृप्त हो गए तो उस ने अपने चेलों से कहा, कि बचे हुए टुकड़े बटोर लो, कि कुछ फेंका न जाए।सो उन्हों ने बटोरा, और जव की पांच रोटियों के टुकड़े जो खानेवालों से बच रहे थे उन की बारह टोकरियां भरीं।
यूहन्ना 6:10–13

- यीशु : जरूरतमन्द लोगों के लिए आलौकिक ढंग से भोजन का प्रयोजन करके स्वयं को ईश्वर के रूप में प्रगट करते हैं।
- हमः हम जरूरत मन्द लोगों की मदद करने हेतू ––––– समय परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं।
- ★ ज़रा बोलने के बारे में सोचे.....

तुम सुन चुके हो, कि पूर्वकाल के लोगों से कहा गया था कि हत्या न करना, और जो कोई हत्या करेगा वह कचहरी में दंड के योग्य होगा।परन्तु मैं तुम से यह कहता हूं, कि जो कोई अपने भाई पर क्रोध करेगा, वह कचहरी में दण्ड के योग्य होगाः और जो कोई अपने भाई को निकम्मा कहेगा वह महासभा में दंड के योग्य होगा; और जो कोई कहे "अरे मूर्ख" वह नरक की आग के दण्ड के योग्य होगा। मत्ती 5:21–22

- यीशुः एक वारिस के रूप में
- ''मैं तुझसे कहता हूँ''।
- हमः चलायमान अधिकारी के रूप में
- ''बाइबल कहती है''
- ★ पाप क्षमा के बारे में सोचें.....

8 यीशु ने तुरन्त अपनी आत्मा में जान लिया, कि वे अपने अपने मन में ऐसा विचार कर रहे हैं, और उन से कहा, तुम अपने अपने मन में यह विचार क्यों कर रहे हो?9 सहज क्या है? क्या झोले के मारे से यह कहना कि तेरे पाप क्षमा हुए, या यह कहना, कि उठ अपनी खाट उठा कर चल फिर?परन्तु जिस से तुम जान लो कि मनुष्य के पुत्रा को पृथ्वी पर पाप क्षमा करने का भी अधिकार है (उस ने उस झोले के मारे हुए से कहा)। मैं तुझ से कहता हूं; उठ, अपनी खाट उठाकर अपने घर चला जा।और वह उठा, और तुरन्त खाट उठाकर और सब के साम्हने से निकलकर चला गया, इस पर सब चकित हुए, और परमेश्वर की बड़ाई करके कहने लगे, कि हम ने ऐसा कभी नहीं देखा।।

मरकुस 2:8–12

- यीशु : पापों से क्षमा प्रदान करने वाले अधिकारी के रूप में
- हमः राजदूत के रूप में जो पापक्षमा की उदधोषणा करते हैं।
- ★ मृतक को जीवित करने के बारे में सोचें....

तब उन्हों ने उस पत्थर को हटाया, फिर यीशु ने आंखें उठाकर कहा, हे पिता, मैं तेरा धन्यवाद करता हूं कि तू ने मेरी सुन ली है। और मै जानता था, कि तू सदा मेरी सुनता है, परन्तु जो भीड़ आस पास खड़ी है, उन के कारण मैं ने यह कहा, जिस से कि वे विश्वास करें, कि तू ने मुझे भेजा है।यह कहकर उस ने बड़े शब्द से पुकारा, कि हे लाजर, निकल आ। जो मर गया था, वह कफन से हाथ पांव बन्धे हुए निकल आया और उसका मुंह अंगोछे से लिपटा हुआ था; यीशु ने उन से कहा, उसे खोलकर जाने दो।।

यूहन्ना 11:41–44

- यीशुः आधिकारिक आज्ञा और सुसमाचार के लिए आमन्त्रण –––––
- हमः एक सुसमाचार का निमन्त्रण

- मौसम को नियन्त्रित करने के बारे में सोचें

उसी दिन जब सांझ हुई, तो उस ने उन से कहा; आओ, हम पार चलें,। और वे भीड़ को छोड़कर जैसा वह था, वैसा ही उसे नाव पर साथ ले चले; और उसके साथ, और भी नावें थीं। तब बड़ी आन्धी आई, और लहरें नाव पर यहां तक लगीं, कि वह अब पानी से भरी जाती थी।और वह आप पिछले भाग में गद्दी पर सो रहा था; तब उन्हों ने उसे जगाकर उस से कहा; हे गुरू, क्या तुझे चिन्ता नहीं, कि हम नाश हुए जाते हैं?तब उस ने उठकर आन्धी को डांटा, और पानी से कहा; "शान्त रह, थम जा" : और आन्धी थम गई और बड़ा चैन हो गया। और उन से कहा; तुम क्यों डरते हो? क्या तुम्हें अब तक विश्वास नहीं? और वे बहुत ही डर गए और आपस में बोले; यह कौन है, कि आन्धी और पानी भी उस की आज्ञा मानते हैं?

मरकुस 4:35–41

- यीशुः वह ———— और मौसम ने आज्ञा मानी।
- हमः हम ———— करते हैं और परमेश्वर प्रतिउत्तर देता है।

✱ किसी बीमार को चंगा करने के बारे में सोचें

और यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उन की सभाओं में उपदेश करता और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और लोगों की हर प्रकार की बीमारी और दुर्बलता को दूर करता रहा।और सारे सूरिया में उसका यश फैल गया; और लोग सब बीमारों को, जो नाना प्रकार की बीमारियों और दुखों में जकड़े हुए थे, और जिन में दुष्टात्माएं थीं और मिर्गीवालों और झोले के मारे हुओं को उसके पास लाए और उस ने उन्हें चंगा किया।और गलील और दिकापुलिस और यरूशलेम और यहूदिया से और यरदन के पार से भीड़ की भीड़ उसके पीछे हो ली।।

मत्ती 4:23–25

- यीशुः ने चंगाई के लिए आदेश दियां
- हमः चंगाई के लिए मध्यस्ता।

✱ आत्मिक लड़ाई के बारे में विचार करें....

वह यीशु को दूर ही से देखकर दौड़ा, और उसे प्रणाम किया।और ऊंचे शब्द से चिल्लाकर कहा; हे यीशु, परमप्रधान परमेश्वर के पुत्रा, मुझे तुझ से क्या काम? मैं तुझे परमेश्वर की शपथ देता हूं, कि मुझे पीड़ा न दे।क्योंकि उस ने उस से कहा था, हे अशुद्ध आत्मा, इस मनुष्य में से निकल आ।उस ने उस से पूछा; तेरा कया नाम है? उस ने उस से कहा; मेरा नाम सेना है; क्योंकि हम बहुत हैं।और उस ने उस से बहुत बिनती की, हमें इस देश से बाहर न भेज।वहां पहाड़ पर सूअरों का एक बड़ा झुंड चर रहा था। और उन्हों ने उस से बिनती करके कहा, कि हमें उन सूअरों में भेज दे, कि हम उन के भीतर जाएं।सो उस ने उन्हें आज्ञा दी और अशुद्ध आत्मा निकलकर सूअरों के भीतर पैठ गई और झुंड, जो कोई दो हजार का था, कड़ाडे पर से झपटकर झील में जा पड़ा, और डूब मरा।

मरकुस 5:6–13

- यीशु : लोगों में से दुष्टात्माओं को भगा रहे थे।

- हम : कभी लोगों में से दुष्टात्माओं को नहीं भगाया।
- ⊡ अतः हम किस प्रकार से आत्मिक युद्ध को लड़ते हैं?
- ✱ रणभूमि में नये नियम की कलीसियाएं...
- इफिसुस–एक ऐसी कलीसिया जो चारो ओर से मूर्तिपूजा और अनैतिकता से भरी हुई थी।
- तुम्हारे पापों से पश्चाताप करों
- अपने पहले से प्रेम को फिर प्राप्त करों।
- स्मरना– सताव सह रही कलीसिया....
- विश्वास के द्वारा प्रभु पर ––––––।
- पिरगमुन –एक कलीसिया जिनके बीच में शैतान का सिंहासन स्थापित है.....
- अपने –––––– शुद्ध बनों
- अपने कार्यों में शुद्ध बनो।
- थुआतीरा की कलीसिया–एक ऐसी कलीसिया जो झूठी शिक्षाओं में फँसी हुई थी
- पवित्र –––––– सुने।
- पवित्र जीवन जीने के लिए समर्पित हों।
- सरदीस –ऐसी कलीसिया जो बुनियादी तौर पर मृतक थी
- ––––से फिरो।
- मसीह की ओर फिरो।
- फिलदिलफिया – ऐसी कलीसिया के लिए जिसका विरोध शैतान के अराधनालय के द्वारा हुआ....
- उसके –––––– को दृढ़ता से थामें रहो।
- उसके नाम की उदघोषणा करो।
- लौदिकिया – ऐसी कलीसिया के लिए जो गुनगुना है.....
- मसीह में अपने खजाने की खोज करो।
- मसीह से अपने जीवन को ––––––––––– ।
- अपनी आँखो को मसीह पर लगाकर रखो।
- ✱ दो प्राथमिक व जरूरी कार्य
- ––––––––– हो जाओ।
- एक रक्षात्मक मुद्रा।

निदान, प्रभु में और उस की शक्ति में बलवन्त बनो।परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो; कि तुम शैतान की युक्तियों के साम्हने खड़े रह सको।क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध, लोहू और मांस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं। इसलिये परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो, कि तुम बुरे दिन में साम्हना कर सको, और सब कुछ पूरा करके स्थिर रह सको।सो सत्य से अपनी कमर कसकर, और धार्मीकता की झिलम पहिन कर।और पांवों में मेल के सुसमाचार की तैयारी के जूते पहिन कर।उन सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर स्थिर रहो जिस से तुम उस दुष्ट के सब

जलते हुए तीरों को बुझा सको। और उद्धार का टोप, और आत्मा की तलवार जो परमेश्वर का वचन है, ले लो।और हर समय और हर प्रकार से आत्मा में प्रार्थना, और बिनती करते रहो, और इसी लिये जागते रहो, कि सब पवित्रा लोगों के लिये लगातार बिनती किया करो।

इफिसियों 6:10–18

सचेत हो, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह की नाई इस खोज में रहता है, कि किस को फाड़ खाए। विश्वास में दृढ़ होकर, और यह जानकर उसका साम्हना करो, कि तुम्हारे भाई जो संसार में हैं, ऐसे ही दुख भुगत रहे हैं। अब परमेश्वर जो सारे अनुग्रह का दाता है, जिस ने तुम्हें मसीह में अपनी अनन्त महिमा के लिये बुलाया, तुम्हारे थोड़ी देर तक दुख उठाने के बाद आप ही तुम्हें सिद्ध और स्थिर और बलवन्त करेगा। उसी का साम्राज्य युगानुयुग रहे। आमीन।।

1पतरस 5:8–11

इसलिये परमेश्वर के आधीन हो जाओ; और शैतान का साम्हना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा। परमेश्वर के निकट आओ, तो वह भी तुम्हारे निकट आएगाः हे पापियों, अपने हाथ शुद्ध करो; और हे दुचित्ते लोगों अपने हृदय को पवित्रा करो। दुखी होओ, और शोक करा, और रोओः तुम्हारी हंसी शोक से और तुम्हारा आनन्द उदासी से बदल जाए।प्रभु के साम्हने दीन बनो, तो वह तुम्हें शिरोमणि बनाएगा।

याकूब 4:7–10

- आगे ––––––।
- एक सुरक्षात्मक मुद्रा।

यीशु ने उन के पास आकर कहा, कि स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्रा और पवित्राात्मा के नाम से बपतिस्मा दो। और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओः और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूं।।

मत्ती 28:18–20

और मेरे लिये भी, कि मुझे बोलने के समय ऐसा प्रबल वचन दिया जाए, कि मैं हियाव से सुसमाचार का भेद बता सकूं जिस के लिये मैं जंजीर से जकड़ा हुआ राजदूत हूं।और यह भी कि मैं उस के विषय में जैसा मुझे चाहिए हियाव से बोलूं।।

इफिसियों 6:19–20

तीन मुख्य मोर्चे.....

- ––––––
- ––––––
- ––––––

और उस ने तुम्हें भी जिलाया, जो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे।जिन में तुम पहिले इस संसार की रीति पर, और आकाश के अधिकार के हाकिम अर्थात् उस आत्मा के अनुसार

चलते थे, जो अब भी आज्ञा न माननेवालों में कार्य करता है। इन में हम भी सब के सब पहिले अपने शरीर की लालसाओं में दिन बिताते थे, और शरीर, और मन की मनसाएं पूरी करते थे, और और लोगों के समान स्वभाव ही से क्रोध की सन्तान थे।

इफिसियों 2:1–3

यह ज्ञान वह नहीं, जो ऊपर से उतरता है बरन सांसारिक, और शारीरिक, और शैतानी है।

याकूब 3:15

तुम न तो संसार से और न संसार में की वस्तुओं से प्रेम रखोः यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उस में पिता का प्रेम नहीं है। क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा, और आंखों की अभिलाषा और जीविका का घमंड, वह पिता की ओर से नहीं, परन्तु संसार ही की ओर से है। और संसार और उस की अभिलाषाएं दोनों मिटते जाते हैं, पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहेगा।।

1यूहन्ना 2:15–17

हे बालको, किसी के भरमाने में न आना; जो धर्म के काम करता है, वही उस की नाईं धर्मी है।जो कोई पाप करता है, वह शैतान की ओर से है, क्योंकि शैतान आरम्भ ही से पाप करता आया हैः परमेश्वर का पुत्रा इसलिये प्रगट हुआ, कि शैतान के कामों को नाश करे।जो कोई परमेश्वर से जन्मा है वह पाप नहीं करता; क्योंकि उसका बीज उस में बना रहता हैः और वह पाप कर ही नहीं सकता, क्योंकि परमेश्वर से जन्मा है।इसी से परमेश्वर की सन्तान, और शैतान की सन्तान जाने जाते हैं; जो कोई धर्म के काम नहीं करता, वह परमेश्वर से नहीं, और न वह, जो अपने भाई से प्रेम नहीं रखता।

1यूहन्ना 3:7–10

- ⊡ हमारे ––––ओर संसार है।
- ⊡ एक अस्वस्थ सामाजिक वातावरण जिसके बीच में हम वास करते है।

हम जानते हैं, कि हम परमेश्वर से हैं, और सारा संसार उस दुष्ट के वश में पड़ा है।

1यूहन्ना 5:19

पर यह जान रख, कि अन्तिम दिनों में कठिन समय आएंगे।क्योंकि मनुष्य अपस्वार्थी, लोभी, डींगमार, अभिमानी, निन्दक, माता–पिता की आज्ञा टालनेवाले, कृतघ्न, अपवित्रा।मयारहित, क्षमारहित, दोष लगानेवाले, असंयमी, कठोर, भले के बैरी।विश्वासघाती, ढीठ, घमंडी, और परमेश्वर के नहीं बरन सुखविलास ही के चाहनेवाले होंगे।वे भक्ति का भेष तो धरेंगे, पर उस की शक्ति को न मानेंगे; ऐसों से परे रहना।

2तीमुथियुस 3:1–5

परन्तु हम ने संसार की आत्मा नहीं, परन्तु वह आत्मा पाया है, जो परमेश्वर की ओर से है, कि हम उन बातों को जानें, जो परमेश्वर ने हमें दी हैं।

1कुरिन्थियों 2:12

- ⊡ शरीर ——————— बसा है।
- ⊡ अन्दरूनी प्रृवति बुराई करने की ही है।

पर मैं कहता हूं, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे।क्योंकि शरीर आत्मा के विरोध में लालसा करती है, और ये एक दूसरे के विरोधी हैं; इसलिये कि जो तुम करना चाहते हो वह न करने पाओ।और यदि तुम आत्मा के चलाए चलते हो तो व्यवस्था के आधीन न रहे। शरीर के काम तो प्रगट हैं, अर्थात् व्यभिचार, गन्दे काम, लुचपन। मूर्त्ति पूजा, टोना, बैर, झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध, विरोध, फूट, विधर्म।डाह, मलवालापन, लीलाक्रीड़ा, और इन के ऐसे और और काम हैं, इन के विषय में मैं तुम को पहिले से कह देता हूं जैसा पहिले कह भी चुका हूं, कि ऐसे ऐसे काम करनेवाले परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे।पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, और कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, और संयम हैं; ऐसे ऐसे कामों के विरोध में कोई व्यवस्था नहीं।और जो मसीह यीशु के हैं, उन्हों ने शरीर को उस की लालसाओं और अभिलाषों समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है।।यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं, तो आत्मा के अनुसार चलें भी।

गलातियों 16:25

- ⊡ शैतान हमारे विरोध में है।
- ⊡ बुरी आत्माएं और उनकी दुष्टात्माएं हमारे जीवन में बुराई को बैठाना चाहते हैं।

सचेत हो, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह की नाई इस खोज में रहता है, कि किस को फाड़ खाए।

1पतरस 5:8

- ⊡ स्मरण रखें.....
- ⊡ बाइबल बुराईयों के तीनो के स्तर की विभिन्नताओं को बिना उन्हे ———————— बताती है।
- ⊡ बाईबल ———— की चर्चा करती है दुष्टात्माओं की नहीं।
- ★ संसार की सदृशता और दुनिया की दोस्ती से लड़ाई लड़ने का अर्थ है शैतान से लड़ाई को करना।
- ★ अन्धकार के झूठ और शरीर की अभिलाषाओं से लड़ना शैतान से लड़ना है।
- ⬥ ये सभी तीनो एक साथ मिलकर कार्य करते हैं।
- ★ शरीर ———— है
- ★ संसार ——————— हैं
- ★ शैतान लगातार काँटे पर चारा चढ़ा रहा है।
- ⬥ अतः आत्मिक युद्ध ——————— चलने वाला संधर्ष है यह एक बार का काम नहीं है।
- ⊡ हम युद्ध में जुड़ चुके हैं.....

और उसी में तुम पर भी जब तुम ने सत्य का वचन सुना, जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है, और जिस पर तुम ने विश्वास किया, प्रतिज्ञा किए हुए पवित्रा आत्मा की छाप लगी।वह उसके मोल लिए हुओं के छुटकारे के लिये हमारी मीरास का बयाना है, कि उस की महिमा की स्तुति हो।।

इफिसियों 6:13–15

- ★ हमें ––––– जवाब देना चाहिए।
- ★ हमें समझ के साथ जवाब देना चाहिए।
- ★ हमें भली प्रकार से जवाब देना चाहिए।
- ★ हमें सामूहिक रूप में जवाब देना चाहिए।
- ★ हमें ––––––– जवाब देना चाहिए।
- ⊡ युद्ध के लिए हथियार.....
- ⬥ परमेश्वर के सुरक्षा कवच
- ⬥ परमेश्वर के ––––– को प्रतिबिम्ब।
- ⬥ आत्मिक युद्ध का सन्दर्भ तकनीक से नहीं परन्तु चरित्र से है।
- ⬥ हमें परमेश्वर के चरित्र को उचित तरीके से स्वीकार करने की जरूरत है।

उसकी कटि का फेंटा धर्म और उसकी कमर का फेंटा सच्चाई होगी।।

यशायाह 11:5

उस ने धर्म को झिलम की नाई पहिन लिया, और उसके सिर पर उद्धार का टोप रखा गया; उस ने पलटा लेने का वस्त्रा धारण किया, और जलजलाहट को बागे की नाई पहिन लिया है।

यशायाह 59:17

पहाड़ों पर उसके पांव क्या ही सुहावने हैं जो शुभ समाचार लाता है, जो शान्ति की बातें सुनाता है और कल्याण का शुभ समाचार और उद्धार का सन्देश देता है, जो सिय्योन से कहता हे, तेरा परमेश्वर राज्य करता है।

यशायाह 52:7

उस ने मेरे मुंह को चोखी तलवार के समान बनाया और अपने हाथ की आड़ में मुझे छिपा रखा; उस ने मुझ को चमकिला तीर बनाकर अपने तर्कश में गुप्त रखा।

यशायाह 49:2

- ⬥ परमेश्वर की सामर्थ्य का एक प्रर्दन।
- ⬥ शक्ति का एक नया स्रोत

पर हम में से हर एक को मसीह के दान के परिमाण से अनुग्रह मिला है।इसलिये वह कहता है, कि वह ऊंचे पर चढ़ा, और बन्धुवाई को बान्ध ले गया, और मनुष्यों को दान दिए।(उसके चढ़ने से, और

क्या पाया जाता है केवल यह, कि वह पृथ्वी की निचली जगहों में उतरा भी था।और जो उतर गया यह वही है जो सारे आकाश के ऊपर चढ़ भी गया, कि सब कुछ परिपूर्ण करे)।

इफिसियों 4:7–10

- ––––– का एक नया उपाय।

क्योंकि उस ही के द्वारा हम दोनों की एक आत्मा में पिता के पास पंहुच होती है।

इफिसियों 2:18

- शक्ति का एक नया उददेश्य।

और प्रेम में चलो; जैसे मसीह ने भी तुम से प्रेम किया; और हमारे लिये अपने आप को सुखदायक सुगन्ध के लिये परमेश्वर के आगे भेंट करके बलिदान कर दिया।

इफिसियों 5:2

- सत्य का पटुका।
- मसीह के सन्दर्भ में सच्ची समझ को रखना।

क्योंकि यद्यपि हम शरीर में चलते फिरते हैं, तौभी शरीर के अनुसार नहीं लड़ते।क्योकि हमारी लड़ाई के हथियार शारीरिक नहीं, पर गढ़ों को ढा देने के लिये परमेश्वर के द्वारा सामर्थी हैं।सो हम कल्पनाओं को, और हर एक ऊंची बात को, जो परमेश्वर की पहिचान के विरोध में उठती है, खंडन करते हैं; और हर एक भावना को कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं।

2कुरिन्थियों 10:3–5

''यीशु पूर्ण रूप से मानव नहीं है''

हे प्रियों, हर एक आत्मा की प्रतीति न करोः बरन आत्माओं को परखो, कि वे परमेश्वर की ओर से हैं कि नहीं; क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता जगत में निकल खड़े हुए हैं।परमेश्वर का आत्मा तुम इसी रीति से पहचान सकते हो, कि जो कोई आत्मा मान लेती है, कि यीशु मसीह शरीर में होकर आया है वह परमेश्वर की ओर से है।और जो कोई आत्मा यीशु को नहीं मानती, वह परमेश्वर की ओर से नहीं; और वही तो मसीह के विरोधी की आत्मा है; जिस की चर्चा तुम सुन चुके हो, कि वह आनेवाला हैः और अब भी जगत में है।

1यूहन्ना 4:1–3

- ''यीशु पूर्ण रूप से परमेश्वर नहीं है।''

चौकस रहो कि कोई तुम्हें उस तत्व–ज्ञान और व्यर्थ धोखे के द्वारा अहेर न कर ले, जो मनुष्यों के परम्पराई मत और संसार की आदि शिक्षा के अनुसार है, पर मसीह के अनुसार नहीं।क्योंकि उस में ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है।और तुम उसी में भरपूर हो गए हो जो सारी प्रधानता और अधिकार का शिरोमणि है।

कुलुस्सियों 2:8–10

- यीशु श्रेष्ठ नहीं है।

वह उस की महिमा का प्रकाश, और उसके तत्व की छाप है, और सब वस्तुओं को अपनी सामर्थ के वचन से संभालता हैः वह पापों को धोकर ऊंचे स्थानों पर महामहिमन के दहिने जा बैठा।और

स्वर्गदूतों से उतना ही उत्तम ठहरा, जितना उस ने उन से बड़े पद का वारिस होकर उत्तम नाम पाया। क्योंकि स्वर्गदूतों में से उस ने कब किसी से कहा, कि तू मेरा पुत्रा है, आज तू मुझ से उत्पन्न हुआ? और फिर यह, कि मैं उसका पिता हूंगा, और वह मेरा पुत्रा होगा?

इब्रानियों 1:3–5

- '''यीशु पर्याप्त नहीं है।''

इसलिये खाने पीने या पर्ब्ब या नए चान्द, या सब्तों के विषय में तुम्हारा कोई फैसला न करे। क्योंकि ये सब आनेवाली बातों की छाया हैं, पर मूल वस्तुएं मसीह की हैं।कोई मनुष्य दीनता और स्वर्गदूतों की पूजा करके तुम्हें दोड़ के प्रतिफल से वंचित न करे। ऐसा मनुष्य देखी हुई बातों में लगा रहता है और अपनी शारीरिक समझ पर व्यर्थ फूलता है।

कुलुस्सियों 2:16–19

- जटिल ––––––– से सावधान रहो।
- यीशु बिना शरीर के।
- यीशु जो बहुत ––––– है।
- स्वस्थ,धनी यीशु।
- यीशु मेरा –––––।
- यीशु जिसने कोई कष्ट नहीं उठाया ।
- यीशु का कोई ––––––– नहीं था।
- यीशु के पास दिल नहीं।
- क्षमा न करने वाला यीशु।
- यीशु ––––––– नहीं करता है।
- झूठी ––––––– से सावधान रहो।

''यहां पर एक जबरजस्त प्रचारकीय गड़बड़ी है.....सच्चाई के लिए सच्चाई से खड़े होने की प्रचारकीय असफलता। इसके लिए केवल एक ही शब्द है–समझौताः प्रचारकीय कलीसियाओं ने इस युग के संसार के साथ में समझौता कर लिया है.....जिसमें सच्चाई संसार के सदृश व अनुकूल है।सच्चाई को सामना करने की जरूरत हैः प्यार के साथ सामना, लेकिन सामना करना जरूरी है। यदि बिना सच्चाई की सुनिश्चितता के हमारी ढीली ढाली प्रतिक्रियाएं समझौता करती हैं, तो अवश्य ही कुछ न कुछ गलत है।''

फ्रांसिस स्कैफर

झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो, जो भेड़ों के भेष में तुम्हारे पास आते हैं, परन्तु अन्तर में फाड़नेवाले भेड़िए हैं। उन के फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे क्या झाड़ियों से अंगूर, वा ऊंटकटारों से अंजीर तोड़ते हैं?इसी प्रकार हर एक अच्छा पेड़ अच्छा फल लाता है और निकम्मा पेड़ बुरा फल लाता है। अच्छा पेड़ बुरा फल नहीं ला सकता, और न निकम्मा पेड़ अच्छा फल ला सकता है। जो

जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा और आग में डाला जाता है। सो उन के फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे।

मत्ती 7—15—20

- झूठी शिक्षाएं विकृति पूर्ण है

देश में ऐसा काम होता है जिस से चकित और रोमांचित होना चाहिये। भविष्यद्वक्ता झूठमूठ भविष्यद्वाणी करते हैं; और याजक उनके सहारे से प्रभुता करते हैं; मेरी प्रजा को यह भाता भी है, परन्तु अन्त के समय तुम क्या करोगे?

यिर्मयाह 5:30—31

- झूठी शिक्षाएं सामर्थी होती हैं।

हे कपटी शास्त्रियों और फरीसियों तुम पर हाय! तुम एक जन को अपने मत में लाने के लिये सारे जल और थल में फिरते हो, और जब वह मत में आ जाता है, तो उसे अपने से दूना नारकीय बना देते हो।।

मत्ती 23:15

ताकि हम आगे को बालक न रहें, जो मनुष्यों की ठग—विद्या और चतुराई से उन के भ्रम की युक्तियों की, और उपदेश की, हर एक बयार से उछाले, और इधर—उधर घुमाए जाते हों।

इफिसियों 4:14

- झूठी शिक्षाएं खतरनाक होती हैं।

तुम तो भली भांति दौड रहे थे, अब किस ने तुम्हें रोक दिया, कि सत्य को न मानो।ऐसी सीख तुम्हारे बुलानेवाले की ओर से नहीं।थोड़ा सा खमीर सारे गूंधे हुए आटे को खमीर कर डालता है।मैं प्रभु पर तुम्हारे विषय में भरोसा रखता हूं, कि तुम्हारा कोई दूसरा विचार न होगा; परन्तु जो तुम्हें घबरा देता है, वह कोई क्यों न हो दंड पाएगा।परन्तु हे भाइयो, यदि मैं अब तक खतना का प्रचार करता हूं, तो क्यों अब तक सताया जाता हूं; फिर तो क्रूस की ठोकर जाती रही।भला होता, कि जो तुम्हें डांवाडोल करते हैं, वे काट डाले जाते!

गलातियों 5:7—12

- शैतान के धोखे से सावधान.....

कोई तुम्हें व्यर्थ बातों से धोखा न दे; क्योंकि इन ही कामों के कारण परमेश्वर का क्रोध आज्ञा न माननेवालों पर भड़कता है।

इफिसियों 5:6

धोखा न खाओ, परमेश्वर ठट्ठों में नहीं उड़ाया जाता, क्योंकि मनुष्य जो कुछ बोता है, वही काटेगा।

गलातियों 6:7

हे मेरे प्रिय भाइयों, धोखा न खाओ। क्योंकि हर एक अच्छा वरदान और हर एक उत्तम दान ऊपर ही से है, और ज्योतियों के पिता की ओर से मिलता है, जिस में न तो कोई परिवर्तन हो सकता है, ओर न अदल बदल के कारण उस पर छाया पड़ती है।

याकूब 1:16—17

* हम मसीह में ——————— की सच्ची समझ।
* हम मसीह के अनुग्रह के द्वारा उद्धार पाए हैं।

और उस ने तुम्हें भी जिलाया, जो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे।जिन में तुम पहिले इस संसार की रीति पर, और आकाश के अधिकार के हाकिम अर्थात् उस आत्मा के अनुसार चलते थे, जो अब भी आज्ञा न माननेवालों में कार्य करता है।इन में हम भी सब के सब पहिले अपने शरीर की लालसाओं में दिन बिताते थे, और शरीर, और मन की मनसाएं पूरी करते थे, और और लोगों के समान स्वभाव ही से क्रोध की सन्तान थे।

इफिसियों 2:1—3

* हम पहले क्या थे.......
* हम पापों में ————— हुए थे ।
* हम अन्धकार में अपना जीवन बिता रहे थे।
* हम अनाज्ञाकारिता की सन्तान थे।
* हम पापमय इच्छाओं के गुलाम थे।
* हम नरक के लिए —————— गये थे।
* उसने क्या किया......
*

हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, कि उस ने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आशीष दी है। जैसा उस ने हमें जगत की उत्पति से पहिले उस में चुन लिया, कि हम उसके निकट प्रेम में पवित्रा और निर्दोष हों।और अपनी इच्छा की सुमति के अनुसार हमें अपने लिये पहिले से ठहराया, कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्रा हों, कि उसके उस अनुग्रह की महिमा की स्तुति हो, जिसे उस ने हमें उस प्यारे में सेंत मेंत दिया।हम को उस में उसके लोहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है। जिसे उस ने सारे ज्ञान और समझ सहित हम पर बहुतायत से किया।कि उस ने अपनी इच्छा का भेद उस सुमति के अनुसार हमें बताया जिसे उस ने अपने आप में ठान लिया था।कि समयों के पूरे होने का ऐसा प्रबन्ध हो कि जो कुछ स्वर्ग में है, और जो कुछ पृथ्वी पर है, सब कुछ वह मसीह में एकत्रा करे।उसी में जिस में हम भी उसी की मनसा से जो अपनी इच्छा के मत के अनुसार सब कुछ करता है, पहिले से ठहराए जाकर मीरास बने।कि हम जिन्हों ने पहिले से मसीह पर आशा रखी थी, उस की महिमा की स्तुति के कारण हों।

और उसी में तुम पर भी जब तुम ने सत्य का वचन सुना, जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है, और जिस पर तुम ने विश्वास किया, प्रतिज्ञा किए हुए पवित्रा आत्मा की छाप लगी। वह उसके मोल लिए हुओं के छुटकारे के लिये हमारी मीरास का बयाना है, कि उस की महिमा की स्तुति हो। ।

इफिसियों1:3—14

* पिता ने हमारे उद्धार की ———— बनाई।

★ पुत्र ने उस उद्धार को ———— ।
★ पवित्र आत्मा हमारे उद्धार की ———— करता है।
★ अब हम कौन है.....
★ हम उसकी ————हैं।

क्योंकि पति पत्नी का सिर है जैसे कि मसीह कलीसिया का सिर है; और आप ही देह का उद्धारकर्ता है।

इफिसियों 5:23

- हम उसकी इमारत हैं।

इसलिये तुम अब विदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परन्तु पवित्रा लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए। और प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं की नेव पर जिस के कोने का पत्थर मसीह यीशु आप ही है, बनाए गए हो। जिस में सारी रचना एक साथ मिलकर प्रभु में एक पवित्रा मन्दिर बनती जाती है। जिस में तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का निवासस्थान होने के लिये एक साथ बनाए जाते हो।।

इफिसियों 2:19—22

- हम उसकी <u>दुल्हन</u> हैं।

हे पतियों, अपनी अपनी पत्नी से प्रेम रखो, जैसा मसीह ने भी कलीसिया से प्रेम करके अपने आप को उसके लिये दे दिया। कि उस को वचन के द्वारा जल के स्नान से शुद्ध करके पवित्रा बनाए। और उसे एक ऐसी तेजस्वी कलीसिया बनाकर अपने पास खड़ी करे, जिस में न कलंक, न झुर्री, न कोई ऐसी वस्तु हो, बरन पवित्रा और निर्दोष हो।

इफिसियों 5:25—27

- हम मसीह की ———— से भरे गये हैं।

और तुम्हारे मन की आंखें ज्योतिर्मय हों कि तुम जान लो कि उसके बुलाने से कैसी आशा हो ती है, और पवित्रा लोगों में उस की मीरास की महिमा का धन कैसा है। और उस की सामर्थ हमारी ओर जो विश्वास करते हैं, कितनी महान है, उस की शक्ति के प्रभाव के उस कार्य्य के अनुसार। जो उस ने मसीह के विषय में किया, कि उस को मरे हुओं में से जिलाकर स्वर्गीय स्थानों में अपनी दहिनी ओर। सब प्रकार की प्रधानता, और अधिकार, और सामर्थ, और प्रभुता के, और हर एक नाम के ऊपर, जो न केवल इस लोक में, पर आनेवाले लोक में भी लिया जाएगा, बैठाया। और सब कुछ उसके पांवों तले कर दियाः और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर कलीसिया को दे दिया। यह उसकी देह है, और उसी की परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।।
इफिसियों 1:18—23

- मसीह के पास मे ———————— अधिकार हैं।

क्योंकि पिता की प्रसन्नता इसी में है कि उस में सारी परिपूर्णता वास करे।

कुलुस्सियों 1:19

- वह जी उठा उद्धारकर्ता है।
- वह एक महीमित ––– है। वह सर्वश्रेष्ठ परमेश्वर है।
- कलीसिया परमेश्वर की परिपूर्णता है।

क्योंकि उस में ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है। और तुम उसी में भरपूर हो गए हो जो सारी प्रधानता और अधिकार का शिरोमणि है।
कुलुस्सियों 2:9–10

- धरती का सारा अधिकार ––––––– के पास है।

इसलिये मनुष्यों पर कोई घमंड न करे, क्योंकि सब कुछ तुम्हारा है। क्या पौलुस, क्या अपुल्लोस, क्या कैफा, क्या जगत, क्या जीवन, क्या मरण, क्या वर्तमान, क्या भविष्य, सब कुछ तुम्हारा है, और तुम मसीह के हो, और मसीह परमेश्वर का है।।

1कुरिन्थियों 3:21–23

- हम मसीह की ––––– को प्रगट करते हैं।
- परमेश्वर ने अपने पुत्र अर्थात मसीह की ––––– को इसलिए तैयार किया कि वह संसार पर अपने पुत्र की महिमा को प्रगट कर सके।

ताकि अब कलीसिया के द्वारा, परमेश्वर का नाना प्रकार का ज्ञान, उन प्रधानों और अधिकारियों पर, जो स्वर्गीय स्थानों में हैं प्रगट किया जाए। उस सनातन मनसा के अनुसार, जो उस ने हमारे प्रभु मसीह यीशु में की थीं।

इफिसियों 3:10–11

- परमेश्वर कहते हैं,'' ––––––– को देखो और तुम्हे मेरा पुत्र नजर आयेगा''।
- ✱ सत्य के पटुके में ––––––– शामिल होती है....
- परमेश्वर के साथ।
- हमारे साथ।
- दूसरों के साथ।
- ⊡ धार्मिकता की झिलम
- ✱ ––––– धार्मिकता नहीं।

11 फरीसी खड़ा होकर अपने मन में यों प्रार्थना करने लगा, कि हे परमेश्वर, मैं तेरा धन्यवाद करता हूं, कि मैं और मनुष्यों की नाई अन्धेर करनेवाला, अन्यायी और व्यभिचारी नहीं, और न इस चुंगी लेनेवाले के समान हूं। मैं सप्ताह में दो बार उपवास करता हूं; मैं अपनी सब कमाई का दसवां अंश भी देता हूं।13 परन्तु चुंगी लेनेवाले ने दूर खड़े होकर, स्वर्ग की ओर आंख उठाना भी न चाहा, बरन अपनी छाती पीट–पीटकर कहा; हे परमेश्वर मुझ पापी पर दया कर।

लूका 18:10–13

- **––––––––– धार्मिकता।**

जिन पर परमेश्वर ने प्रगट करना चाहा, कि उन्हें ज्ञात हो कि अन्यजातियों में उस भेद की महिमा का मूल्य क्या है? और वह यह है, कि मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहता है।

कुलुस्सियों 1:27

- ————————— जीवन।

वह तो अदृश्य परमेश्वर का प्रतिरूप और सारी सृष्टि में पहिलौठा है।

क्योंकि उसी में सारी वस्तुओं की सृष्टि हुई, स्वर्ग की हो अथवा पृथ्वी की, देखी या अनदेखी, क्या सिंहासन, क्या प्रभुतांए, क्या प्रधानताएं, क्या अधिकार, सारी वस्तुएं उसी के द्वारा और उसी के लिये सृजी गई हैं। और वही सब वस्तुओं में प्रथम है, और सब वस्तुएं उसी में स्थिर रहती हैं। और वही देह, अर्थात् कलीसिया का सिर है; वही आदि है और मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहिलौठा कि सब बातों में वही प्रधान ठहरे। क्योंकि पिता की प्रसन्नता इसी में है कि उस में सारी परिपूर्णता वास करे। और उसके क्रूस पर बहे हुए लोहू के द्वारा मेल मिलाप करके, सब वस्तुओं को उसी के द्वारा से अपने साथ मेल कर ले चाहे वे पृथ्वी पर की हों, चाहे स्वर्ग में की।

कुलुस्सियों 1:15–20

- वह परमेश्वर की तस्वीर है।
- वह सृष्टि का स्वामी है ।
- वह कलीसिया का सिर है।
- वह संसार का उद्धारकर्ता है।
- ———————— किया हुआ जीवन।

जो पाप से अज्ञात था, उसी को उस ने हमारे लिये पाप ठहराया, कि हम उस में होकर परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएं।।

2कुरिन्थियों 5:21

- उसने हमारे ———— को उठा लिया है।
- हम उसकी धार्मिकता से ढके हुए हैं।

मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूं, और अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है: और मैं शरीर में अब जो जीवित हूं तो केवल उस विश्वास से जीवित हूं, जो परमेश्वर के पुत्रा पर है, जिस ने मुझ से प्रेम किया, और मेरे लिये अपने आप को दे दिया।

गलातियों 2:20

- वह हमारे बदले मरा।
- अब हम उसका ————जीते हैं।
- एक ———————— जीवन।

जिन पर परमेश्वर ने प्रगट करना चाहा, कि उन्हें ज्ञात हो कि अन्यजातियों में उस भेद की महिमा का मूल्य क्या है? और वह यह है, कि मसीह जो महिमा की आशा है तुम में रहता है।

कुलुस्सियों 1:27

- आप मसीह में हैं।

जिस का प्रचार करके हम हर एक मनुष्य को जता देते हैं और सारे ज्ञान से हर एक मनुष्य को सिखाते हैं, कि हम हर एक व्यक्ति को मसीह में सिद्ध करके उपस्थित करें।

कुलुस्सियों 1:28

- मसीह परमेश्वर में है

क्योंकि तुम तो मर गए, और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है।

कुलुस्सियों 3:3

- एक ————— जीवन।

जब मसीह जो हमारा जीवन है, प्रगट होगा, तब तुम भी उसके साथ महिमा सहित प्रगट किए जाओगे।

कुलुस्सियों 3:4

- ★ मसीह आप में का अर्थ है कि मसीह आपमें ————— वास करता है।
- ★ व्यावहारिक धार्मिकता।

कि तुम अगले चालचलन के पुराने मनुष्यत्व को जो भरमानेवाली अभिलाषाओं के अनुसार भ्रष्ट होता जाता है, उतार डालो। और अपने मन के आत्मिक स्वभाव में नये बनते जाओ। और नये मनुष्यत्व को पहिन लो, जो परमेश्वर के अनुसार सत्य की धार्मिकता, और पवित्राता में सृजा गया है।।

इफिसियों 4:22–24

सो जब तुम मसीह के साथ जिलाए गए, तो स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहो, जहां मसीह वर्तमान है और परमेश्वर के दहिनी ओर बैठा है। पृथ्वी पर की नहीं परन्तु स्वर्गीय वस्तुओं पर ध्यान लगाओ। क्योंकि तुम तो मर गए, और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है। जब मसीह जो हमारा जीवन है, प्रगट होगा, तब तुम भी उसके साथ महिमा सहित प्रगट किए जाओगे।

कुलुस्सियों 3:1–4

- यीशु मसीह ——————— इसलिए मरा ताकि वह ————— जीवन व्यतीत कर सके।
- सच्चा आत्मिक रूपान्तरण अन्दर से होता है।
- यीशु मसीह को आपको उत्तम बनाने में कोई दिलचस्पी नहीं है वह आपको ———————करना चाहता है।
- मसीही जीवन, हम में बसने वाले मसीह को अपने व्यवहारिक जीवन में प्रगट करने के अलावा कुछ नहीं है।

हे मेरे बालकों, जब तक तुम में मसीह का रूप न बन जाए, तब तक मैं तुम्हारे लिये फिर जच्चा की सी पीड़ाएं सहता हूं।

गलातियों 4:19

- शान्ति के सुसमाचार की तैयारी के जूते।
- ✱ हमें सही मायनों में सुरक्षा प्रदान करने के लिए ——————— करने को तैयार रहने की जरूरत है।

पर मसीह को प्रभु जानकर अपने अपने मन में पवित्रा समझो, और जो कोई तुम से तुम्हारी आशा के विषय में कुछ पूछे, तो उसे उत्तर देने के लिये सर्वदा तैयार रहो, पर नम्रता और भय के साथ।

1पतरस 3:15

- ✱ सुसमाचार की शक्ति को जानने का सबसे बेहतर तरीका ——————— करना है।

कि तेरा विश्वास में सहभागी होना तुम्हारी सारी भलाई की पहिचान में मसीह के लिये प्रभावशाली हो।

फिलेमोन 1:6

- ✱ हमें यह स्मरण रखने की जरूरत है कि हम किसके हैं।

पौलुस की ओर से जो यीशु मसीह का दास है, और प्रेरित होने के लिये बुलाया गया, और परमेश्वर के उस सुसमाचार के लिये अलग किया गया है। जिस की उस ने पहिले ही से अपने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा पवित्रा शास्त्रा में। अपने पुत्रा हमारे प्रभु यीशु मसीह के विषय में प्रतिज्ञा की थी, जो शरीर के भाव से तो दाऊद के वंश से उत्पन्न हुआ। और पवित्राता की आत्मा के भाव से मरे हुओं में से जी उठने के कारण सामर्थ के साथ परमेश्वर का पुत्रा ठहरा है। जिस के द्वारा हमें अनुग्रह और प्रेरिताई मिली; कि उसके नाम के कारण सब जातियों के लोग विश्वास करके उस की मानें।

रोमियों 1:1–5

- हम सुसमाचार के ——————— हैं
- हमें सुसमाचार के साथ में भेजा गया है।
- हमें सुसमाचार के लिए ——————————— है।
- ✱ हम जिन बातों पर विश्वास करते हैं उन्हे हमें पहचानने की जरूरत है।

इसी कारण मैं ने सब से पहिले तुम्हें वही बात पहुंचा दी, जो मुझे पहुंची थी, कि पवित्रा शास्त्रा के वचन के अनुसार यीशु मसीह हमारे पापों के लिये मर गया।ओर गाड़ा गया; और पवित्रा शास्त्रा के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा। और कैफा को तब बारहों को दिखाई दिया।

1कुरिन्थियों 15:3–5

- ——————— का चरित्र।
- मनुष्य की पापमयता।

- ———————की पर्याप्तता।
- विश्वास की आवश्यकता।
- ——————— की अकस्मातकता।

★ हमें यह जाने की जरूरत है कि हम यहां पर क्यों हैं।

मैं यूनानियों और अन्यभाषियों का और बुद्धिमानों और निर्बुद्धियों का कर्जदार हूं।15 सो मैं तुम्हें भी जो रोम में रहते हो, सुसमाचार सुनाने को भरसक तैयार हूं।

रोमियों 1:14—15

- हम यहां पर उसके नाम को उठाने के लिए है।
- हम यहां पर सुसमाचार ——————— को भेदने के लिए है।
- हमारे पास में प्रार्थना करने की जिम्मेदारी है।
- हमारे पास ———————के लिए एक कर्ज है।

★ हमें निश्चय करने की जरूरत है कि हम कैसे जीवन व्यतीत करेंगे।

क्योंकि मैं सुसमाचार से नहीं लजाता, इसलिये कि वह हर एक विश्वास करनेवाले के लिये, पहिले तो यहूदी, फिर यूनानी के लिये उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ है। क्योंकि उस में परमेश्वर की धार्मिकता विश्वास से और विश्वास के लिये प्रगट होती है; जैसा लिखा है, कि विश्वास से धर्मी जन जीवित रहेगा।।

रोमियो 1:16—17.

हम इस प्रकार से जीयेगें कि हमें किसी से ——————— ।

हम इस प्रकार से जीयेगें कि हमें कोई ——————— ।

यहूदियों और यूनानियों में कुछ भेद नहीं, इसलिये कि वह सब का प्रभु है; और अपने सब नाम लेनेवालों के लिये उदार है। क्योंकि जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।फिर जिस पर उन्हों ने विश्वास नहीं किया, वे उसका नाम क्योंकर लें? और जिस की नहीं सुनी उस पर क्योंकर विश्वास करें? और प्रचारक बिना क्योंकर सुनें? और यदि भेजे न जाएं, तो क्योंकर प्रचार करें? जैसा लिखा है, कि उन के पांव क्या ही सोहावने हैं, जो अच्छी बातों का सुसमाचार सुनाते हैं।

रोमियों 10:12—15

- ⊡ विश्वास की ढाल
- ⊡ परमेश्वर के ——————— में विश्वास

क्योंकि यहोवा परमेश्वर सूर्य और ढाल है; यहोवा अनुग्रह करेगा, और महिमा देगा; और जो लोग खरी चाल चलते हैं; उन से वह कोई अच्छा पदार्थ रख न छोड़ेगा।

भजन संहिता 84:11

जिस ने अपने निज पुत्रा को भी न रख छोड़ा, परन्तु उसे हम सब के लिये दे दियाः वह उसके साथ हमें और सब कुछ क्योंकर न देगा?

रोमियों 8:32

★ परमेश्वर की ———————पर विश्वास

ईश्वर मनुष्य नहीं, कि झूठ बोले, और न वह आदमी है, कि अपनी इच्छा बदले। क्या जो कुछ उस ने कहा उसे न करे? क्या वह वचन देकर उस पूरा न करे?

गिनती 23:19

★ परमेश्वर की ––––– पर विश्वास।

पतरस की ओर से जो यीशु मसीह का प्रेरित है, उन परदेशियों के नाम, जो पुन्तुस, गलतिया, कप्पदुकिया, आसिया, और बिथुनिया में तित्तर बित्तर होकर रहते हैं।और परमेश्वर पिता के भविष्य ज्ञान के अनुसार, आत्मा के पवित्रा करने के द्वारा आज्ञा मानने, और यीशु मसीह के लोहू के छिड़के जाने के लिये चुने गए हैं। तुम्हें अत्यन्त अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।।हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, जिस ने यीशु मसीह को मरे हुओं में से जी उठने के द्वारा, अपनी बड़ी दया से हमें जीवित आशा के लिये नया जन्म दिया। अर्थात् एक अविनाशी और निर्मल, और अजर मीरास के लिये। जो तुम्हारे लिये स्वर्ग में रखी है, जिन की रक्षा परमेश्वर की सामर्थ से, विश्वास के द्वारा उस उद्धार के लिये, जो आनेवाले समय में प्रगट होनेवाली है, की जाती है।

1पतरस 1:1–5

हे नवयुवकों, तुम भी प्राचीनों के आधीन रहो, बरन तुम सब के सब एक दूसरे की सेवा के लिये दीनता से कमर बान्धे रहो, क्योंकि परमेश्वर अभिमानियों का साम्हना करता है, परन्तु दीनों पर अनुग्रह करता है। इसलिये परमेश्वर के बलवन्त हाथ के नीचे दीनता से रहो, जिस से वह तुम्हें उचित समय पर बढ़ाए। और अपनी सारी चिन्ता उसी पर डाल दो, क्योंकि उस को तुम्हारा ध्यान है। सचेत हो, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह की नाई इस खोज में रहता है, कि किस को फाड़ खाए।विश्वास में दृढ़ होकर, और यह जानकर उसका साम्हना करो, कि तुम्हारे भाई जो संसार में हैं, ऐसे ही दुख भुगत रहे हैं। अब परमेश्वर जो सारे अनुग्रह का दाता है, जिस ने तुम्हें मसीह में अपनी अनन्त महिमा के लिये बुलाया, तुम्हारे थोड़ी देर तक दुख उठाने के बाद आप ही तुम्हें सिद्ध और स्थिर और बलवन्त करेगा। उसी का साम्राज्य युगानुयुग रहे। आमीन।।

1पतरस 5:5–11

- विश्वास जो अग्निमय तीरों को भी बुझा दे.....
- –––––,परीक्षाएं,झूठ, धोखे, आक्रमण।
- जब हम कोई महत्वपूर्ण विश्वास का कदम उठाते हैं।
- जब हम शत्रु के ––––– में कदम रखते हैं।
- जब हम शैतान की असलियत का खुलासा करते हैं।
- जब हम लम्बे समय से पाप तरीकों से भरे जीवन या अशुद्ध रिश्तों से तौबा करते हैं।
- जब परमेश्वर हमें व्यक्तिगत तौर पर या सामुहिक तौर पर, अपनी महिमा के कार्यों के लिए तैयार कर रहा है।
- उद्धार का टोपा
- आत्मिक जीवन में विजय,उद्धार की ––––– समझ को मजबूती से प्राप्त करने पर आधारित होती है।

★ हमें बचाया गया है।

हम जो जन्म के यहूदी हैं, और पापी अन्यजातियों में से नहीं। तौभी यह जानकर कि मनुष्य व्यवस्था के कामों से नहीं, पर केवल यीशु मसीह पर विश्वास करने के द्वारा धर्मी ठहरता है, हम ने आप भी मसीह यीशु पर विश्वास किया, कि हम व्यवस्था के कामों से नहीं पर मसीह पर विश्वास करने से धर्मी ठहरें; इसलिये कि व्यवस्था के कामों से कोई प्राणी धर्मी न ठहरेगा। हम जो मसीह में धर्मी ठहरना चाहते हैं, यदि आप ही पापी निकलें, तो क्या मसीह पाप का सेवक है? कदापि नहीं। क्योंकि जो कुछ मैं ने गिरा दिया, यदि उसी को फिर बनाता हूं, तो अपने आप को अपराधी ठहराता हूं। मैं जो व्यवस्था के द्वारा व्यवस्था के लिये मर गया, कि परमेश्वर के लिये जीऊं।मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूं, और अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित हैः और मैं शरीर में अब जो जीवित हूं तो केवल उस विश्वास से जीवित हूं, जो परमेश्वर के पुत्रा पर है, जिस ने मुझ से प्रेम किया, और मेरे लिये अपने आप को दे दिया।

गलातियों 2:15—20

''तुम परमेश्वर के सम्मुख धार्मिक कैसे हो? केवल प्रभु यीशु में सच्चे विश्वास के कारण। इसकी बदौलत कि मेरा विवेक खुद इस बात के लिए मुझ पर दोष लगाता है कि मैंने परमेश्वर की सारी आज्ञाओं के विरूद्ध अनेकों धिनौने पाप किये हैं और उसकी आज्ञाओं में से एक को भी नहीं माना, और आज भी मैं उन कामों को करता हूँ जो बुरे हैं, फिर भी परमेश्वर मेरी परीक्षा लिए बगैर, अपने अनुग्रह के तहत, मुझे मसीह के बलिदान के सारे फायदे प्रदान करता है, मुझ पर अपनी धार्मिकता और पवित्रता की चादर को इस प्रकार उढ़ाता है जैसे मानो मैं ने कभी कोई पाप किया ही न हो या मैं पापी ही न हूँ, उन सारी आज्ञाकारिताओ के बदले जो उसने मेरे लिए पूरी की,यदि केवल मैं उसके इस अनुग्रह को भरोसेमन्द ह्रदय के साथ स्वीकार करूँ।''

हेडल बग्र कैटिज्म,प्रश्न 60

धर्मी ठहराना........ पापों के —————— से छुटकारा।

★ हमें बचाया जा —————।

क्योंकि क्रूस की कथा नाश होनेवालों के निकट मूर्खता है, परन्तु हम उद्धार पानेवालों के निकट परमेश्वर की सामर्थ है। 1 कुरिन्थियों 1:18

सो हे मेरे प्यारो, जिस प्रकार तुम सदा से आज्ञा मानते आए हो, वैसे ही अब भी न केवल मेरे साथ रहते हुए पर विशेष करके अब मेरे दूर रहने पर भी डरते और कांपते हुए अपने अपने उद्धार का कार्य पूरा करते जाओ।क्योंकि परमेश्वर ही है, जिस ने अपनी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला है। फिलिप्पियों 2:12—13

- शुद्धिकरण .... पाप की ————— से आजादी।

★ हम बचाए —————।

और हम जानते हैं, कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उन के लिये सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती है; अर्थात् उन्हीं के लिये जो उस की इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं।क्योंकि जिन्हें उस ने पहिले से जान लिया है उन्हें पहिले से ठहराया भी है कि उसके पुत्रा के स्वरूप में हों ताकि वह बहुत भाइयों में पहिलौठा ठहरे।फिर जिन्हें उस ने पहिले से ठहराया, उन्हें बुलाया भी, और जिन्हें बुलाया, उन्हें धर्मी भी ठहराया है, और जिन्हें धर्मी ठहराया, उन्हें महिमा भी दी है।।

रोमियों 8:28–30

- ⊡ महिमान्वित होना..... पाप की ——————— से आज़ादी।
- ★ आत्मा की तलवार
- ★ एक सुरक्षात्मक ——— आक्रामक हथियार।

क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित, और प्रबल, और हर एक दोधारी तलवार से भी बहुत चोखा है, और जीव, और आत्मा को, और गांठ गांठ, और गूदे गूदे को अलग करके, वार पार छेदता है; और मन की भावनाओं और विचारों को जांचता है।

इब्रानियों 4:12

- ★ समझौता न किया जाने वाला हथियार।

तब उस समय आत्मा यीशु को जंगल में ले गया ताकि इब्लीस से उस की परीक्षा हो। वह चालीस दिन, और चालीस रात, निराहार रहा, अन्त में उसे भूख लगी। तब परखनेवाले ने पास आकर उस से कहा, यदि तू परमेश्वर का पुत्रा है, तो कह दे, कि ये पत्थर रोटियां बन जाएं। उस ने उत्तर दिया; कि लिखा है कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा। तब इब्लीस उसे पवित्रा नगर में ले गया और मन्दिर के कंगूरे पर खड़ा किया।और उस से कहा यदि तू परमेश्वर का पुत्रा है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है, कि वह तेरे विषय में अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा; और वे तुझे हाथों हाथ उठा लेंगे; कहीं ऐसा न हो कि तेरे पांवों में पत्थर से ठेस लगे। यीशु ने उस से कहा; यह भी लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न कर। फिर शैतान उसे एक बहुत ऊंचे पहाड़ पर ले गया और सारे जगत के राज्य और उसका विभव दिखाकर उस से कहा, कि यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूंगा। तब यीशु ने उस से कहा; हे शैतान दूर हो जा, क्योंकि लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर। तब शैतान उसके पास से चला गया, और देखो, स्वर्गदूत आकर उस की सेवा करने लगे।।

मत्ती 4:11

- ⊡ वचन को ———।
- ⊡ वचन का अध्ययन करें।
- ⊡ वचन को ———— करें।
- ⊡ वचन पर मनन करें।
- ⊡ वचन का ——— करें।

★ प्रार्थना प्रार्थना आत्मिक युद्ध का ———— है।

और हर समय और हर प्रकार से आत्मा में प्रार्थना, और बिनती करते रहो, और इसी लिये जागते रहो, कि सब पवित्रा लोगों के लिये लगातार बिनती किया करो।और मेरे लिये भी, कि मुझे बोलने के समय ऐसा प्रबल वचन दिया जाए, कि मैं हियाव से सुसमाचार का भेद बता सकूं जिस के लिये मैं जंजीर से जकड़ा हुआ राजदूत हूं।और यह भी कि मैं उस के विषय में जैसा मुझे चाहिए हियाव से बोलूं।।

इफिसियों 6:18–20

★ हमें नियमित रूप में प्रार्थना करना चाहिए।
★ हमें ———————— से प्रार्थना करना चाहिए।
★ हमें योजनाबद्ध तरीके से प्रार्थना करना चाहिए।

और वे प्ररितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने में और रोटी तोड़ने में और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।।

प्रेरितों के काम 2:42

- नये नियम की कलीसिया ने प्रार्थना की.....
- उस परमेश्वर से जो संसार की हर चीज से ——— है।

वे छूटकर अपने साथियों के पास आए, और जो कुछ महायाजकों और पुरनियों ने उन से कहा था, उनको सुना दिया।

प्रेरितों के काम 4:23

उस परमेश्वर से जो हमारी सारी जरूरतों में ———— करता है।

न किसी वस्तु का प्रयोजन रखकर मनुष्यों के हाथों की सेवा लेता है, क्योंकि वह तो आप ही सब को जीवन और स्वास और सब कुछ देता है।

प्रेरितों के काम 17:25

- नये नियम की कलीसिया ने इसलिए प्रार्थना की ....
- वे पूरी तरह से परमेश्वर की ———— पर निर्भर थे।

जब वे प्रार्थना कर चुके, तो वह स्थान जहां वे इकट्ठे थे हिल गया, और वे सब पवित्रा आत्मा से परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन हियाव से सुनाते रहे।।

प्रेरितों के काम 4:31

- वे परमेश्वर के ———— को प्राप्त करने के लिए बेताब थे।

और प्रेरित बड़ी सामर्थ से प्रभु यीशु के जी उठने की गवाही देते रहे और उन सब पर बड़ा अनुग्रह था।

प्रेरितों के काम 4:33

- वे पूरी तरह से परमेश्वर के ––––– के समर्पित थे।

अब, हे प्रभु, उन की धमकियों को देख; और अपने दासों को यह बरदान दे, कि तेरा वचन बड़े हियाव से सुनाएं।

प्रेरितों के काम 4:29

- नये नियम की कलीसिया ने प्रार्थना की .....जब
- वे एक साथ इकट्ठा थे।

ये सब कई स्त्रियों और यीशु की माता मरियम और उसके भाइयों के साथ एक चित्त होकर प्रार्थना में लगे रहे।।

प्रेरितो के काम 1:14

अन्ताकिया की कलीसिया में कितने भविष्यद्वक्ता और उपदेशक थे; अर्थात् बरनबास और शमौन जो नीगर कहलाता है; और लूकियुस कुरेनी, और देश की चौथाई के राजा हेरोदेस का दूधभाई मनाहेम और शाऊल। जब वे उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्रा आत्मा ने कहा; मेरे निमित्त बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिस के लिये मैं ने उन्हें बुलाया है। तब उन्हों ने उपवास और प्रार्थना करके और उन पर हाथ रखकर उन्हें विदा किया।।सो वे पवित्रा आत्मा के भेजे हुए सिलूकिया को गए; और वहां से जहाज पर चढ़कर कुप्रुस को चले।

प्रेरितों के काम 13:1–4

जब वे ––––––– हो गये थे।

और वे फ्रूगिया और गलतिया देशों में से होकर गए, और पवित्रा आत्मा ने उन्हें ऐशिया में वचन सुनाने से मना किया। और उन्हों ने मूसिया के निकट पहुंचकर, बितूनिया में जाना चाहा; परन्तु यीशु के आत्मा ने उन्हें जाने न दिया। सो मूसिया से होकर वे त्रोआस में आए।

प्रेरितों के काम 16: 6–8

- नये नियम की कलीसिया ने .....
- परमेश्वर के वचन की ––––– के लिए प्रार्थना की ।

और जो कुछ तुम मेरे नाम से मांगोगे, वही मैं करूंगा कि पुत्रा के द्वारा पिता की महिमा हो।

यूहन्ना 14:13

- एक दूसरे व संसार की जरूरतों के लिए प्रार्थना की।

सो बन्दीगृह में पतरस की रखवाली हो रही थी; परन्तु कलीसिया उसके लिये लौ लगाकर परमेश्वर से प्रार्थना कर रही थी।

प्रेरितों के काम 12:5

परमेश्वर की अराधना को फैलाने के लिए प्रार्थना की।

सो तुम इस रीति से प्रार्थना किया करो; "हे हमारे पिता, तू जो स्वर्ग में हैं; तेरा नाम पवित्रा माना जाए। तेरा राज्य आए; तेरी इच्छा जैसी स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे पृथ्वी पर भी हो।

मत्ती 6:9–10

- कुरिन्थ में युद्ध.....
- ★ सच्चाई का पटुका

परन्तु सचमुच तुम में बड़ा दोष तो यह है, कि आपस में मुकद्दमा करते होः बरन अन्याय क्यों नहीं सहते? अपनी हानि क्यों नहीं सहते? 1कुरिन्थियों 6:7

इसीलिये स्वर्गदूतों के कारण स्त्राी को उचित है, कि अधिकार अपने सिर पर रखे।

कुरिन्थियों 11:10

क्योंकि यदि मैं घमंड करना चाहूं भी तो मूंर्ख न हूंगा, क्योंकि सच बोलूंगा; तोभी रूक जाता हूं, ऐसा न हो, कि जैसा कोई मुझे देखता है, या मुझ से सुनता है, मुझे उस से बढ़कर समझे।

2कुरिन्थियों 12:6

क्योंकि हम सत्य के विरोध में कुछ नहीं कर सकते, पर सत्य के लिये कर सकते हैं।

2 कुरिन्थियों 13:8

- ★ धार्मिकता की झिलम...

जो पाप से अज्ञात था, उसी को उस ने हमारे लिये पाप ठहराया, कि हम उस में होकर परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएं।। 2कुरिन्थियों 5:21

हमें अपने ह्रदय में जगह दोः हम ने न किसी से अन्याय किया, न किसी को बिगाड़ा, और न किसी को ठगा।

2 कुरिन्थियों 7:2

सच्चे प्रेम से, सत्य के वचन से, परमेश्वर की सामर्थ से; धार्मिकता के हथियारों से जो दहिने, बाएं हैं।

2कुरिन्थियों 6:7

- शान्ति के सुसमाचार की तैयारी के जूते

और सब बातें परमेश्वर की ओर से हैं, जिस ने मसीह के द्वारा अपने आप हमारा मेल मिलाप कर लिया, और मेल मिलाप की सेवा हमें सौंप दी है। अर्थात् परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का मेल मिलाप कर लिया, और उन के अपराधों का दोष उन पर नहीं लगाया और उस ने मेल मिलाप का वचन हमें सौंप दिया है।। सो हम मसीह के राजदूत हैं; मानो परमेश्वर हमारे द्वारा समझाता हैः हम मसीह की ओर से निवेदन करते हैं, कि परमेश्वर के साथ मेल मिलाप कर लो।

2 कुरिन्थियों 5:18–20

यदि कोई तुम्हारे पास आकर, किसी दूसरे यीशु को प्रचार करे, जिस का प्रचार हम ने नहीं कियाः या कोई और आत्मा तुम्हें मिले; जो पहिले न मिला था; या और कोई सुसमाचार जिसे तुम ने पहिले न माना था, तो तुम्हारा सहना ठीक होता।

2 कुरिन्थियों 11:4

क्योंकि हम अपनी सीमा से बाहर अपने आप को बढ़ाना नहीं चाहते, जैसे कि तुम तक न पहुंचने की दशा में होता, बरन मसीह का सुसमाचार सुनाते हुए तुम तक पहुंच चुके हैं।

2 कुरिन्थियों10:14

इस बेधड़क घमंड से बोलने में जो कुछ मैं कहता हूं वह प्रभू की आज्ञा के अनुसार नहीं पर मानों मूर्खता से ही कहता हूं।

2 कुरिन्थियों 11:17

- विश्वास की ढाल..

क्योंकि हम रूप को देखकर नहीं, पर विश्वास से चलते हैं।

2 कुरिन्थियों 5:7

परन्तु हर बात में परमेश्वर के सेवकों की नाई अपने सद्गुणों को प्रगट करते हैं, बड़े धैर्य से, क्लेशों से, दरिद्रता से, संकटो से।कोड़े खाने से, कैद होने से, हुल्लड़ों से, परिश्रम से, जागते रहने से, उपवास करने से। पवित्राता से, ज्ञान से, धीरज से, कृपालुता से, पवित्रा आत्मा से। सच्चे प्रेम से, सत्य के वचन से, परमेश्वर की सामर्थ से; धार्मिकता के हथियारों से जो दहिने, बाएं हैं। आदर और निरादर से, दुरनाम और सुनाम से, यद्यपि भरमानेवालों के ऐसे मालूम होते हैं तौभी सच्चे हैं। अनजानों के सदृश्य हैं; तौभी प्रसिद्ध हैं; मरते हुओं के ऐसे हैं और देखों जीवित हैं; मारखानेवालों के सदृश हैं परन्तु प्राण से मारे नहीं जाते। शोक करनेवाले के समान हैं, परन्तु सर्वदा आनन्द करते हैं, कंगालों के ऐसे हैं, परन्तु बहुतों को धनवान बना देते हैं; ऐसे हैं जैसे हमारे पास कुछ नहीं तौभी सब कुछ रखते हैं।

2 कुरिन्थियों 6:4–10

(मैं पागल की नाई कहता हूं) मैं उन से बढ़कर हूं! अधिक परिश्रम करने में; बार बार कैद होने में; कोड़े खाने में; बार बार मृत्यु के जोखिमों में। पांच बार मैं ने यहूदियों के हाथ से उन्तालीस

उन्तालीस कोड़े खाए। तीन बार मैं ने बेंतें खाई; एक बार पत्थरवाह किया गया; तीन बार जहाज जिन पर मैं चढ़ा था, टूट गए; एक रात दिन मैं ने समुद्र में काटा।

मैं बार बार यात्राओं में; नदियों के जोखिमों में; डाकुओं के जोखिमों में; अपने जातिवालों से जोखिमों में; अन्यजातियों से जोखिमों में; नगरों में के जाखिमों में; जंगल के जोखिमों में; समुद्र के जाखिमों में; झूठे भाइयों के बीच जोखिमों में;परिश्रम और कष्ट में; बार बार जागते रहने में; भूख–पियास में; बार बार उपवास करने में; जाड़े में; उघाड़े रहने में।और और बातों को छोड़कर जिन का वर्णन मैं नहीं करता सब कलीसियाओं की चिन्ता प्रतिदिन मुझे दबाती है। किस की निर्बलता से मैं निर्बल नहीं होता? किस के ठोकर खाने से मेरा जी नहीं दुखता? यदि घमंड करना अवश्य है, तो मैं अपनी निर्बलता की बातों पर करूंगा। यदि घमंड करना अवश्य है, तो मैं अपनी निर्बलता की बातों पर करूंगा। दमिश्क में अरितास राजा की ओर से जो हाकिम था, उस ने मेरे पकड़ने को दमिशिकियों के नगर पर पहरा बैठा रखा था। और मैं टोकरे में खिड़की से होकर भीत पर से उतारा गया, और उसके हाथ से बच निकला।।

2 कुरिन्थियों11:23–33

★ उद्धार का टोप

और सब बातें परमेश्वर की ओर से हैं, जिस ने मसीह के द्वारा अपने आप हमारा मेल मिलाप कर लिया, और मेल मिलाप की सेवा हमें सौंप दी है। अर्थात् परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का मेल मिलाप कर लिया, और उन के अपराधों का दोष उन पर नहीं लगाया और उस ने मेल मिलाप का वचन हमें सौंप दिया है।। सो हम मसीह के राजदूत हैं; मानो परमेश्वर हमारे द्वारा समझाता हैः हम मसीह की ओर से निवेदन करते हैं, कि परमेश्वर के साथ मेल मिलाप कर लो।जो पाप से अज्ञात था, उसी को उस ने हमारे लिये पाप ठहराया, कि हम उस में होकर परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएं।।

2 कुरिन्थियों 5:18–21

क्योंकि वह तो कहता है, कि अपनी प्रसन्नता के समय मैं ने तेरी सुन ली, और उद्धार के दिन मैने तेरी सहायता कीः देखो, अभी वह प्रसन्नता का समय हैः देखो, अभी वह उद्धार का दिन है।

2 कुरिन्थियों 6:2

★ आत्मा की तलवार

जिस ने हम पर छाप भी कर दी है और बयाने में आत्मा को हमारे मनों में दिया।।

2 कुरिन्थियों 1:22

जिस ने हमें नई वाचा के सेवक होने के योग्य भी किया, शब्द के सेवक नहीं बरन आत्मा के; क्योंकि शब्द मारता है, पर आत्मा जिलाता है।

2 कुरिन्थियों 3:6

तो आत्मा की वाचा और भी तेजोमय क्यों न होगी?

2 कुरिन्थियों 3:8

प्रभु तो आत्मा हैः और जहां कहीं प्रभु का आत्मा है वहां स्वतंत्राता है। परन्तु जब हम सब के उघाड़े चेहरे से प्रभु का प्रताप इस प्रकार प्रगट होता है, जिस प्रकार दर्पण में, तो प्रभु के द्वारा जो आत्मा है, हम उसी तेजस्वी रूप में अंश अंश कर के बदलते जाते हैं।।

2 कुरिन्थियों 3:17–18

और जिस ने हमें इसी बात के लिये तैयार किया है वह परमेश्वर है, जिस ने हमें बयाने में आत्मा भी दिया है।

2 कुरिन्थियों 5:5

प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह और परमेश्वर का प्रेम और पवित्रा आत्मा की सहभागिता तुम सब के साथ होती रहे।।

2 कुरिन्थियों13:14

और हम अपने परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं, कि तुम कोई बुराई न करो; इसलिये नहीं, कि हम खरे देख पड़ें, पर इसलिये कि तुम भलाई करो, चाहे हम निकम्मे ही ठहरें।

2 कुरिन्थियों 13:7

जब हम निर्बल हैं, और तुम बलवन्त हो, तो हम आनन्दित होते हैं, और यह प्रार्थना भी करते हैं, कि तुम सिद्ध हो जाओ।

2 कुरिन्थियों13:9

प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह और परमेश्वर का प्रेम और पवित्रा आत्मा की सहभागिता तुम सब के साथ होती रहे।।

2 कुरिन्थियों 13:14

विवादास्पद प्रश्न

छुटकारे की सेवकाई का क्या अभिप्राय है?

- ⊡ छुटकारे की सेवकाई में ———————— शामिल होता है।
- ⊡ उदहारण.....

और उसी समय, उन की सभा के घर में एक मनुष्य था, जिस में एक अशुद्ध आत्मा थी। उस ने चिल्लाकर कहा, हे यीशु नासरी, हमें तुझ से क्या काम? क्या तू हमें नाश करने आया है? मैं तुझे जानता हूं, तू कौन है? परमेश्वर का पवित्रा जन! यीशु ने उसे डांटकर कहा, चुप रह; और उस में से निकल जा। तब अशुद्ध आत्मा उस को मरोड़कर, और बड़े शब्द से चिल्लाकर उस में से निकल गई। इस पर सब लोग आश्चर्य करते हुए आपस में वाद–विवाद करने लगे कि यह क्या बात है? यह तो कोई नया उपदेश है! वह अधिकार के साथ अशुद्ध आत्माओं को भी आज्ञा देता है, और वे

उस की आज्ञा मानती हैं। सो उसका नाम तुरन्त गलील के आस पास के सारे देश में हर जगह फैल गया।। मरकुस 1:23–28

वे सत्तर आनन्द से फिर आकर कहने लगे, हे प्रभु, तेरे नाम से दुष्टात्मा भी हमारे वश में है।उस ने उन से कहा; मैं शैतान को बिजली की नाई स्वर्ग से गिरा हुआ देख रहा था। देखो, मैने तुम्हे सांपों और बिच्छुओं को रौंदने का, और शत्रु की सारी सामर्थ पर अधिकार दिया है; और किसी वस्तु से तुम्हें कुछ हानि न होगी।तौभी इस से आनन्दित मत हो, कि आत्मा तुम्हारे वश में हैं, परन्तु इस से आनन्दित हो कि तुम्हारे नाम स्वर्ग पर लिखे हैं।।

लूका 10:17–20

जो तित्तर बित्तर हुए थे, वे सुसमाचार सुनाते हुए फिरे। और फिलिप्पुस सामरिया नगर में जाकर लोगों में मसीह का प्रचार करने लगा।और जो बातें फिलिप्पुस ने कहीं उन्हें लोगों ने सुनकर और जो चिन्ह वह दिखाता था उन्हें देख देखकर, एक चित्त होकर मन लगाया।क्योंकि बहुतों में से अशुद्ध आत्माएं बड़े शब्द से चिल्लाती हुई निकल गई, और बहुत से झोले के मारे हुए और लंगडे भी अच्छे किए गए।और उस नगर में बड़ा आनन्द हुआ।।

प्रेरितो के काम 8:4–8

परन्तु इलीमास टोन्हे ने, क्योंकि यही उसके नाम का अर्थ है उन का साम्हना करके, सूबे को विश्वास करने से रोकना चाहा।तब शाऊल ने जिस का नाम पौलुस भी है, पवित्रा आत्मा से परिपूर्ण हो उस की ओर टकटकी लगाकर कहा। हे सारे कपट और सब चतुराई से भरे हुए शैतान की सन्तान, सकल धर्म के बैरी, क्या तू प्रभु के सीधे मार्गों को टेढ़ा करना न छोड़ेगा?अब देख, प्रभु का हाथ तुझ पर लगा है; और तू कुछ समय तक अन्धा रहेगा और सूर्य को न देखेगाः तब तुरन्त धुन्धलाई और अन्धेरा उस पर छा गया, और वह इधर उधर टटोलने लगा, ताकि कोई उसका हाथ पकड़के ले चले।

प्रेरितों के काम 13:8–11

जब हम प्रार्थना करने की जगह जा रहे थे, तो हमें एक दासी मिली जिस में भावी कहनेवाली आत्मा थी; और भावी कहने से अपने स्वामियों के लिये बहुत कुछ कमा लाती थी। वह पौलुस के और हमारे पीछे आकर चिल्लाने लगी कि ये मनुष्य परम प्रधान परमेश्वर के दास हैं, जो हमें उद्धार के मार्ग की कथा सुनाते हैं। वह बहुत दिन तक ऐसा ही करती रही, परन्तु पौलुस दुःखित हुआ, और मुंह फेरकर उस आत्मा से कहा, मैं तुझे यीशु मसीह के नाम से आज्ञा देता हूं, कि उस में से निकल जा और वह उसी घड़ी निकल गई।।

प्रेरितों के काम 16:16–18

⊡ पद....

★ छुटकारे की सेवकाई हमें हमारे चारों ओर मौजूद आत्मिक संसार की ––––– याद दिला देती है।

★ छुटकारे की सेवकाई इस विचार को चुनौति देती है कि व्यक्तिगत परेशानियां को मनोवैज्ञानिक, सामाजिक,शारीरिक या परिस्थितियों सम्बन्धी कारको में तबदील किया जा सकता है।

★ छुटकारे की सेवकाई प्रार्थना व बाईबल आधारित अनेकों आत्मिक युद्ध करने के तरीकों पर जोर डालती है।

⊡ समस्याएं.....

★ ———————।

★ कट्टरपन।

★ ———————।

★ अनुभववाद।

★ ————————— ।

⊡ छुटकारे की सेवकाई के लिए दो मुख्य वाद विवाद.....

★ ———— और उसके चेलों ने यह किया।

★ बाइबल इसके लिए ———————— नहीं करती।

⊡ इन तर्को में छुटकारे की सेवकाई के लिए दो मुख्य गलतियां...

★ वे नैतिक और प्राकृतिक बुराईयों के ——— को बताने में असफल रहे, दुष्टात्मा को निकालना नैतिक बुराई का मामला है, जिसके बारे में न तो वचन में लिखा गया और न ही सिखाया गया।

जब शमौन ने देखा कि प्रेरितों के हाथ रखने से पवित्रा आत्मा दिया जाता है, तो उन के पास रूपये लाकर कहा। कि यह अधिकार मुझे भी दो, कि जिस किसी पर हाथ रखूं, वह पवित्रा आत्मा पाए। पतरस ने उस से कहा; तेरे रूपये तेरे साथ नाश हों, क्योंकि तू ने परमेश्वर का दान रूपयों से मोल लेने का विचार किया। इस बात में न तेरा हिस्सा है, न बांटा; क्योंकि तेरा मन परमेश्वर के आगे सीधा नहीं। इसलिये अपनी इस बुराई से मन फिराकर प्रभु से प्रार्थना कर, सम्भव है तेरे मन का विचार क्षमा किया जाए। क्योंकि मैं देखता हूं, कि तू पित्त की सी कड़वाहट और अधर्म के बन्धन में पड़ा है।

प्रेरितों के काम 8:18—23

मैं ने कहा, हे प्रभु तू कौन है? प्रभु ने कहा, मैं यीशु हूं: जिसे तू सताता है। परन्तु तू उठ, अपने पांवों पर खड़ा हो; क्योंकि मैं ने तुझे इसलिये दर्शन दिया है, कि तुझे उन बातों पर भी सेवक और गवाह ठहराऊं, जो तू ने देखी हैं, और उन का भी जिन के लिये मैं तुझे दर्शन दूंगा।और मैं तुझे तेरे लोगों से और अन्यजातियों से बचाता रहूंगा, जिन के पास मैं अब तुझे इसलिये भेजता हूं। कि तू उन की आंखे खोले, कि वे अंधकार से ज्योति की ओर, और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरें; कि पापों की क्षमा, और उन लोगों के साथ जो मुझ पर विश्वास करने से पवित्रा किए गए हैं, मीरास पाएं।

प्रेरितों के काम 26:15—18

सो वे पवित्र आत्मा के भेजे हुए सिलूकिया को गए; और वहां से जहाज पर चढ़कर कुप्रुस को चले। और सलमीस में पहुंचकर, परमेश्वर का वचन यहूदियों की अराधनालयों में सुनाया; और यूहन्ना उन का सेवक था।और उस सारे टापू में होते हुए, पाफुस तक पहुंचेः वहां उन्हें बार–यीशु नाम एक यहूदी टोन्हा और झूठा भविष्यद्वक्ता मिला।वह सिरगियुस पौलुस सूबे के साथ था, जो बुद्धिमान पुरूष थाः उस ने बरनबास और शाऊल को अपने पास बुलाकर परमेश्वर का वचन सुनना चाहा। परन्तु इलीमास टोन्हे ने, क्योंकि यही उसके नाम का अर्थ है उन का साम्हना करके, सूबे को विश्वास करने से रोकना चाहा। तब शाऊल ने जिस का नाम पौलुस भी है, पवित्रा आत्मा से परिपूर्ण हो उस की ओर टकटकी लगाकर कहा। हे सारे कपट और सब चतुराई से भरे हुए शैतान की सन्तान, सकल धर्म के बैरी, क्या तू प्रभु के सीधे मार्गों को टेढ़ा करना न छोड़ेगा? अब देख, प्रभु का हाथ तुझ पर लगा है; और तू कुछ समय तक अन्धा रहेगा और सूर्य को न देखेगाः तब तुरन्त धुन्धलाई और अन्धेरा उस पर छा गया, और वह इधर उधर टटोलने लगा, ताकि कोई उसका हाथ पकड़के ले चले। तब सूबे ने जो कुछ हुआ था, देखकर और प्रभु के उपदेश से चकित होकर विश्वास किया।।

प्रेरितों के काम 13:4–12

- वे उस ———— को पहचानने में असफल रहें जो हमारे और मसीह के बीच में विद्यमान है।
- छुटकारे की सेवकाई के सन्दर्भ में दो बड़ी चेतावनियां....
- वचन के अन्दर छुटकारे की सेवकाई को करने के लिए कोई ऐसी सीधी आज्ञा नहीं दी गयी है, यहां तक कि कष्टों से मुक्त करने के लिए भी नहीं,लेकिन परमेश्वर को वचन का इस्तेमाल करते हुए लोगों को पश्चाताप के लिए पुकारना और मसीह की ओर फिरने हेतू ———— सेवकाई निभाने के लिए वचन में अनेकों सीधी व स्पष्ट आज्ञाएं प्रदान की गयी हैं।
- हमें व्यक्तिगत ————, विशेषकर नैतिक बुराईयों के संदर्भ में वचन के जोर या महत्व का अनुकरण करने का ध्यान रखना चाहिए।
- बाईबल कई बार शैतान के बारे में चर्चा किये बगैर हमारी जिम्मेदारियों के बारे में बोलती है।

जब किसी की परीक्षा हो, तो वह यह न कहे, कि मेरी परीक्षा परमेश्वर की ओर से होती है; क्योंकि न तो बुरी बातों से परमेश्वर की परीक्षा हो सकती है, और न वह किसी की परीक्षा आप करता है। जब किसी की परीक्षा हो, तो वह यह न कहे, कि मेरी परीक्षा परमेश्वर की ओर से होती है; क्योंकि न तो बुरी बातों से परमेश्वर की परीक्षा हो सकती है, और न वह किसी की परीक्षा आप करता है।

याकूब 1:13–14

- बाइबल कभी भी हमारी जिम्मेदारियों के बारे में बात किये बगैर शैतान के बारे में बात नहीं करती।

मार्ग के किनारे के वे हैं, जिन्हों ने सुना; तब शैतान आकर उन के मन में से वचन उठा ले जाता है, कि कहीं ऐसा न हो कि वे विश्वास करके उद्धार पाएं।चट्टान पर के वे हैं, कि जब सुनते हैं, तो आनन्द से वचन को ग्रहण तो करते हैं, परन्तु जड़ न पकड़ने से वे थोड़ी देर तक विश्वास रखते हैं, और परीक्षा के समय बहक जाते हैं। जो झाड़ियों में गिरा, सो वे हैं, जो सुनते हैं, पर होते होते चिन्ता और धन और जीवन के सुख विलास में फंस जाते हैं, और उन का फल नहीं पकता। पर अच्छी भूमि में के वे हैं, जो वचन सुनकर भले और उत्तम मन में सम्भाले रहते हैं, और धीरज से फल लाते हैं।।

लूका 8:12—15

और शैतान यहूदा में समाया, जो इस्करियोती कहलाता और बारह चेलों में गिना जाता था।

लूका 22:3

यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, क्या मैं ने तुम बारहों को नहीं चुन लिया? तौभी तुम में से एक व्यक्ति शैतान है।

यूहन्ना 6:70

और जब शैतान शमौन के पुत्रा यहूदा इस्करियोती के मन में यह डाल चुका था, कि उसे पकड़वाए, तो भोजन के समय।

यूहन्ना13:2

और टुकड़ा लेते ही शैतान उस में समा गयाः तब यीशु ने उस से कहा, जो तू करता है, तुरन्त कर।

यूहन्ना 13:27

उस ने जाकर महायाजकों और पहरूओं के सरदारों के साथ बातचीत की, कि उस को किस प्रकार उन के हाथ पकड़वाए। वे आनन्दित हुए, और उसे रूपये देने का वचन दिया। उस ने मान लिया, और अवसर ढूंढ़ने लगा, कि बिना उपद्रव के उसे उन के हाथ पकड़वा दे।। लूका 22:4—6

वह यह कह ही रहा था, कि देखो एक भीड़ आई, और उन बारहों में से एक जिस का नाम यहूदा था उनके आगे आगे आ रहा था, वह यीशु के पास आया, कि उसका चूमा ले। यीशु ने उस से कहा, हे यहूदा, क्या तू चूमा लेकर मनुष्य के पुत्रा को पकड़वाता है?

लूका 22:47—48

परन्तु पतरस ने कहा; हे हनन्याह! शैतान ने तेरे मन में यह बात क्यों डाली है कि तू पवित्रा आत्मा से झूठ बोले, और भूमि के दाम में से कुछ रख छोड़े?

प्रेरितों के काम 5:3

और उस ने तुम्हें भी जिलाया, जो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे। जिन में तुम पहिले इस संसार की रीति पर, और आकाश के अधिकार के हाकिम अर्थात् उस आत्मा के अनुसार चलते थे, जो अब भी आज्ञा न माननेवालों में कार्य करता है। इन में हम भी सब के सब पहिले अपने शरीर की लालसाओं में दिन बिताते थे, और शरीर, और मन की मनसाएं पूरी करते थे, और और लोगों के समान स्वभाव ही से क्रोध की सन्तान थे। परन्तु परमेश्वर ने जो दया का धनी है; अपने उस बड़े प्रेम के कारण, जिस से उस ने हम से प्रेम किया।जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे, तो हमें मसीह के साथ जिलाया; (अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है।)

इफिसयों 2:1–5

और विरोधियों को नम्रता से समझाए, क्या जाने परमेश्वर उन्हें मन फिराव का मन दे, कि वे भी सत्य को पहिचानें।और इस के द्वारा उस की इच्छा पूरी करने के लिये सचेत होकर शैतान के फंदे से छूट जाए।।

2तीमुथियुस 2:25–26

- छुटकारे की सेवकाई के बारे में एक रूचिकर विचार.......
- ★ जब छुटकारे की सेवकाई की बात आती हैं तो निश्चय ही नया नियम एक बात को छुड़ाने के सन्दर्भ में कहता है और वह है, पश्चातापहीन व्यक्ति को शैतान के चंगुल ——————— बचाना।

शरीर के विनाश के लिये शैतान को सौंपा जाए, ताकि उस की आत्मा प्रभु यीशु के दिन में उद्धार पाए।

1कुरिन्थियों 5:5

हे पुत्र तीमुथियुस, उन भविष्यद्वाणियों के अनुसार जो पहिले तेरे विषय में की गई थीं, मैं यह आज्ञा सौंपता हूं, कि तू उन के अनुसार अच्छी लड़ाई को लड़ता रहे। और विश्वास और उस अच्छे विवेक को थामें रहे जिसे दूर करने के कारण कितनों का विश्वास रूपी जहाज डूब गया। उन्हीं में से हुमिनयुस और सिकन्दर हैं जिन्हें मैं ने शैतान को सौंप दिया, कि वे निन्दा करना न सीखें।।

1तीमुथियुस 1:18–20

- अतः हम कैसे नैतिक बुराईयों को प्रतिउत्तर देते हैं?
- ★ नैतिक रूप में ——————करने वाली शैतान की शक्तियों को पहचाने।
- ★ व्यक्तिगत तौर पर —————— करने की अपनी जिम्मेदारी को पहचाने।
- और कैसे हम प्राकृतिक बुराईयों को प्रतिउत्तर देते हैं?

और विश्वास करनेवाले बहुतेरे पुरूष और स्त्रियां प्रभु की कलीसिया में और भी अधिक आकर मिलते रहे।) यहां तक कि लोग बीमारों को सड़कों पर ला लाकर, खाटों और खटोलों पर लिटा देते थे, कि जब पतरस आए, तो उस की छाया ही उन में से किसी पर पड़ जाए। और यरूशलेम

के आस पास के नगरों से भी बहुत लोग बीमारों और अशुद्ध आत्माओं के सताए हुओं को ला लाकर, इकट्ठे होते थे, और सब अच्छे कर दिए जाते थे।।

प्रेरितों के काम 5:14–16

★ चंगाई के उददेश्य के याद रखें.....
⊡ चंगाई सुसमाचार की ––––– बनाती है।
⊡ चंगाई सेवकाई की बाधाओं को हटाती है।
⊡ चंगाई परमेश्वर को ––––– प्रदान करती है।
★ चंगाई के लिए प्रार्थना पर ध्यान लगाएं.....

और जब वह चेलों के पास आया, तो देखा कि उन के चारों और बड़ी भीड़ लगी है और शास्त्री उन के साथ विवाद कर रहें हैं। और उसे देखते ही सब बहुत ही आश्चर्य करने लगे, और उस की ओर दौड़कर उसे नमस्कार किया। उस ने उन से पूछा; तुम इन से क्या विवाद कर रहे हो? भीड़ में से एक ने उसे उत्तर दिया, कि हे गुरू, मैं अपने पुत्रा को, जिस में गूंगी आत्मा समाई है, तेरे पास लाया था। जहां कहीं वह उसे पकड़ती है, वहीं पटक देती हैः और वह मुंह में फेन भर लाता, और दांत पीसता, और सूखता जाता हैः और मैं ने तेरे चेलों से कहा था कि वे उसे निकाल दें परन्तु वह निकाल न सके। यह सुनकर उस ने उन से उत्तर देके कहाः कि हे अविश्वासी लोगों, मैं कब तक तुम्हारे साथ रहूंगा? और कब तक तुम्हारी सहूंगा? उसे मेरे पास लाओ। तब वे उसे उसके पास ले आएः और जब उस ने उसे देखा, तो उस आत्मा ने तुरन्त उसे मरोड़ा; और वह भूमि पर गिरा, और मुंह से फेन बहाते हुए लोटने लगा। उस ने उसके पिता से पूछा; इस की यह दशा कब से है? उस ने कहा, बचपन से : उस ने इसे नाश करने के लिये कभी आग और कभी पानी में गिराया; परन्तु यदि तू कुछ कर सके, तो हम पर तरस खाकर हमारा उपकार कर। यीशु ने उस से कहा; यदि तू कर सकता है; यह क्या बात है? विश्वास करनेवाले के लिये सब कुछ हो सकता है। बालक के पिता ने तुरन्त गिड़गिड़ाकर कहा; हे प्रभु, मैं विश्वास करता हूं, मेरे अविश्वास का उपाय कर। जब यीशु ने देखा, कि लोग दौड़कर भीड़ लगा रहे हैं, तो उस ने अशुद्ध आत्मा को यह कहकर डांटा, कि हे गूंगी और बहिरी आत्मा, मैं तुझे आज्ञा देता हूं, उस में से निकल आ, और उस में फिर कभी प्रवेश न कर।

तब वह चिल्लाकर, और उसे बहुत मरोड़ कर, निकल आई; और बालक मरा हुआ सा हो गया, यहां तक कि बहुत लोग कहने लगे, कि वह मर गया। परन्तु यीशु ने उसका हाथ पकड़ के उसे उठाया, और वह खड़ा हो गया। जब वह घर में आया, तो उसके चेलों ने एकान्त में उस से पूछा, हम उसे क्यों न निकाल सके? उस ने उन से कहा, कि यह जाति बिना प्रार्थना किसी और उपाय से निकल नहीं सकती।।

मरकुस 9:14–29

⊡ चंगाई के लिए ––––– से प्रार्थना करें।
⊡ सुसमाचार के अग्रसर होने के लिए।

और परमेश्वर पौलुस के हाथों से सामर्थ के अनोखे काम दिखाता था। यहां तक कि रूमाल और अंगोछे उस की देह से छुलवाकर बीमारों पर डालते थे, और उन की बीमारियां जाती रहती थी; और दुष्टात्माएं उन में से निकल जाया करती थीं।

प्रेरितों के काम 19:11—12

⊡ सेवकाई में सफलता के लिए प्रार्थना।

जो तित्तर बित्तर हुए थे, वे सुसमाचार सुनाते हुए फिरे।और फिलिप्पुस सामरिया नगर में जाकर लोगों में मसीह का प्रचार करने लगा।और जो बातें फिलिप्पुस ने कहीं उन्हें लोगों ने सुनकर और जो चिन्ह वह दिखाता था उन्हें देख देखकर, एक चित्त होकर मन लगाया। क्योंकि बहुतों में से अशुद्ध आत्माएं बड़े शब्द से चिल्लाती हुई निकल गई, और बहुत से झोले के मारे हुए और लंगडे भी अच्छे किए गए। और उस नगर में बड़ा आनन्द हुआ।।

प्रेरितों के काम 8:4—8

⊡ परमेश्वर की महिमा के लिए ।

तब पतरस ने कहा, चान्दी और सोना तो मेरे पास है नहीं; परन्तु जो मेरे पास है, वह तुझे देता हूं: यीशु मसीह नासरी के नाम से चल फिर। और उस ने उसका दहिना हाथ पकड़ के उसे उठायाः और तुरन्त उसके पावों और टखनों में बल आ गया। और वह उछलकर खड़ा हो गया, और चलने फिरने लगा और चलता; और कूदता, और परमेश्वर की स्तुति करता हुआ उन के साथ मन्दिर में गया। सब लोगों ने उसे चलते फिरते और परमेश्वर की स्तुति करते देखकर। उस को पहचान लिया कि यह वही है, जो मन्दिर के सुन्दर फाटक पर बैठ कर भीख मांगा करता था; और उस घटना से जो उसके साथ हुई थी; वे बहुत अचम्भित और चकित हुए।।

प्रेरितों के काम 3:6—10

और उसी के नाम ने, उस विश्वास के द्वारा जो उसके नाम पर है, इस मनुष्य को जिसे तुम देखते हो और जानते भी हो सामर्थ दी है; और निश्चय उसी विश्वास ने जो उसके द्वारा है, इस को तुम सब के साम्हने बिलकुल भला चंगा कर दिया है।

प्रेरितों के काम 3:16

जब हम प्रार्थना करने की जगह जा रहे थे, तो हमें एक दासी मिली जिस में भावी कहनेवाली आत्मा थी; और भावी कहने से अपने स्वामियों के लिये बहुत कुछ कमा लाती थी। वह पौलुस के और हमारे पीछे आकर चिल्लाने लगी कि ये मनुष्य परम प्रधान परमेश्वर के दास हैं, जो हमें उद्धार के मार्ग की कथा सुनाते हैं। वह बहुत दिन तक ऐसा ही करती रही, परन्तु पौलुस दुःखित हुआ, और मुंह फेरकर उस आत्मा से कहा, मैं तुझे यीशु मसीह के नाम से आज्ञा देता हूं, कि उस में से निकल जा और वह उसी घड़ी निकल गई।।

प्रेरितों के काम 16:16—18

⊡ चंगाई के लिए ———— रखते हुए प्रार्थना करें।

यदि तुम में कोई दुखी हो तो वह प्रार्थना करेः यदि आनन्दित हो, तो वह स्तुति के भजन गाए। यदि तुम में कोई रोगी हो, तो कलीसिया के प्राचीनों को बुलाए, और वे प्रभु के नाम से उस पर तेल मल कर उसके लिये प्रार्थना करें। और विश्वास की प्रार्थना के द्वारा रोगी बच जाएगा और प्रभु उस को उठाकर खड़ा करेगा; और यदि उस ने पाप भी किए हों, तो उन की भी क्षमा हो जाएगी। इसलिये तुम आपस में एक दूसरे के साम्हने अपने अपने पापों को मान लो; और एक दूसरे के लिये प्रार्थना करो, जिस से चंगे हो जाओ; धर्मी जन की प्रार्थना के प्रभाव से बहुत कुछ हो सकता है।

याकूब 5:13–16

⊡ राज्य यहां है।

उन्हों ने उसके पास आकर कहा, यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने हमें तेरे पास यह पूछने को भेजा है, कि क्या आनेवाला तू ही है, या हम दूसरे की बाट जोहें?
उसी घड़ी उस ने बहुतों को बीमारियों; और पीड़ाओं, और दुष्टात्माओं से छुड़ाया; और बहुत से अन्धों को आंखे दी। और उस ने उन से कहा; जो कुछ तुम ने देखा और सुना है, जाकर यूहन्ना से कह दो; कि अन्धे देखते हैं, लंगडे चलते फिरते हैं, कोढ़ी शुद्ध किए जाते हैं; और कंगालों को सुसमाचार सुनाया जाता है।

लूका 7:20–22

⊡ राज्य आ रहा है।

और इसलिये कि मैं प्रकाशों की बहुतायत से फूल न जाऊं, मेरे शरीर में एक कांटा चुभाया गया अर्थात् शैतान का एक दूत कि मुझे घूसे मारे ताकि मैं फूल न जाऊं। इस के विषय में मैं ने प्रभु से तीन बार बिनती की, कि मुझ से यह दूर हो जाए। और उस ने मुझ से कहा, मेरा अनुग्रह तेरे लिये बहुत है; क्योंकि मेरी सामर्थ निर्बलता में सिद्ध होती है; इसलिये मैं बड़े आनन्द से अपनी निर्बलताओं पर घमंड करूंगा, कि मसीह की सामर्थ मुझ पर छाया करती रहे।

2 कुरिन्थियों 12:7–9

क्या एक मसीह भी दुष्टात्मा ग्रसित हो सकता है?

⊡ यह सन्दर्भ में बड़ा मतभेद है....
★ दुष्टात्मा ———होना बाईबल में कहीं नज़र नहीं आता।
★ बहुत से लोगो ने इसे ''उग्र'' संज्ञा से भी पुकारा है।
⊡ अतः सवाल यह उठता है....
⊡ कि किस हद तक एक मसीही जन दुष्टात्मा के ——— में आ सकता है?
⊡ और जबाव है.....
★ कि मसीही जन तो ——— और उसमें उसकी आत्मा वास करती है।
★ एक दुष्टात्मा कभी भी एक मसीही का स्वामी नहीं हो सकता ।
★ एक दुष्टात्मा कभी भी एक मसीही को ——— नही कर सकता।

उसी ने हमें अन्धकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्रा के राज्य में प्रवेश कराया। जिस से हमें छुटकारा अर्थात् पापों की क्षमा प्राप्त होती है। कुलुस्सियों 1:13–15

अविश्वासियों के साथ असमान जूए में न जुतो, क्योंकि धार्मिकता और अधर्म का क्या मेल जोल? या ज्योति और अन्धकार की क्या संगति? और मसीह का बलियाल के साथ क्या लगाव? या विश्वासी के साथ अविश्वासी का क्या नाता? और मूरतों के साथ परमेश्वर के मन्दिर का क्या सम्बन्ध? क्योंकि हम तो जीवते परमेश्वर का मन्दिर हैं; जैसा परमेश्वर ने कहा है कि मैं उन में बसूंगा और उन में चला फिरा करूंगा; और मैं उन का परमेश्वर हूंगा, और वे मेरे लोग होंगे।

2कुरिन्थियों 6:14–16

उन दिनों में उस ने कुछ न खाया और जब वे दिन पूरे हो गए, तो उसे भूख लगी।

लूका 4:2

परन्तु पतरस ने कहा; हे हनन्याह! शैतान ने तेरे मन में यह बात क्यों डाली है कि तू पवित्रा आत्मा से झूठ बोले, और भूमि के दाम में से कुछ रख छोड़े?

प्रेरितों के काम 5:3

और इसलिये कि मैं प्रकाशों की बहुतायत से फूल न जाऊं, मेरे शरीर में एक कांटा चुभाया गया अर्थात् शैतान का एक दूत कि मुझे घूसे मारे ताकि मैं फूल न जाऊं।

2 कुरिन्थियों 12:7

इस कारण झूठ बोलना छोड़कर हर एक अपने पड़ोसी से सच बोले, क्योंकि हम आपस में एक दूसरे के अंग हैं। क्रोध तो करो, पर पाप मत करोः सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे। और न शैतान को अवसर दो। चोरी करनेवाला फिर चोरी न करे; बरन भले काम करने में अपने हाथों से परिश्रम करे; इसलिये कि जिसे प्रयोजन हो, उसे देने को उसके पास कुछ हो। कोई गन्दी बात तुम्हारे मुंह से न निकले, पर आवश्यकता के अनुसार वही जो उन्नति के लिये उत्तम हो, ताकि उस से सुननेवालों पर अनुग्रह हो। और परमेश्वर के पवित्रा आत्मा को शोकित मत करो, जिस से तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है। सब प्रकार की कड़वाहट और प्रकोप और क्रोध, और कलह, और निन्दा सब बैरभाव समेत तुम से दूर की जाए। और एक दूसरे पर कृपाल, और करूणामय हो, और जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करो।।

इफिसियों 4:25–32

फिर भी बाईबल में कहीं भी नहीं ज्ञात हैं कि किसी मसीही के भीतर से किसी दुष्टात्मा को निकाला गया हो।

क्या हमें दुष्टात्माओं से बातें करनी चाहिए?

दुष्टात्माओं से बात चीत करने के बारे में बाईबल हमे क्या बताती है?

वचन विशेष प्रकार की आज्ञाओं के साथ कहता है कि दुष्टात्माओं और उनके माध्यमों से कोई सरोकार न रखा जाए।

ओझाओं और भूत साधने वालों की ओर न फिरना, और ऐसों को खोज करके उनके कारण अशुद्ध न हो जाना; मै तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूं।

लैव्यव्यवस्था 19:31

फिर जो प्राणी ओझाओं वा भूतसाधनेवालों की ओर फिरके, और उनके पीछे होकर व्यभिचारी बने, तब मैं उस प्राणी के विरूद्ध होकर उसको उसके लोगों के बीच में से नाश कर दूंगा।

लैव्यवयवस्था 20:6

फिर उस ने अपने बेटे को आग में होम करके चढ़ाया; और शुभअशुभ मुहुर्त्तो को मानता, और टोना करता, और ओझों और भूत सिद्विवालों से व्यवहार करता था; वरन उस ने ऐसे बहुत से काम किए जो यहोवा की दृष्टि में बुरे हैं, और जिन से वह क्रोधित होता है।

2राजा 21:6

फिर ओझे, भूतसिद्विवाले, गृहदेवता, मूरतें और जितनी घिनौनी वस्तुएं यहूदा देश और यरूशलेम में जहां कहीं दिखाई पड़ीं, उन सभों को योशिय्याह ने उस मनसा से नाश किया, कि व्यवस्था की जो बातें उस पुस्तक में लिखी थीं जो हिलकिय्याह याजक को यहोवा के भवन में मिली थी, उनको वह पूरी करे।

2राजा 23–24

जब लोग तुम से कहें कि ओझाओं और टोन्हों के पास जाकर पूछो जो गुनगुनाते और फुसफुसाते हैं, तब तुम यह कहना कि क्या प्रजा को अपने परमेश्वर ही के पास जाकर न पूछना चाहिये? क्या जीवतों के लिये मुर्दों से पूछना चाहिये? व्यवस्था और चितौनी ही की चर्चा किया करो! यदि वे लोग इस वचनों के अनुसार न बोलें तो निश्चय उनके लिये पौ न फटेगी

यशायाह 8:19–20

बाईबल हमें बहकाने वाली आत्माए के बुलाये जाने के <u>खतरे</u> के बारे में पहले से ही चेतावनी देती है।

परन्तु आत्मा स्पष्टता से कहता है, कि आनेवाले समयों में कितने लोग भरमानेवाली आत्माओं, और दुष्टात्माओं की शिक्षाओं पर मन लगाकर विश्वास से बहक जाएंगे।

1तीमुथीयुस 4:1

उसी रीति से ये स्वप्नदर्शी भी अपने अपने शरीर को अशुद्ध करते, और प्रभुता को तुच्छ जानते हैं; और ऊंचे पदवालों को बुरा भला कहते हैं। परन्तु प्रधान स्वर्गदूत मीकाईल ने, जब शैतान से मूसा की लोथ के विषय में वाद–विवाद करता था, तो उस को बुरा भला कहके दोष लगाने का साहस न किया; पर यह कहा, कि प्रभु तुझे डांटे। पर ये लोग जिन बातों को नहीं जानते, उन को बुरा

भला कहते हैं; पर जिन बातों को अचेतन पशुओं की नाई स्वभाव ही से जानते हैं, उन में अपने आप को नाश करते हैं।

यहूदा 1:8–10

★ यीशु ने ज्यादातर जगहों पर दुष्टात्माओं से <u>खामोश</u> रहने के लिए कहा।

और उस ने बहुतों को जो नाना प्रकार की बीमारियों से दुखी थे, चंगा किया; और बहुत से दुष्टात्माओं को निकाला; और दुष्टात्माओं को बोलने न दिया, क्योंकि वे उसे पहचानती थीं।।

मरकुस 1:34

और दुष्टात्मा चिल्लाती और यह कहती हुई कि तू परमेश्वर का पुत्रा है, बहुतों में से निकल गई पर वह उन्हें डांटता और बोलने नहीं देता था, क्योंकि वे जानते थे, कि यह मसीह है।।

लूका 4:41

★ ज्यादातर यीशु ने दुष्टात्माओं को ———— निकाल दिया।

जब संध्या हुई तब वे उसके पास बहुत से लोगों को लाए जिन में दुष्टात्माएं थीं और उस ने उन आत्माओं को अपने वचन से निकाल दिया, और सब बीमारों को चंगा किया।

मत्ती 8:16

⊡ दुष्टात्माओं का नाम लेने के बारे में वचन क्या बताता है?

★ नये नियम के भीतर दुष्टात्माओं को नाम लेकर बुलाने के लिए ———— रणनीति का इस्तेमाल नहीं किया गया है।

उस ने उस से पूछा; तेरा कया नाम है? उस ने उस से कहा; मेरा नाम सेना है; क्योंकि हम बहुत हैं।

मरकुस 5:9

हालांकि यहां, यीशु को नाम से ज्यादा संख्या मिली!

वचन दुष्टात्माओं को बाँधने के बारे में क्या बताता है?

या क्योंकर कोई मनुष्य किसी बलवन्त के घर में घुसकर उसका माल लूट सकता है जब तक कि पहिले उस बलवन्त को न बान्ध ले? और तब वह उसका घर लूट लेगा।

मत्ती 12:29

★ धर ———— है।

★ ————वह बलवान व्यक्ति है।

★ सम्पत्ती वे ——— हैं जिन्हे यीशु ने शैतान पर डांका डाल कर बचाया है।

★ बाँधना यीशु ————का कार्य है।

★ यह अनुच्छेद हमें दुष्टात्माओं को बाँधने के बारे में नहीं बताता।

शमौन पतरस ने उत्तर दिया, कि तू जीवते परमेश्वर का पुत्रा मसीह है।यीशु ने उस को उत्तर दिया, कि हे शमौन योना के पुत्रा, तू धन्य है; क्योंकि मांस और लोहू ने नहीं, परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, यह बात तुझ पर प्रगट की है। और मैं भी तुझ से कहता हूं, कि तू पतरस है; और मैं इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊंगाः और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे। मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुंजियां दूंगाः और जो कुछ तू पृथ्वी पर बान्धेगा, वह स्वर्ग में बन्धेगा; और जो कुछ तू पृथ्वी पर खोलेगा, वह स्वर्ग में खुलेगा। तब उस ने चेलों को चिताया, कि किसी से न कहना! कि मैं मसीह हूं। मत्ती 16:16–20

यदि तेरा भाई तेरा अपराध करे, तो जा और अकेले में बातचीत करके उसे समझा; यदि वह तेरी सुने तो तू ने अपने भाई को पा लिया। और यदि वह न सुने, तो और एक दो जन को अपने साथ ले जा, कि हर एक बात दो या तीन गवाहों के मुंह से ठहराई जाए। यदि वह उन की भी न माने, तो कलीसिया से कह दे, परन्तु यदि वह कलीसिया की भी न माने, तो तू उसे अन्यजाति और महसूल लेनेवाले के ऐसा जान। मैं तुम से सच कहता हूं, जो कुछ तुम पृथ्वी पर बान्धोगे, वह स्वर्ग पर बन्धेगा और जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोलोगे, वह स्वर्ग पर खुलेगा। फिर मैं तुम से कहता हूं, यदि तुम में से दो जन पृथ्वी पर किसी बात के लिये जिसे वे मांगें, एक मन के हों, तो वह मेरे पिता की ओर से स्वर्ग में है उन के लिये हो जाएगी। क्योंकि जहां दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे होते हैं वहां मैं उन के बीच में होता हूं।।

मत्ती 18:15–20

ये दोनो अनुच्छेद ऐसे लोगों के बारे में बताते हैं जो विश्वास के ———— के भीतर या बाहर हैं, दुष्टात्माओं के बारे में नहीं जो लोगों के अन्दर या बाहर हैं।

- ⊡ ———— आत्माओं के बारे में वचन हमें क्या बताता है?
- ★ वचन बहुत थोड़ा हमें सीधे तौर पर शहरों, राज्यों, विभिन्न क्षेत्रों और देशों पर कार्यरत स्वगदूतों या आत्माओं के बारे में बताता है।
- ★ हमने कभी भी यीशु,यूहन्ना, पतरस, याकूब, या पौलुस को क्षेत्रीय आत्मा को निकालने का प्रयास करते हुए नहीं देखा।
- ⊡ वचन आत्मिक युद्ध के दौरान वार्तालाप के बारे में क्या कहता है?
- ★ परमेश्वर से ————————।
- ★ ———————— प्रार्थना न करें।

क्या हम पर दूसरे लोगों या दूसरे स्थानों से दुष्टात्माएं सवार हो सकती हैं?

तू उनको दंडवत् न करना, और न उनकी उपासना करना; क्योंकि मै तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखने वाला ईश्वर हूं, और जो मुझ से बैर रखते है, उनके बेटों, पोतों, और परपोतों को भी पितरों का दंड दिया करता हूं,

निर्गमन 20:5

- ⊡ इस अनुच्छेद को सरल सा मतलब है...

- पाप का ——————— होता है।
- पाप का न्याय किया जाएगा।
- बाईबल में कहीं पर भी ऐसे मसीही जन का उदहारण नहीं दिया गया जिसने ....
- अपने —————— से दुष्टात्माओं को प्राप्त किया हो।
- पुरखाओं के समय में किये गये झाड़ा फूंकी के कामों की वजह से हमला हुआ हो।
- ———————— की वजह से दुष्टात्माओं द्वारा ग्रसित हो गया हो।
- उसे लगातार दुष्टात्माओं से छुटकारे की जरूरत हो।

जब अशुद्ध आत्मा मनुष्य में से निकल जाती है, तो सूखी जगहों में विश्राम ढूंढ़ती फिरती है, और पाती नहीं। तब कहती है, कि मैं अपने उसी घर में जहां से निकली थी, लौट जाऊंगी, और आकर उसे सूना, झाड़ा—बुहारा और सजा सजाया पाती है। तब वह जाकर अपने से और बुरी सात आत्माओं को अपने साथ ले आती है, और वे उस में पैठकर वहां वास करती है, और उस मनुष्य की पिछली दशा पहिले से भी बुरी हो जाती है; इस युग के बुरे लोगों की दशा भी ऐसी ही होगी।
मत्ती 12:43—45

- यह दृष्टान्त चेतावनी देता है कि अपश्चातापी जन दण्डित होगा।
- यीशु इस्राएल को अन्तिम न्याय के लिए चेतावनी दे रहे हैं, न कि वे विश्वासियों को चेतावनी दे रहे, वापस आने वाली दुष्टात्माओं से आत्म छुटकारा पा सकें।

यदि मैं किसी ऐसी चीज का अनुभव करूँ जो वचन में न पाया जाता हो तो मझे क्या करना चाहिए?

- आत्मिक संसार को लेकर ———— मन के हों।
- लिखित वचन के अनुसार ——— करने वाले बने।
- शैतान के द्वारा किये जाने वाले अति उग्र प्रगटिकरण के लिए —————— रहें।
- शैतान की हमे मसीह, —————— और परमेश्वर के वचन से भटकाने की चाल से सावधान रहें।
- वचन में प्रकट की गयी मसीह की सच्चाई और सामर्थ्य पर ———— रखें।

निर्णायक चुनौतियां

इस संग्राम में आगे अन्तिम युद्ध को देखें......

फिर स्वर्ग पर लड़ाई हुई, मीकाईल और उसके स्वर्गदूत अजगर से लड़ने को निकले, और अजगर ओर उनके दूत उस से लड़े। परन्तु प्रबल न हुए, और स्वर्ग में उन के लिये फिर जगह न रही। और वह बड़ा अजगर अर्थात् वही पुराना सांप, जो इब्लीस और शैतान कहलाता है, और सारे संसार का भरमानेवाला है, पृथ्वी पर गिरा दिया गया; और उसके दूत उसके साथ गिरा दिए गए। फिर मैं ने स्वर्ग पर से यह बड़ा शब्द आते हुए सुना, कि अब हमारे परमेश्वर का उद्धार, और सामर्थ, और राज्य, और उसके मसीह का अधिकार प्रगट हुआ है; क्योंकि हमारे भाइयों पर दोष लगानेवाला, जो रात दिन हमारे परमेश्वर के साम्हने उन पर दोष लगाया करता था, गिरा दिया

गया। और वे मेम्ने के लोहू के कारण, और अपनी गवाही के वचन के कारण, उस पर जयवन्त हुए, और उन्हों ने अपने प्राणों को प्रिय न जाना, यहां तक कि मृत्यु भी सह ली। इस कारण, हे स्वर्गों, और उन में के रहनेवालों मगन हो; हे पृथ्वी, और समुद्र, तुम पर हाय! क्योंकि शैतान बड़े क्रोध के साथ तुम्हारे पास उतर आया है; क्योंकि जानता है, कि उसका थोड़ा ही समय और बाकी है।।

प्रकाशितवाक्य 12:7–12

- मसीह को ––––– के रूप में आदर दिया जायेगा।
- ✱ परमेश्वर का ––––– यहां होगा।
- ✱ परमेश्वर की सामर्थ्य यहां होगी।
- ✱ परमेश्वर का ––– यहां होगा।
- ⊡ शैतान ––––– होगा ।
- ✱ बगीचे का वह पुराना सर्प।
- ✱ सबसे बड़ा ––– (शैतान)
- ✱ भाईयों पर दोष लगाने वाला।
- ⊡ कलीसिया भ ––––– के साथ उठ खड़ी होगी।
- ✱ क्रूस पर ––––– गये मसीह के लहू के द्वारा।
- शैतान के लगाये गये दोष ––––– हैं।
- मसीह की शान्ति –––––– है।
- ✱ इस विषय पर मसीही जीवन के ––––– के द्वारा।
- सताए गये विश्वासी मसीह के दुःखों के सहभागी हुए।
- सताए गये विश्वासी शैतान की पराजय में शामिल होगे।
- जब शैतान सताव को विश्वासियों के जीवन को नाश करने के लिए इस्तेमाल करता है, वह असल में उनके अनन्त आनन्द और स्वयं अपने अनन्त नाश का भागीदार बनता है।

''जैसे ही परमेश्वर का वचन आपके द्वारा जगत में फैलाया जाता है,शैतान आपको दुःख देना शुरू करेगा और आप एक उत्तम डाक्टर बन जायेगें, और इन परीक्षाओं के द्वारा वह आपको और भी अधिक परमेश्वर की खोज करना और परमेश्वर के वचन से प्रेम करना सिखा देगा। जहां तक मेरा सवाल है.....ओह मेरे प्रिय पोप,मुझे शैतान की प्रताड़नाओं के द्वारा इनता दबाने,तोड़ने और डराने के लिए धन्यवाद, जिनकी वजह से मैं उत्तम धर्मज्ञाता बन गया,जिनकी वजह से आज मैं अपनी उस मंजिल तक पहुॅच गया जहां शायद मैं कभी नहीं पहुंच पाता।''

मार्टिन लूथर।

जो कुछ आपके पास है उसके साथ –––––– ऐसे जिएं कि उसे निर्णायक संग्राम में लेकर जाना है।

तब वे क्लेश दिलाने के लिये तुम्हें पकड़वाएंगे, और तुम्हें मार डालेंगे और मेरे नाम के कारण सब जातियों के लोग तुम से बैर रखेंगे।तब बहुतेरे ठोकर खाएंगे, और एक दूसरे से बैर रखेंगे। और

बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बहुतों को भरमाएंगे। और अधर्म के बढ़ने से बहुतों का प्रेम ठण्डा हो जाएगा।परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा। और राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा, कि सब जातियों पर गवाही हो, तब अन्त आ जाएगा।।

मत्ती 24: 9–14

- उददेश्य : ––––– और परमेश्वर की महिमा की धोषणा सारे देशों तक हो।
- ★ सारे संसार में रहने वाले लोगों के समूहों की संख्याः ––––– ।
- ★ ऐसे लोगो के समूह जिनके पास अभी तक परमेश्वर का वचन नहीं पहुँचा है,6400।
- ★ ऐसे लोगो के समूह जिनके पास अभी तक परमेश्वर का वचन नहीं पहुँचा है या वह वंचित है:––––।
- ⊡ मूल्यः अन्त तक मसीह का अनुसरण करने में जो कुछ भी आपके पास है ––– दाँव पर लग सकता है।
- ★ शैतान उस दिन को जितना हो सके आगे ––––– है।
- ★ यदि आप अपने जीवन को सुसमाचार को आगें बढ़ाने के लिए देते हैं, तो आप शैतान और उसकी सारी नरक की शक्तियों का मार्ग में ही सामना करने की अपेक्षा कर सकते हैं।
- ⊡ प्रतिज्ञाः यीशु अपनी कलीसिया के लिए ––––– रहा है।
- ★ हम उन ––––– के समूह का हिस्सा होगें जो अनेको भाषाओं,गोत्रों और देशों से मिलकर बना है।
- ★ हम उसकी ––––– और उसकी ––––– का आनन्द हमेशा तक उठायेगे।